The Paris of the P

78P

असितिमान अस्तामा

ध किंदिराश्च मार्कितिकार्शिक का जीवाल के किंदिर एक

çş

garinkana bakada

ķ

271 A F

देश । विभि क्षि कार्य क्षिया इक्षविद्वा निक्र हो। भा ती विभि । इक्षेत्र वाक्षिक वामादक वर्ष कार्योम कार्या-व्यक्ष मानिक अदेशिक । इक्षेत्र अवस्था कार्या कर वर्षे भारति । इक्षेत्र अवस्था कार्या कर वर्षे भारति । इक्षेत्र विभिन्न विभ कार्या कार्यो कि । इक्षेत्र विभिन्न विभ कार्या कार्या कर वर्षे कार्या का

किन धार नकतान कारा क्षेत्र पर्वक्रिय स्वाप्ता निर्वक्रिय स्वाप्ता स्वाप्त

ভূতিলা**তা**

वैविद्रांद्रमाभ भौताः

in of special section in केंद्र विस्ताविका विश्व विश्व केंद्र Real of State to which principles न अबि क्या उत्पार Maria in 40 # F. ों भी अ

নাটোলিখিত ব্যক্তিগণ

পুরুষ

छेन । निश्टर्ब ग्रेज । 聖代本日本海 衛城 भाषाचि नगरित्र ता क्यार प्रशिक्ष निरंह বেশগুড় ল শ্রির রাজিণুয়ার WITISHT. শীৰ্ম নিশ্চর শাস্ত্র শ্ৰীয়ান পিৰি अध्यान संगात । जा , 計時 香頭 ক্ষমি হৈছে। 1.57 12 ক্ত দ্ कांग्रेटशंडर्रभर : र करा : 3:11 म् ७, मांत्रः एनमार्भाः , श्रीवराष्ट्रकः, वेषसा १००१ ।

3

हेत्र दही गांबाह्र नगरवत्र ग्राणकृषाहा।
केल्पण स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्

राभी देशावि :

ইরাবতী নাটক।

প্রথম অগ্ন

প্রথম গর্ভান্ধ।

ावार्षु (मशक वन-व्यक्तिरामस्वय अञ्च दिश्वित मणः 📑 र्व

ष्ठ्र **अ दू**ढ्रेश 💯 🕆

ঠ। আনকাল

त् :

Z.:

्र, रुआसि १

।।म्- जूरे ।य कीर

্ কার কোপ্ করিস তে

्राताः किंद्र इंडा

ক তৈম, আর এ: এক কোপে কন্ত রক্ষ মলা মলার নাচ্ দেখাতেই। তোর বুলি আমার ইতন এক দিনত কানি

मार कान तिर्थे।

कार

পেক্রেন্থ) সে দিন হিসাব করে দেখেচি থে,
বানি ও বত্রিশবছর ১৯সের মধ্যে, সোরুতে নোটাতে
বেশ পাঁচ হাজার সাতটা কেটেচি, তার মধ্যে
হা একটা সরু রাজা বাইশ কেপে কেটেছিলেম,
তি সেটার হঠাৎ গলাধ কোপু পড়েছিল বলে
শিগ্রিয় শিগ্রিয় মরে গালি, খাঁর আ্মিও তথন
ভেলে মানুষ্ ছিলেম বড়ু মজা করতে জাল্ভুম না।

তার ওসই নাতি রামী রাখ্। আমরা হড়ে রে আনুবো জার উনি পূর্বোর দিন হলে মজা আমরা শ্যালারা বেন কেই নম, ছাজ ভোরে তিতে দেক শাল-আজ ভোরেই শেকদিন কিল (মুদি দেখাইয়া) আম ক্লোৱে ত্ব। আমি গরিনি কিলে, ভূই ধার্মীলাত্রেইত আমি থিয়ে পড়েচি, তার পর আমি বরাবর মাভার ক'রে তুলে এনেচি; তৌকে আজ কথনই প্রেটি কোন বরতে দেব না । আমিই আজ কাট্লো। এতে ব যদি ভূই জোর করিন তোতে আমাতে আজ বোল।

ক। (ছতু ও বৃহুর প্রতি) তোরা দাদাবা কেন ছারে ছার ।
ক্রজা কারে মরিল । চল আমরা দকলে মিরল ক্রার
কাছে যাই : সে আজ মারে কাট্ডে বলাবে, সেই
আজ কাট্রে।

বু। বেশ কথা শলিচিত্দাদা চেতাই লগ । ছ। তবে হল

对对人有人 医海绵 美

দিতীয় গভাষ্ণ

मूटह. है।

प्रतिब ? कि नर्कनीन । (किस्ता क्रिका) cate करि श्रालाम क्लानन मध्या व्यातन क'रत शाकरान । (নম্মা দৃষ্টিপাত করিয়া) উ: কি ভয়ানক নিবিভূ वन। वृष्टिमार्ट्य जीवनानका छ्रशास्त्र इत्र। वार्वात শাশান ভূমিন নিকটস্ক্'লে, যেরপে যুত লেহে ' তুর্বি " নির্গত হয়, দেই রূ**ণ ছ**র্গদের আন্তাণও প্রে ्रमाएक तम्ब हि। (सम् शक्तम अविश्वाद तिथा। **छ :- कि शसीन स्मरणत शस्त्रन ! कार्यः । छा। सक नि**हाः श्टिक एडा काजक इ'क (भूनजाम किया स्टित्स) बाक-क्रमात्री द्याविकाद्वां हर्षा विद्याव शांत्रमांमानी भ, देश প্ৰগত থাকিলাও **এই ছুর্য্যোগে**র-সময় তেল ত ভুটুণুড়ে ল खन श्रीमा क्या बाधाव कान कर गरे के पूर्ण कर गरे हैं ोक्स्टा कि कति;— त्काम् मिर्ड अस अन्या छ रहने ा अन्य न्त्रमकान शाहे। - किंड्रेड हिंद केता भाः का ना प्राचि भूनहोग अब किन्ने हैं। भारत्वमः कत्रः मा कि १ - कर्डवा ४८७, कांद्रः धकुः - 41481 I पं काश्वभन

্ এই রে প্রিয়স্থি আসার নির্মিত এই খাঁচিই অংশেদ্ কচ্চেন্।

ইন্ধ বাজকুষারি! সেই নিরাশ্রম প্রান্তর মধ্যে বধা কিবল দেশে এই সাটকা প্রারম্ভ হলৈ জিলা ভালেন হল। লোগ এই লিকেই অস্চাল্নের অনুষ্ঠিত নিবে, দেশে প্র আপনি নোন দিকে সম্যালনা কর্তিকে ম

ইয়া: প্রিয়স্থি ক গত বিবরের ক্লোচনা করার আন কি

ফল ? একণে ঘোটকদর অত্যন্ত ক্লান্ত হয়েছে চলুন

ইয়ানের বিজ্ঞান করে আনি । এই দ্লোগ

শিবিরে আমাদের অকুপদিতিতে বৈন্ত্রণ নত

শি বিশ্বদ্দি। কি করা যার বলুন । দেখুন নাদেশ শতগত গলেছেন এবং বারিপূর্ব মেঘ সকলও সংগ্রা রূপে দুরীভা হয় নাই, এসমুরে পুনরার লেই ভুগার নিউ ও হুগান পরভূমি অভিনেম করণেও তো নাহদের প্রানিতার করা সক্ত হয় না। এই স্থানেই কণেক প্রানিতার করা যাক, বালি লাগাদের গ্রহপ্রয়ক্ত সূর্ব্যা, গ নিজে বা হয়, ভা ইলিক তা আলা রাজিকে এই জন্দ গোই ক্লিছিতি ক'রে আনাদের ক্লিমের করা ভাগে করা হ

हेन्स्। उत्त हन्।।

(উত্ত্যে প্রাথান, ও খোটকভা বস্থান করণান্তর পুনঃ প্রায়েশ চি

কাৰ বাজ যাতি। তালনি বাদ জ্বাবোহণে সমাক্ পালানিন হতেন, তা হ'া কি আমাদের এই নথ-শোনিত-শিক্ত লয়নের গালা উপজ্জিক হ'তে দিবাব-সার হাত । কথনই না। শেশুন বজনী দেবী আগা এতবং গণাজনা প্রছালে নিধিকপ্রাপ্ত হইটেন ই শতেন বাল শিক্ষা ***

বিধা চক্র সক্ষ ক্রমা বহুক ক'রে আমারি হুছার কিন্ধ চক্রায় কুতকার্যা হলেছেন, আনি মটা বাংগী সভাপ আপনাব সামান্য শিল্য হুল্য কি ১৬ছ১ ছালা-ব্যাহণে নিপুণ হ'তে পারি । তবে আ কিল্ডিড বিধাই সেও কেবল আপনার প্রিক্তি

আহা রাজকুমারি : অপ্নার বেমন হলে আনুনার বরণ একা গুলিন প ভঞ্জী মধুন, বুঁনণ মধুন হ বিশাদ কালেও উৎসবেশ নায় ক্রমণ প্রেক্ত করে ভঠে; পরমেখনের নিকাচ একা নিত্র প্রার্থন থান আপনি যেন প্রিবিশ জ্বিনী ছাছে স্বান্ধন প্রান্ধ

ক্ষাৰ বাৰুৱ বিশান হওৱাৰ সম্পূৰ্ণ কৰে বিশান কিছে হ'লেন গোৰতৰ অন্ধকাৰ হ'তে লাক্ষণ ক'ল বিশাস কালেইত জ্বানে একটা বক্ষেৰ হ'ল্য এছণ ক্ষাৰে হ'বে ৷ কিন্তু জকণে সৈই নাল তাকা' বৰ নাৰা যদি আক্ৰান্ত হ'তে হয়, তা হো দে বিশান ভাষা হছ নাৰ উপায় যি ?

ক্রিক্ পিরাস্থি। স্থান সহ প্র বিশ্বাস আসার করে। বিরুদ্ধি বিরুদ্ধ

ইন্দ। রাজন্মারি! **আ্লাদের প্রতিকৃলে •** জনি প্রত্যান্ত ্ত কর্থে না ভার**ই বা প্রমাণ কি !**

ইয়া) প্রিয়সগি ! কয়ানিধান ভগবানের কৃপাবলে ভংগা করি হস্ত দেখাইয়া) এই হস্তে, আস এতগ্র বাধা যে শামার শসির নিকট শাপরের অসি নিশ্চরই পরাস্ত্র হ'বে ।

বৈদ্ধ নিজক্মারি। আজ আমি পরস্থাহলাদিত হলে।

জীবনের আশক সতেও এপনি বেরপ আশারীরা

ক্রিশা কলে।, ভাতে আগত অভঃকরণে বিত্ত সাহস্ উপস্থিত লাল বিশ্বান

हैशाना (बालाध्वनि सार्ग कर्त्रगापः आण्डशाधिका क्रेशा) केलियाम्सचि अपन्यादनक्षण्य तम्ब त्मिक त्मिक वर्षे रे का वाह ता । (नामकान व्यक्ति वर्गमां पूर्वक কেনি নাজকের পথ ত্রাইত ভাবে 🕽 সাজ-কুমারি ৷ বেটি করি করে কেনি হতত । বেট ক্লিবট नवप्रमित्नव १८७ अडिए १८५ भौगुट- उत्ता খীবন হতার নিমিত নিষ্ঠারগণ এই বিলাদেও केटा देहे मिरकहे व्याम्स । (किन्नु) केन्द्रिश है अकारक व्यासारात की आरात कना कि कड़ार्दी के वेहन मिर्च हु हैं।

ইরা া প্রিনেধি ৷ আগরা তো অক্রপত্তে হ্রমজ্জিত আজি, डिटाएम अञ्चल अधानत हरुप्राप्त भा १८३

^{কিছে ।} প্ৰজন্মারি । **এই মোবত**র প্ৰস্তানা, বাঁধকে উপ্তি Cमन भावत्यम् वर् । श्रेषांख्य करः । श्रेषाराज्य कि **ए**किही इति शहर वर्षाण प्रकारति प्रकार कार्य अरे हेन्स् ব্রতীঃ আরু অন্য আমাদের মে' গেলগর পরিত্রন হয়েলৈ, প্ ভাতে বিজ্ঞান নাতীত আলৈ হাহ কাৰ্বো ইয়াইক - হওয়া বোৰ ফাক ফ্লিনিছ 🐃 না + 🚁 🦂

हेशे। विकासि । अवत्वा एशास्त्र प्रकासि मेरानी ুলাক্ষ্যের আপ্রান্ত্র হয়ে করে, অলিইঠাত করে, দর্শ किलान अस्टिट वर्षे किलामें देखा के किला करियान का अवस्ति है व

्रेडाअस्थावित द्वार्ति इति द्वार्ति क देवन्यत्त् द्वार्ति भारत जेक्शरे भूता। एवि । अधूनि निर्देश श्रुक्त) द्रायम थे द्रमुख्ये हरू इस्कृत भाग्य देवश अर्थ है से यहि , बिरिन प्रमुक्त प्रमुक्त प्रमुक्त इत्ती हता. हे बिर् भार बाबिक नः रहे अटके उत्तार असतार भिन

শার আমাদের এখন বিশেষ কোন আশকা থাণুবে

हैतो । (किंछ। कतियो) स्थितमि (े पोशनात पश्चित्रात जना व क्यांकर विद्यार्थ सहि, किंकु

করে। বিদ্যাল বিশ্ব করে বিশ্ব তে নীর হালন বৈন দ আনার ননভিত্ত হবে বিশে কি অপ্লোর মানের ভাষ করিব করেন স্থাপনার অভিযোগ করেন প্রকাশ করিব, তাতে আমি অসন্তর্ক হ'ব না, বরং অনার নিন্তি বিভাষকে জাগরিত করা হবে।

তাবাল কিংকে গ্রাকি কর্মতি অনুসারে মনের ভাব আবাল কংকে নের ক্রেম, অলেন্ট থার্কনা হর বন আপা কি অক্রাক্তরে নান্দর্শন কর কিন্তু করে কালিবালের নান্দরে ক্রেমির নারি ইত্যার ভাবন রকার পর্তন না ক্রে ভ্রম্বের নারি প্রাক্তির পরারশি দেন । তাদে আর আমাদের প্রাবিদ্যা শিক্তার ফল কি গ্

বিশ্ব । তাত কুমারি আপনার সদৃশ পরাজন নীপপুর-মান শ্বিক ক্রিভ আরি আগনার সে প্রবাদ নাদীয় সহিত্য দেব তে পাজি, এতে ে। আলার বিশ্ব নাদাযোগ শ্বীমান নামানেও মানায়ালে। সভাগ্রিক শ্বীমানের শ্বীমান বাবাকেও মানায়ালে। সভাগ্রিক শ্বীমানের হাবত সদেহ নাই। তিত-এই তাত্রিকালে হাপনার মনাবলন্ধা হ'তে আমার অভ্যেকরণ স্পতি বালন কচ্চে না। বিবেচনা কর্জন যদিচ আপনি আমার মনপালা অস্তান্তর উৎস্তক হতেনা ওবাচ আমানের নাগা ন্দ্রীনা সন্ত্রধারিনীদিগের ভুচ্ছ শক্তে বিনাশেও সম্ভা াম্য দেখা আনশ্যক অভ্যাব আপনাকে অভ্যাব ক্রাণ্ড র অই লাভির জনা যদি বিবাদে প্রের লাভন, তা মুলে ক্লা প্রাতে আপনি যা অভিলাব কল্যান্ত ভাগে

ইরা। (রিন্ত করিয়া) প্রিয়স্থি। সংখ্যা হার জ্যাত ে বে অপ্রধারিনীদের জ্যান্তির চারে এই নাম মরো ক্ষিতি কর্তে হবে, সোঁকেবল ও প্রার অনুস্থাধি আহারি প্রেশ অল্প্রনীয় ব্রে, ন্তর অন্ত সংগ্র ক্ষিত্র প্রেশ ভাগ প্রক্ষার প্রের ক্ষ্মী সারোধী গ্ সাল কর্তে হ'ত না।

ইন। রাজকুমারি: আপ্নার এত দূর জাসির্চা একাণ পর। কোন মতেই উদিত হয় না, নৈর্ম ঘনলভা, কলন, মানি প্রভাত হলেই ভিতৰ কল্প প্রায় হলেন।

আমি বৈ তক্ত শাস্ত্ৰ শিক্তিতা ধাঁৰ ডা গোলা গাৰি দত भारे, जत्य के कांबर्सर वी शक्तिक कांवित कराय . दिन छनिष्टे छा भागादक शता एक वालेपूर्न त्य अभिन्न अपूर्वारमञ्ज्ञातीशा व नाई ; पाल । हे इंडेर भार वाणिकाई रहक (य प्रथम अक होतन क'ाउ, राख जात सनीत नार्वानायन क्या है उनि ना । तिला कात्रेश / जाही कृष्टक प्रत्र , कराह । तका न। क'त्त्र के एक एक किया के बाद दर्ग करमें উচিত হয় না ৷ (পুনরায় নেশা বা বাদ্য অভি শবন ক্রিয়া, এমব্যস্ত , অ্সি নিক্টিড ক্রিয় । ই . लिनारेक्सा क्षांस निकार होन त्यर्थी है। दान रेन শ্রুব্যুক্ত শুক্ত আমাৰ পাই পাৰিত অস্তা হ্রুটি ব্যাল্য বার্ ালে এমত জয়ন্ত্ৰ হাজ বে, ইহাৰ গতি ব ্ করা, অংশরে নিভান্ত কেশকর, বৌশ্ব হতে। । প্রতি) অসি কান্ত হও, কান্ত হও, আমি বিয়ার্থ অনুরোগ লজন কুর হে কখনই পার্ব না लू । (स्थाउ) कि जिल्ला आजक्योतीय : टेक्नीशानक

ক্ষাত হ'ব কৰাপ্ত হ'ত আৰু হ'ল দেখ ছি কৰি ক্ষাত্ৰিক এনান হ'বে গ্ৰমন বংলন, এমন কো কিছাতেই হোষ কা না চিকা চিকা বিলা হুল বাব ক'ন লোহ বাংলাই কৰিব। বাজ ক্ষাত্ৰিক ধাৰণ কাল্য কাকৰি ক্ষাত্ৰ বিলেশ প্ৰাৰ্থিক বিশ্ব বিশ্ব কিছিলত বলৈ প্ৰথম থাকাৰ বিশ্বত ব'লে প্ৰথম য ল প্রতাদ হতে, প্রকাশ প্রধান হতে বাংল উহাত আগ্রম থাকা করা যাক ভাগ প্র এক

হুরা: (কিংকি **চিন্তা কর্ত ভা**র্থান্দ্রীত সালে:

(डिडाया हर ।

ভূভায় নাই ক্য

্লার্ট ক্রেইড় হর - উলিকেন্ড হোলেনির ভার প্রকালক স্থানের ১৮

र्यः करन्यः प्राप्तस्य । २००१ र १ सित्राहः १ कि.च. १ २५ ३ १५ १ ६,५ १ १ १ । सम्बद्धाः

त्वार द्वार विशेष के प्रति क्षेत्र के प्रति के प्रति क्षेत्र के प्रति क्षेत्र के प्रति क्षेत्र के प्रति के

क्षित । भागित कार्ष निश्चित्र व्यक्तिक) वाज्य कार्य (क्षायान ्रमानिक दर सर १५ राजी हैमी जम् ताक्रा जाटक कर द्वाराज ्रकर्छ (स्ट्रा) - छोर्छ देवि क्लाब एल्स रय ना १ ६ ि (किरि विष् रहेंबे) कि वहि - क्केब भागत -हे

्टोत आवानि, त्रें दुने कार भूका, क्र'रत इस्टीत टन दय शहमात , बदना विकास का हिना, १रे किंकिस बरल कलीत का - इस्ल ंद :

ति। कि - इरे योगादा श्राब । तर - तटकार कर भागाणं केतिमां) के दर्जार नाहि र १५ वर क्तां विकत्।

है। (महादि सिन्द्र क्यांकर्म श्रूक्त । उन्हें ब नाथि। - कृष्ट भागादम् नाष्टि शावित् - बाह् एडा सामा । भगरमंत्र कार्ष मित गेरे-त्राव नाष्टि यात्रा पात क्रांत्र निर्देश ।

की ए (यहित दक्षांकिन प्रतिके) कृष्टे कांबाटक शांस जिल लिय - ट्वांब ध्रम्में नाक्तिक कि इंडर कि प्रकर भी। नामा कार्या कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य ্ উভাচে উভাগ্র জেশাকাল প্রকাল এক দিলা ,秦伊尔达马克克。 (八、村東南)

ं चलक रि.ज विका कांस्र तुम्मीत 'देशनकीत क्षेप्रकार कर व उ १४ ७ शिक्सार मुक्त में भागा कि द्वान मेर र धाराम प्रशाम सविद्यालको भक्त सर्व केर् मन्त्र थतः त्राव रहातं रूप मन्त्रिकार्यः ।

प्रकार का निक्षा का मानिक का मिल

े ्रान्देश शिक्षमधित राज्ञानमात्त्र भारे ११६ काम व व्यक्तना बाद्ध, व्यानिम विशा वास व्यक्त पात विह শেষিকেও বিপদান্তত কছেম : এ চিন্তা নাম টা প্রীম্ তাঁৰ বিষ্ট প্ৰভাগেষৰ কলে হন্ত 🦻 🔆 প্ৰ मामाना निकार करिष्ट् । गाहिस्मिक जल 👉 टनाव কার ভাষা ভক্ত হরেছের । না ভক্তে ন মানে এখাতে या अपराप्त वियमनी सर्हित कि कडर किल्लि । इस 'धाक्दक II (मर्गक्षक शायक हैताक क्टेक्स के काहे, (किन्धिक प्रधानम् रहेशा केट्स नृष्टिकारः स्टेस है) रेंग्। यरकात रमरोरकाद्य भूमा पूंबर १०६ ए स अयोक्स श्टेंड शांकड़ र्या त्रवृद्धिः अवि भी। য়টি **হ'ল ব্রু নত**েয়া (প্রতাতে কিলিও চুরে প্রকাও অভিনিধা দুর্নী পর্কক নামকর্চাটিছে। সইয়া) -्थं कि १ के द्वारम महाचार सर्वत्य मा कि १ एकिसे करिया जो- ग्री. धेरल उन्न दनक्षश्रक्तितत्र गर्छीय अक धारा तरसम। - डा माई एडेक मेहाड जिंकाडे भगर কারে, এই ভয়ানক কাতের বিশেষ কারণ অনুসনান ারাই আমার পর্বভোছারে কর্তব্য। । (। । नियाधिवृद्ध अभन कर्यान्यते हैं एउटा पृष्टिभाग পূৰ্বক) এ দে দেখুছি কৈউপ্কোথায় নাই, প্ৰেৰণ इंदर्की का दिनीत गर्धा विष्ठि किमिनी क्षेत्र ने श्राक,—u जान्हर्ता वर्गाश्राह्म अर्थ कि । (1666) হ্মানগ্ৰে বাটি আইজ) আনা ব্ৰাষ্ট্ৰ ও হ'তে আৰুছ रात्रा र प्रम्याद्य) गाँड देशहरे वक जाएच ह्याहर

रात इष्टित सरमात नगांच करनेका वाच । किंक व्यान व्यक्तकाम । कार्य अल्पा कार्य मंद्रशा ५८व मा 🕾

। उतार क्रमाय सर्वाश्व)

11 ! । पार्डनाम प्रकार , शांक्षा वित्त के क्रिया करें राम्स्य भारते कि अहरता प्रश्निक विकास विकास विकास च्या १ वर्गातक चालियर वे विवाद **क्रेमा मामि निजास** ्र अन वसाय र 18 क्रिक व व्यक्ता वास्त्रीहरू केंद्रीहरू ्छलारक्ष्म व्यवस्था क्यन थार्यन कवि नाहै। · ७८२ की हा बाभ छात्र । बाभ अक्नांड भ्**छान, भागा**त प्रतिक रामि के किए देवाचि अ**स्ट यहेना क्र**स केर्फ, ্রিরপ্রেশ্চারিপ্রেশ্ন **পাড়কৈ পাছকী হ**য়ে বালি ्र का १ कि वर्षे कृत के अने बर्क अहे अने बहारे आसाह अन्यक मारि लिख निकः "**मरे मा**न्तेशकी विका-ः अरिक्ट्रिय् एक हेत्। ७ क्वां**लब कविद्रत्ः शिभाव**रणक **राज्य** িখেৰ তাত আন্তানে হেন্**লেই মরকের অনিবাসি** আ ্ছাতে হয়। এই মাত্র প্রার্থনা। জগদ্বির। ত শ খার ेराय दक्त, करें जिमांब कुनेशों की तुन्ह जा महस्रे . होशा १ लेखिक छ ८५ विनीम इ.हेक । ८ निर्ध । नेश्चाम अक्षा भूकक कन्मन) भेषकः भागावरि, लिङ् हिन्दौर र भागात करुः कर्न मध् खाड़ी, खोड़ात डेनेत ध्रे जिन्न ুলোশক উপস্থিত বন্ধন যুদ্ধনা আর **পানা**র বহা **হয়**লা গ क्षातान्। भाषाः क्षारे वश्कार । बागाद अक्रो क्ष मुक्तान रहा । क रहन, प्राप्ति धरेनरकृत वा जुरुका र केंग्ट के विकास नेत्र नेत्र हैं।

विर्व () व्यक्तिक () व्यक्तिक () विर्व

শীর্ষ্ট (মন্ত্রাপরে গাত্রোপান প্রকিন্ত স্বাধিতি :
সৈন্ত্রাপল বছ রা সপথে ইংমানিত হ মত, আমার থাকা করিবার আর বিলম্ব নাই :

ा या व्यक्ति वर्गाकि

MMIA!)

প্রেটি তারি সহ কিটাও ও মস্টাওর হতে এক জন

মন্ত্রী। (নেশি দেবাইয়া) মহার্ক আলেনা: শান্তান্ নারে এই নি শ প্রস্তুত, কেলেনা না নালের ফারিটে মাজা হলৈন। (রাজার হজে নিশি জেশীর ট

লীর্ছ। (নিলি জন্পতিত্র সাম আক্ষা নারিম ট্রেন্ড্র প্রতিত্র শক্তবাতে যেন দীয়ে পেটিছে, বিপাস নার্গতাত (মূর্ড্রত হল্ডে লিপি প্রধান /

ূত। ব লিপে প্রহ্ম করিয়া সামে আজে । এই প্রার্থ সংস্থান ।

নির্মণ (মন্ত্রার প্রতি) পর্জি । গুরুষার বি নির্মিষ্ট আমি ।

ক্রের আদেশ গেছনে গ্রুম ক্রেন, ছুমি এমনে সভা ।

তল্প করিছ গ্রুম কর্মক প্রতি প্রতি ।

यखी। त्य बाळा महाहः व !

(अवश्मात श्रास्त्रा)

W. State

দিতীয় গাড়ার:

ांश्वीत नशर-राजनातीय श्रू नामान । जोन्यान परेनद निरम्, को न्यूका स्टब्स

মতা ৷ (দীর্ঘনিংশাং পরিতাপে প্রিক্তি করাই ৷ এই ব্যক্ত বিলে প্রেক্তি প্রাণিতি লাগিব করাই ৷ এই ব্যক্ত বিলে প্রাণ্ডি করাই ৷ এই ব্যক্ত বিলে করাই ৷ এই করাই ৷ এই করাই ৷ এই জালা করাই ৷ এই লাগিব লিক লিক ভালা লাগিব লিক লিক লাগিব লাগিব লাগিব লাগিব লিক লিক লাগিব লাগিব

ি ক্রিট্রা — প্রাঞ্জা

े दिक्क समाण होता ए हैं । जीवण, केल अधिकक रुधार धर्मी, प्रमान श्रीम अधात रूखेन । (यामावस तिश्रद्धत निकर्ष छेलावसने) ও শুঝল মুক্ত করণে উদ্যত)

वृद्ध . तृष्ठ् **७ कडूत भूना औ**रन्म ।

্ছ। (ছতুর প্রতি) দেখ লি কে কাট্বে?

ছ্ছ্ৰ * কাট্ছুই: আনি আবার এবারে ছুটো ভিন্ত কৰ टमरथ त्रांका स'रत जान्हि, जरन निरम्हे काहिएहा / हान শালিকে একটাও কটেতে দেবে! ন'় 🔏 বাদ্রুন্ত 🐣 ইয়াবতীকে শুঙাল মুক্ত করিজে নোখনা বিচ্ছুর জাতিন च्छात दम्य २ दक अकंग्रे: दमहत्र मांनूस ७११ चा । प পুজোর শৈকল খুল চে।

কু। তাইত।

ছছ: ইনাবনীর প্রতি) ঐ তুই কে ং

हेत्। धाम ट्डाटनत यम ।

ছতু ৷ কি বলি ৷ (দগৰ্কে /

ইয়া৷ বেবত) বড় দুচ বন্ধন , খুল্প না ভাদিতে মুক্ত ব कता पारत मा (मश्री । जाकाइ जाई निवास मिर्काप रव, कान जर्भ तम्भाव एएएक मा। - (महस्राह्यः औ গড়েবাধান করিয়া বাজকুলার দলোভকু চিংচাইর লে 🤟 🦋 পর ! জাব বিলম্ব করা উটিত হল 🖰 । 📉 সম্ভূত শা, প্রস্থাতিকে অনি দেখাইনা বর্গন নোলের काष्ट्रकः :

বয়। (ছয় এছিটির আনি) পরে ইকে দেকো, সর ভাটা। ा बाद कार्के ।

अस्टा चका के हा सुन्ता । अस्ति क करहरे ।

TOTAL CONT

महा कि शहर है देश ?

क्र्या (तामकः ति। एक अन्योतः वाता मि मिन किया) बोर्क प्रमास्त्रा ।

াছ। তেজকুমারীকে দেখিয়া হছন প্রতি চিদ্ধারে আবারত কি তাতেগ থানে ধানেই শিগুলির শিগতার তালা দিয়ে, ক্যাল্ডি

িত। (।জন প্রবিধ) কি ক্রিল, পাপানা িশাচা (অগ্রন হইনা অসি দেখইয়া) আর, আমাব এই অসিতে আজ তোদের পিশাচ দেহ হ'তে মুক্ত করি। মন্ত। (সদ্ব্যক্তে) হুছু দেরি ক্রিমনে, এগো আর নয় না, এক ভোপেই ওটাকে পুর্মো করে ক্যান।

> (ছুত্র সাইত রাজকুমারী ই বৈতীর চোলতর মুখা। ভুত্র পাতন মৃত্যু ।

সহ। (জ্ত্র পাতন দেখিয়া রুজ্র প্রতি) দাঁড়ায়ে । কা...
দেখাচিদ্ কি : তোরাও একো।

(বৃহ ও কত ক্ষান্ত্র হইঃ: পুনলায় ইরাবজীর সহিত মুক্ত ও বৃহত্ত প্রকৃতি প্রকৃতি প্রকৃতি বিশ্বনি

ইমান (এ গততঃ দৃষ্টিপাক করিয়া করু ও সতুর পশ্চাকা মনী হ হতে উদ্যুত হইলা) সুরাল্লা চন্দালেরা কোলা হ প্রায়ন করাব। অন্ধ তাদের আর রক্ষা এই সলে হউক, ছলে হউক হেলানে হউক না কেন, যে স্থানে প্রায়ন কর্মা কেই স্থানে গিলে তাদের প্রায়ন করাব কর্মা কেই স্থানে গিলে তাদের করব, এই আমার দৃঢ় প্রতিজ্ঞা। এই কেলের প্রদানগামিনী হলেম।

(अक मिक् मिया अवान

ত তালর দিক্ দিয়াবনপুজোর মালাছতে যনি গ গনির পুনঃ প্রবেশ।

ত্তি। (ভূমে পতিত মৃত কছ্ ও রুদ্র শিকটে বাইনা নতশিরে মৃত দেহৰয়ের প্রতি দৃষ্টিপাত প্রকি ! ৮০৭ দেখ্। দেখ্টি এ যে আমাদের লেখনেনের কে একেশারে পুজো ক'রে ফেলেচে।

মনি। (মতাসর হইয়া চুসুর গাত্র আন্দোলন ও জন্মন পূর্বকৈ। ভাষা। কি জেক কারেটি লোগ ভারতে, এক বোপেই পূজো করে সেলেনে। (পনস্পাব মুধাবলোকন ও জন্মন।)

চুকুট-হীৰ মন্তক ও আলুলায়িত কেশে গ্ৰন্থনালী ইয়াবলীন

्रानः श्रातमः।

কনি। (রাজক্নারীর ভ্যানক দৃশ্য দেখিয়া সনির ভারি । ভরে। এ হয় তো দেই অভিগ দেব। এমানে পালা অম হরেচে বলে রাগ ক'রে আন্তন থেকে বেরিরে এমেচে, জোয়ানদেব ভো গ্জো ক'রে খেয়েচে, এপন আমানের প'ে। গ'লে। ক'রে খাবে বলে বেড়াফে। চল পালাই।

যনি টু ঠিব কথা প্রিচিদ্, লাচ্চল রাজ ভাটতে পিরে।

প্রার দিহিতে।

क्रिक मिन्न निर्मा "नव अ अभाग मिन्न मिन्न प्रति रश्मा अलाहम)

ुलनित कंगांकर्षण शूर्तक क्रूबाडी केन्द्र्विती। लाटवंच ।

- ক্রিন (ক্রির প্রতি) ধরে পাপীয়দি। পিশাচি। ক্রাহত্যক কারিণি। রাজকুমারীকে বয় ক'তে কোনায় কোনে কর্বি । এই তোর মুগু চেছদন কল্লেম। । ধনির গলায় অদি প্রহার, ফনির পতন ও মৃত্যু)
 - ইপ। (রাজকুনারীকে দর্শন করিয়া বিদাৎ এফুর চিত্তে।

 এই যে রাজকুনারী এই পানেই কহনে আছেন। আঃ
 বাঁচলেম—আনার গৃত দেছে জীবন প্রাপ্ত হলেম।
 (রাজকুমারীর প্রতি) রাজকুমারি। আনার অভাবন নারে কি আপনার এই কাজ ?
 - ইয়া তিন্দবি! নিঃশক্ষ চিত্তে আনন্দেনি করুন। ছুটো প্রতি মৃত দেহ দেখাইয়া। আমি এই জুনালার এ বন্দি। ক'রে (বশোবস্ত সিংহে। প্রতি অস্বৃতি প্রিশ পূর্বক) এই যুবকেন্ন প্রাণ্ড করেছি।
 - ইন্দু। (আশ্চাগান্বিতা হ'ংগা) উঃ রাজকুমারিং। আপ্টার কি অদ্বিতীয় শিক্রম, নিরাপদে এই সকল বিকটাক। শক্ত বধ ক'লে এই হপুষের প্রাণ রক্ষা করেছেন। বনা সাপনার অক্র-ধারণ।
- ইরা। শিশ্সথি। আপনি মৰোম ধা বিশ্বাস করেন আমা-নো প্রশানিত অসির নিবা কথন কোন পশুর্থ রাক্তিদের শলি এম লাকে রচ্চে সমর্থ হবে না। ক্তিত্ত অক্ষণে এইযুব। প্রস্থের ১৪০। আন দল্লি কলা যাছ

না কি করি, অত্যন্ত দৃঢ় শৃত্যলে নির্দ্ধনের জন করেছে; দংসা মুক্ত হর্তে পাচিচ ন!।

- हैरन्। तांकक्षाति। एतथ्न तक्कनी श्राचार क्षात्र, नार राज्ञकात नाहै, अक्कर्ण गक्करम्ब अभव त्कान निर्वित्र क्षात्र आभारम्ब मृष्टिरगांच्य इरव साक्षा अन्यस्य न चार्य नार्य हें हात वक्षम मूळ् कवा शार्व; आस्त्र रहते उपक्षित्र वर्ष गाक्। (केंब्र यर्गान्छ निर्द्द विक्षेत्र उपक्षित्र क्षाम मुळ्कबरनाष्ट्रमः)
- ইবা নেশেনত সিংহকে অভেজন দেখিয়া ব্যব্যার) ।
 প্রিয়ণপি । একি । এচি । ইঁশাকে যে মৃতপ্রাণ কাণ্
 হক্তে । তাংগ কি আমাদের অগোচরে যনসমাজ এঁক নকট দুলে প্রোণ করেছিলেন ? আহা ! আমার পান্ধুয়ে গৃত এলেত কথনই এ লুৱা পুরুষের কীলন এগাল হবণ কণ্তে দিতেম না।
- উন্দৃ (যশোগন্ত সিংহের শৃশুল মুক্ত করিল) এজবুমারি। কেন অমসল চিতা কর্চেন; এই গোএর
 নিশাস প্রমাস হচেচ, একাণে কণেক ভন্তা করারী
 বাক্ আহ্বন—বোগ করি এই তুঃসহ রেশ ও
 ভাবনার শনীর প্রান্থীন হওধাতে গুলি ভ্রা
- ্বশেন (মূদ্র্য জন্ম বিনাল কে বার্নি প্রেটি কর্মার দিগতে পুটের পরে উল্পিট্র বিনাল বিদ্যাগ প্রকল টোবন কি তি কি তি তি জীবনের নিমিত কুত জক' পাশে গালে হ'ল

ইন্দু। মহাশা দাত হউন আপিনাব যে কট হচেচ দেখ্তি একাণে অল্প প্রিচয়ের সময় নয়, অত্যে সম্বর্গ অভ্যাহউন।

. जाजन रेमरकात खेरवण ।

দৈনা। (অনতিদুরে রাজক্মারীদিগকে দর্শন করিয়া।
দার্ঘনিংখাদ পরিত্যাগ করত অগতঃ বিচিন্দের প্রতি
রাত্রির পরিত্রার এতক্ষণে করল হ'ব। বিবার বার্নি
দিগের নিকটবর্তী হইয়। কর্মের বিক্রি করিছে।
কলা সমস্ত লাগ্র হ'তেন আমার বিক্রি আন্তর্না
নাদের অবেষণো ভগণ কর্মির কিন্তু আন্তর্না
ভভাদৃষ্ট বশতঃ অভিনূরে সে লা তুলিক আন্তর্না
দেশে বনের লংগা বাবেল কারে, লাপনানিরের কানি
লাভ করেম।

ইরা। দেও। একনে তো আসাদের সহিত দাকত হ'ল,
ভি ভোলার আন চিত্তার প্রয়োজন করে না তান
আনুষ্ক হয়ে, তেওলন ঘোটকন্তর আবদ্ধ তাতে
তি তানে আমাদেও নিমিত্ত ক্ষণেক অংগ্রহণ কর
ভি ভালা কিলিও স্বস্থ হইলেই আমরা ভতি
শীল্ল বেনা হ'তে গ্রহন বির্বা

সৈনা থ জেলা (শাইতে অথসর হইয়া সগত) এই জনাশুল অরণ্য মধ্যে কোথা হ'তে এ যুবা প্রাণ এনে উপস্থিত হলেতেন, হ' বি ছুটা ডিন্টা কলাকার মূত লেন্দ পতিত রনেতে দেখ্টি, কেনই বা রাজকুমারীর্ ইন্ ওজালা কর্চেন্ড (চিন্তা কনিয়া) ধাই হউক

्थ्य, शक्ष विशेषिक ।

এখন ঘাই রাজকুমারী থাছা অনুসতি কলোন তাই করিগেন পরে অবশাই ইহার রভান্ত অবগড় হ'তে গারব।

ইবা। প্রিয়স্থি। এঁকে শিবিরে দায়ে গিয়ে শুজাষা া কল্যে স্থক্ত হণ্যনর এছানে স্থার কোন উপায় দেখ্

ইন্। রাজকুমারী। সেই উত্ত প্রামণ্ড (গলৈবন্ত সিংহের প্রতি) মহাশার। এই অরণ্ড হধ্যে আপনাকে স্থাকরণের সকল উপকরণের অভাব আর আপনিক অত্যন্ত রূপ হয়েছেন, বল্ডে ভর্বা হয় না কিছ্ ত গতিসুরে আলানের শিবির স্থাপিত আলে টুলি কছ্ম প্রতিক কিঞ্ছি ড্ট বীকার কপেন তা হালে আমরা ক্তার্থ ছই।

যাশো। (চিন্তা করিয়া) অপেনরো ও হতভাগোন প্রতি যে অলোকিক কপা বিতরণ করেছেন ভালে আনি নম্পূর্ণ স্থায় ও সবল হয়েচি, একণে আনার ভালতা জনার উত্তলা হবেন না, আর আপেনাদেব সমাজিবলাহাতে গম

ইকু। তবে গাঁহোলান করন। । যশো। হাঁ—তবে চলন।

্শকদেৰ প্ৰশ্ব ৷

দিতায় এক

প্রথম গর্ভাঙ্গ ।

कारकाकनभार - त्रांकम डं।

া রাজ, দীর্বকুল ও দানী কাদীন, গুণ ও প্রভিছালী রণ্ডার্থনি ।

দীবে ৷ (রাগান্ধ হইয়া দুতের প্রভিছা) এবা এব আমার কাদি
কার মধ্যে শিনিও স্থাপন এটিও অগ্নিনেরেন্ প্রস্তুর
বিস্কালী প্রে ভ্যানক হত্যালার আরম্ভ করেই এই এই নিজ সংবাদ এতাকণ কি ভাষে ক্রেণ্ডা হয় নিজ

কুত। (ধরাবার পূর্কক) মহাবাজ। কলা াবন এক ্রহানে মন তালা দ তারে শিবির স্থানে কালার।

আরু রানে বি মান্য প্রবেশ ক'রে, মনিদেরের পূল্ব-বির বর্গ কালে বেরের ভূতার হানি করেচে; এন দত্তে এক বন প্রকের স্ত্রী এনে আনাকে একংবার নিয়ের্জ ভূতানিই মহারাজের গোচর জন্য মানি এই উপাশ্ত হলেনি, বিলম্ব তো হয় লাই।

শির্ঘ নার প্রকারের নাগ্য কি এক জন ও জীবিত নাই।

ত্বাধান কর্মান ক্রামান কর্মান কর্মান

ब्रीर । ভবে कि क्लिएम्टवंद्र दिनि अस्तर। अत्रक्तिल !

ভূত। মহারাজ। এহ বশ্তঃ —

দীর্ণ। শীঘ্র োনাপতিকে দংবাদ দাও।

P छ। 🔭 बाक्षाका भिरतावार्थाः ।

(2 = .)

দীর্থ। (মন্ত্রীর প্রতি) কি! তাদের এত তুর পোলা, তার কি জানে না যে, আমার রাজ্য নমস্ত পৃথিছিল হথালেশ স্বরূপ। আমার নাম প্রবাদ দির্ভিন্তা ও তালিকা হন; তারা কি মনে করেছে ক্রিপর গলতঃ নরংয়ালকে বধ ক'রে এতদুর ক্রেল্ড লোকাছে বন এখন পর্যান্ত পলায়ন না ক'রে, নাহত করে শিলিছ সংগ্রি করেছে। প্রশার অগ্রিদেশের প্রশার হালি কলেছে—এখনি জার বিশেষ শাহিন নিমিছ-ন্মাণ করে।

मुख निक्तिमा विद्या स्थित

পদাত অবগত : যে বিশোল অনুসমাণ করির লালবর সালত অবগত : যে বিশোল অনুসমাণ করির লাল করি টা, নেবল ছাঁটা জীলোক, অনি প্রনাদাণ বালার নিমিন্ত গালে বন্দী পরা হরেছিল, কেই হারিক, কর কতকণ্ডাই সাহান্য নেন্য শিবিরে আছে : কিন্তু উর্বা কের মধ্যে একটি জীলোকের লারপ লাম্বান্ত বিজ্ঞান বোলেবের পূজার হানিকালে ছারে প্রন্তাদন প্রাণ तीन । **उद्य कि अना (नहें शेवन न जर**एत वास्ते कार देशके कर एक विलय हाण र

গোনা। মহারাজ কাহাদের হতে কর্ণনের দি মিন্দ নৈন্দি গণের আন ব্যল উন্নত এটা হতে উঠেচে, একলে তেবল আগনার অমুমতি। প্রতীয়া কর্গত।

हीर्च (शक्ति आंठ) भक्की । शांशासारक अस्त र अस्ति। कांद्रकारम्य तथ जातगांत जना स्वागांत हार १ महा सारा

হয়ে উঠেছে; তাদের রজ্জনত কণ নানী ল পান কিছুতেই জোলানল নির্বাণ হল্পের উল্লেখ্য অভাগ্র ভোষার সহিত্ত স্থিতিত কর্মা কলিবাল আর সময় নাই, উপস্থিত বিকাদে সন্তাল নির্বাদ

মন্ত্রী। মহারাজ ! শ্রুপথনিগ্রেক মুক্ত প্রেক্ত প্রেক্ত নিমিত এক থানি কিশা (১০)। করা কটেও, প্রেক্তি পূর্ততা প্রকাশ হ'বে

शार्थः राज्ञ (छ। नाजः अन्ति । दाण पुनि । विता । वि

क्षांका । ता भाका ।

(河南河)

त्मार्थे। महाताच । महत्त्व हालेह । कति क्यारता । पात्रक स्थान व्यक्ति हार्याच स्थान क्रिकाम वाज स्थान । াসভা ক্ষমাত হাতি বিধান্ত নিৰ্দাণ কৈ তিনাৰ ৰাজ হাতি নাতে কৰিছে পিছেন।
ক্ষমিত অব্যোগ জ্ঞাতি প্ৰতিকালী অনু প্ৰতি, বিভি পাতি সনকাৰী ক্ৰিত বেশি ক্ষম্ভত ব

वहीं। (त्रज़ी : अक्रोमएक) भाषा। कि समूर मज़ीक। आवः क्ये, । कर्शकूर्व हार एम वटने ज़िक्समान व्यक्तकन्त्र तम ध्रांचीनलक्ष्म करतल यहे जाम्बल्द १,४० जिल्लाहरू क्षेष्णभाग केटन जान्यस्य १७ छन्। मा वित्र रहे अभिष्य गार क्यांति हेम्स्ट अवस् मा উদ্যাহে কত শত দিবৰ বিহাৰ আৰক্ষি কোন বিৰুদ্ধ ाजी न्यांमाद एक भीतः क्षेत्रांच्या २१६ ५० छहा खा धकांत नखना । ता पर्वंड एवं वर्षि । जिल्ला कविति हुँ औं उ: क्यांती रिक्स किस का का का वनके सामान क**ं**र हैं। र निर्देश के मार देशा है जार किस के (१९७) 。 创地的 美人可养生 网络人工地 经股份 化油点 रहर यसि करार का १ स सार्यप्रक, जा राजि होट्टिक विकित्स के एके ए. एक अमेर ए कि का ना कि अकि । अविश्वाद्धिया कि केलिल्सीय काली वर्षे के (मानार पार्चिक एमजिला, इ. एम केर राज्य) तुर्होत अपनुर्वस्य अस्तारे शुक्रण सः (अस्त) े निर्देश भागित विश्वन जाकर बहुता । पूर्व ेर्विकातीयाः वानितः 🏙 हा। और । टानिकारी े द्वा मनारत पति कि प्राची एत एरमा सिन् ं है है है इस्तार्ध) त्वांव इति बोक्ट अंतितुस्त हुमाना

(र्मेब अर्गात काम एक्ट्रा । का विश्वित का मित्रम इ'स मार्थक प्रतित कोष ए'एक, एक लिलि एटवरन करा-किरनन ए। एक श्रकाम आहा श्रेष्ठकार दिना जिन्दि श्यम के प्रत्य किस अंत्री मान्य सिक्शालयन कहा WATER THERE I STATE A

किर्म किर्मित स्टिंड स्ट्री (स्प्रिंग्जिक - १० देशको १० ५००० - १००० ्रिक्त मोन्द्रको, जोर्नाः निकटे अक् क्रम अले । अल ्राह्म करताकृत, किला त्रस्य क्षेत्र क्षेत्रका व्यक्तिक कारक, े कार्यान महा भाग मानार भाग महीता हाति शहे, नात भारी 活动,一个两个人的

11. 1 7 7 35. मर् . १ महाकुर होताना रहेज्य राष्ट्रिय के एए जिस्स प्रक ी. इंडर ११३१ । विस्तिकत्रः। भगत्रे १७ विद्यस्य े बोहेन। छेलारेड स्रेंग बोहर । हिर्म १८१४ व शक्तेलाप मन्त्रही हार्गिक कर आहेर कि कर दे नहीं।

Dennie अवस्था मृत्र होत् श्री तथ जिल्ला भूति है ने में रे (1) (CONTA Y 所以) 对西京村村 (中田GC)美 西西州南 (तेत्रका ने नेत्रस्ति । स्वातिकः त्वीति द्वासः स्वाति । स्वितः । () · 田南基 新研究中海内对于1400 () · · · · े बहुता है करें। जाइ. अर्थात प्रकार भीता है है

কৰিবৰৈ নিমিত আমার এই অনিতে অবিভূতি

्रेश । कि उर यदन) कोभनि कि शहरा का १४ लिए इस प्रतित श्रीतिक कोभनि कि शहरा है के इस दिस्ति रेश के स्थानिक कि को निकासिक शिक्षा प्रतित । इस्ति । रिक्षा कि (कान्किंग रहेश) कि जी

रहा, महाभाषा - स्थि जीतिक का नहीं । ता, के स्थानधारिक खी, श्राक का का

বিশোন ভালে। শতি শক নীরপুরুষদের অসি ও ব্যালালন করিছা নিকট প্লিত্ত জালের স্থানির হিছে । তালালন করিছা ক

আতার জীবন নাশ বাতী । এনই এখনি হতে বিমুপ এব না, এই আমিয়ি দু প্রতিজ্ঞান কই বাপনার বিষয়ে বিভাই কি আমার বিপক্ষেত্রক কৈ থাবা আছে: নের সংগাদ এ দ শক্ষে । তা হারারা করা দিশস হ'ল মাজত মালিল ভারাহ'তে, যে নিসি ত্রেমণ করেন ভিলেন ভাতে প্রকাশ আছে প্রভাতি দেশাভিমুখে গ্রাম ক শক্ষে কিন্তু এই জালেই প্রভাগেমন করা

्राह्म कर्ना स्टब्स

প্রতি । (প্রাণ্য ক্রিক । ক্রার্থ নেশগড় । তথ্য া নালা দৌলবুলাই লাগনা নিকট এক জন সভ প্রেণ সংস্কৃতির উলাগ্রের বে প্রভা । প্রাণ্যাক নাতে,

महीता साथ भारे, नात करा।

图 第三

মই । বিশ্বতা বিশ্বতি কিলেন্দ্ৰ কিলে বিশ্বতি প্ৰতি প্ৰতি প্ৰতি কিলেন্দ্ৰ কি

कविस्ति निविष्ठ प्रमिति धारे प्रशिष्ट या विक्रिक

স্থা। কি তব সত্তা) আপিনি কৈ সহস আ হৈ নিক তথ্য হৈ হবৈদিও আপিনি কি প্রতা ইন এনিত ইয়া দা না মহাপায়, জালি এ কমন সামান। প্রালোভ গলে । বংশা তি (আপিনা হইয়া) কি গ্রী

रेशाः महानेशाः - अभि खीरनीक चार्या महाने ताः के विज्ञानिक कि ताक प्राप्त

- F 1

বিশোন ভাষের শতিশিক বীরপুরুষদেব অসি ৫০ জালার বিশান আবির শিকট প্রিক্তি প্রিত্ত নিবে বিহাছে, আপ্রান্ত হিলে হার কি ইহালের অসির সাল্বীমা ইবিজ পান্ত বিলাক হারে কি ইহালের অসির সাল্বীমা ইবিজ পান্ত কিলাক কিলাক আপ্রান্ত কালার কিলাক কিলাক কালাক কালা

ইরা (বাগতের) নহাশন: আপনার জীবন রকা বিজ্ঞা কানার জীবন মাশ ব্যতী ন্থনই এখান হতে বিমুধ এব না, এই কামার দু প্রতিজ্ঞান আই লাপনার ামার ক্রি কবি, জামার বিপকোনক কিবালা পারেছ তি বিশেষত দিংছেরক ইনাদ তার্কি মুম্বির মাপ্রার হলৈ শুলালারর মুলোকভকে পতিত দুখে আনিব্রি বিত ভাবে) কর্মারির কি ভব নক দুখ্য। বুংগারত সিগুত্ব নিক্টর্মি ইউয়া গুলালার ক্রান্ত আন্তর্ভার্ত করেন ক্রমান ভাগারে জানার দ্বিপ্রে আন্তর্ভার্ত করেন বা ক্রমান ক্রমান ক্রমান দ্বিপ্রে আন্তর্ভার্ত করেন বা ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান করেন বা ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান ক্রমান করেন ক্রমান ক্

া সংযোগতিক অভি এই জিলেকা নাম কালত হক এ মহাত্মাৰ জীবন লকা ক'লে স্তীজাতিৰ পোলৰ একি কৰা, মন্ত কালে আৰু ডোৰাজে কৰাইন স্পৰ্ক কৰ্বু নু^লা

हैंगा। (यहणास्त्र निकास स्थापिक खोर्ड पुनाक)? पर्शामक स्थापन स्थापन श्रीना क्रम्म, त्यांबः स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन पूर्ण । बाक्य प्रात । ब्लंबन कल्प्य । भंदाब्राक द्वीलद्याव प्य-গ্ৰ হয়েছেন নে, তাঁর মঞ্জাবস্থায় আপনার পিতা রাজা নেঘরাল সিংহ ম**হারাজের দেশে**র রা**লা** ভাশ্ব गारक चाक्रमन क'रत मवर्टन मिस्न श्रुतिक ভोत পश्चमवर्षीया कना। इमाती हिन्द्रकीरक खंदा एका আল্রন করেছিলেন। ঐ কমারী আপনার পিতার অবর্তমানেও আপনার অধীনে বিরাজিতা; মহারাজ कोलरदार **अकरन नग्नः अधि मह्कान्द्र यादीन**कः लाक ফ'লে, দেশগভ নগরের অন্বিতীয় রাজপদে প্রতিষ্ঠিত গুরছেন বানদেশের নিয়ম, যে বস্তুর কেন্দ্রপ্র-পিকারী না খাতে, তাহা স্বাদীন রাজার হস্তে রফিত হয়ে পাকে। কুমারী ইন্ত্রজী দেশগড় নগরে জন্ম ্রতন কলেভেন, মহারাজ দৌল্ৎরাধের হস্তেই মকিতা হ বন: অত্তাৰ ক্ষারীকে আমার সম্ভিন্যাংগ্রে ্লেরণ ক'রে, আপনার রাজ্যের শান্তি রক্ষা করুন ... মঙ্বা ছোরতর সংগ্রাম হওনের সম্ভাবনা।

মটা (প্রতিহারীর প্রতি) প্রতিহারি। শীম গিরে মন্ত্রী
ক্রাশরকে আমার প্রণাম জানাও, আর ক্রণেকের
জন্য আনি তাঁকে এই খানেই আহ্বান কল্যেম বল •
প্রতি। যে আছ্রা।

(अवात ।) •

নহা। (দুতের প্রক্তি) শোন দৃত : সংগ্রাম তো রাজ ব শীয়দের স্বভাব-সিদ্ধ কার্যা; এ প্রস্তাবে স্থানি স্থিতি শিল্প দক্ষেব লাভ কলোম, কিন্তু কুমারী ইন্মতীয় প্রার গোলং নার্র লাল্যা করা অত্যন্ত হলাপ হারতে ও অনুষ্ঠানটি জাঁর স্বপ্ন র্ডান্ত বর্ণনার নাল প্রকাশ বা হরেছে, ইন্দ্রির স্বপের আশারে উদ্ভেত্ত নার যে প্রাক্তী বিবেচনা না ক'রে এরপে প্রস্থ করায় তার ভিন্তাকে পঞ্চিত করা হয়েছে।

দুত। রাজকুমার। আপনার মাটীর অন্তর্গত উদ্যানে বতা য়দান হয়ে, যতই কেন ক্ষমতা প্রকাশ করুন না, বত কেদ মহারাজ দৌল্ববায়ের প্রতি কুংদা বাক थटारान कराम ना, जांद्र महाताल जांनर तादात जोंद বের কিছু মাত্র হানি হ'তে পারে না; কিন্তু আছ নাৰ বিশোল প্ৰাণিধান ক'ৰে দেখ কৰ্ত্তবা ৫%, কু বাৰ্লি ইন্ট্রন্থতীকে এদান পূর্বক সন্ধি স্থাপন ব গা শান্তি ্ ক্ল, নতুৰা মহারাজ দৌলং ক্লায়ের তে নাপ বল বিক্রং ्रं **७ रेमना मध्या। प्यांति विस्थय अनुभन्नारन** हो इ অবগ্ৰভ অংতি, সন্মুখ সূত্ৰ কথনই আপনি মহার্ট र्तामध्यारवय मगड्ना स्टब्स मा, यूर्व क्षत्रक स्त मार्खिर, काशनात जाना दिन निम स्टन, कार्याना इक्निश्री मृद्य, अधीन हा श्रीनात कत्त इत धादः अरूमश तिनदात घाता क्यांती देखूमजी ह मर क्षां लोल श्राहित हंग्रत थानाम श्राहक महि अह ক'রে লাখবতা সীরার কর্তে হরে। কত পত মর ा वस श्वाक छ बाका नेरात्मा वश्वाक क्लान्यात अन्त, अन्हरण अस्मनात्र सारम स्टा,राक्ता दर

দোর্দও প্রতাপ কি আপনি প্রতিরোধ কর্ত স্বর্প জনেন ?—কথনট না । রাজজুলার । যথন নহারাজ দৌত্তবায় আপনার সহিত যুদ্ধে প্রস্তুত্বেন, ভাপনাকে বন্ধনান্তার জীবন রক্ষার নিনিত কুমারী देन्त्रजीटक नश्जाज क्षीनश्जाद्या भाषभाषा छेभछी-কন দিয়ে যৎপরোনান্তি হাস্যাস্পর হ'তে হবে, তথন এই ন'মান্য দুতের পরাপর্শ দিগ্রাহ্য ক'ের সন্ধি প্রস্তাবে হওয়ার নিমিড শিশেষ শন্তাপ করতে ध्य । निष्पत्रमा कक्रम, बालगात प्राटकात अठिः किया পাপনার স্বাধীনতার প্রতি, মহমোজ দৌলংলাদেত किष्ट्रमाज लका नाहे, जांत्र मण्यूर्व सका स्वाती हेन्-মতীর প্রতি, অতএব যদি আপনি নিকাটই আছে रगोद्धत व कात निमिष्ठ कूगादीह कांचा शांत्रज्यात ए ক'রে, মহাবাল পৌলংবাদের কোলাবলে ইন্ট্রাপুর্বেক্ <mark>'প্রাবেশ</mark> করেন, তা হ'লে আপনান নিভাও কুন্তি ভিত্র আর কিছুই একাশ পাবে না ; এলতা মহারাজ বেণিং-लहरात जानमात थि मिन्तून मिकिए थारान करत. শ্লীমাকে প্রেরণ করেছেন; জ্বন্ত বলুন কুনারী हेन्द्रमञी क्षतिरंग नचाउ कि जनगढ़ ? जनमा क्यूपी-वन क्षान, मुखाइ किश्न किया अके शुका निर्मा करना-निदयम क'रत रमधून छथा। मिक्क खहरन कथनहे जन-অতি প্রকাশ করবেন না।

্দুত। তোমাদের মহারাজের কি এত দৃত পর্যান্ত বেদিশ্যা হলেচে, যে শামার রাজ্যের প্রতি, কিশা

ि - छात्र श्रीष्ठ बाक्यरण का स मृद्र । क्राइ हरेका बारें हैं कामात की विराज्यती ्राजी दे समारी के तील ক্রিরের ন্যায় তার নিকট ত্রের ব্রুব ং— ও তেইয়ার মহারাজের অভান্ত **হুমাতি** খলতে ন্**বে। আ**ল্যাগারবে ে গৰিবিত হ'ব হিতাহিত বিবেচনা শূন্য । কিন্তিন গৈথ্তি। দৈধ দৃত। কুমারী ইন্মতীর প্রতি তোমাব প্রতুর লক্ষা হওনের বেশন কালে তে৷ দেখা শাসে না , খন-র্থব ভার জোবান্য উদ্ধাপত হওনের কান্তা কি ? ভবে তিনি যে এক অনুধক বারণ দশাইয়াছেন্ট তা হতে ভার অনামানা মূথতা প্রকাশ কর ক্ষেতে মাত্র; অত এন তুমি কিন্তা তোমার মহাব্রেলা, তিলেকের জনাত িশেৰ ক'বও না, যে আমানে যুদ্ধে প্ৰভিত্ত ক'লে, রালা দৌলংরায় কুমারী ইন্দুমতীর প্রেমের একাবি-গণে লাভ ক'রে অন্তঃকরণে শাধ্যিত্থ অনুভব কর-েন। কি--রাজা দৌলকরায় এতদুব মাহদী হয়ে ে - ে, তার যদুজ্ঞামত কার্য্যে কৃতকার্য্য হ'তে পার তেন ? কথন না - আমি কুমারীর নিমিত ভুমুল মুঙে সম্মত প্রিতে কথনই সম্মত নই; সে গোরবকারীকৈ जित्र विरामन मांखि अनोक्स साँचि ममर्थ इ'न । या s-গবিলয়ে অবলীলাক্রমে তৌমার মহারাজকে গিরে मः तीन तीखरण त्य अहे श्रास्कृत त्यव निवदम ছির বলোম।

> মন্ত্ৰীৰ প্ৰবেশ। মতন্ত্ৰীয়া প্ৰশাস্থ্যবিক) আন্তন

ম ব্রীণ (দক্ষিণ হস্ত হারা আশৌকাণপুর্বক) জয়ত বি মুখী। (অঙ্গুলিছারা একটা বৃক্ষ নিদেশ করিয়া) বিভিন্ন অসু গ্রহপূর্বকে এই বৃদ্ধুলেই কণেড উন্নতিন কর্মন।

নত্ত্তী। কুমার। আপনিও উপবেশন ক্রকন। (উপ্রেশনী)

হত্তী। যে আজ্ঞা। (উপবেশন করিয়া দূতের প্রতি)

দূত। উপরেশন কতে ইচ্ছা হয়, উপবেশন কর্মত পার।
দূতা যে আজ্ঞা। (উপরেশন।)

নহা। (মন্ত্রীর প্রতি) মহাশয়। দেশপদ্ নগগের আকা দেশিবংরায় (দূতকে দেখাইগ') এই দূতকে খানার নিক্ট প্রেরণ করেচেন)

ा। कि अस्टिश्य ?

নহা। মহাশয়। তাঁহর প্রস্তাব এই, কুনারী বিদ্যাসী নিঃস্থা হাথ, কান্দেশের নিঃমাকুদারে, রাজা দৌলংরাচ্য়র পাস্থায় কুনারী ইন্দ্রভাকে তাঁর মনিপে প্রেরণ ক'রে, আমাকে সন্ধি কর্তে হবে; নচেও সংগ্রাম কর্তে তিনি ভাগর। এক্শে যাহা কর্তি ক্রো ছাপ্রি অন্

মন্ত্রী। (দূতের প্রতি) দুগরাজ। মহারাত টোলংবার কিলন্য লোমানত ক্ট দিয়ে এতদুর প্রেরণ করেছেন । নামান্য একটি পাবকন্যাত শিমিত কি আমরা স্থ-প্রামে প্রস্তুত হব । এক্ষানি গৈশির ভারী কুমারকে এ নিহনদ প্রেরণ করিবা মাণ্ডুই, কুমারীকে ভার নিক্ট প্রেরণ কতেন। া দেরাবে এট্রীর গতি) মহাশয় ! আপনি কি চুতের ননরজ বাজন ? রাজমন্ত্রীর এরপ নিয়ম নয় । আগার নক্ষা প্রাথনা যুদ্ধের নিমিত, ভাহাতে আটা বিলান রুমেট্ জীত নই। না হয় আপনার বেশন মন্ত্রণাব প্রতীক্ষা নাই করা হতে, তথাত আপনার এরপ কাকো কথাই সন্মত হব না।

বে চাংকার, এমনি ভর পার হেঁ, বুক গুড় ওড় তার বিকার পার হেঁ, বুক গুড় ওড় তার বিকার পার হেঁ, বুক গুড় ওড় তার বিকার পার হিঁ পিড়া এই রূপ যুদ্ধ যুদ্ধ বুদ্ধ করে প্রাণ্ডা গুলারে এই রূপ যুদ্ধ যুদ্ধ যুদ্ধ বুদ্ধ করে প্রাণ্ডা গুলারে এই রূপ প্রকার ভ্রম্বান্তি প্রকার প্রাণ্ডার বিকার বিকার করে হেছেন। গুড় লাম আভাবে আপনারও এতা দিন পর্যন্তি রাজ নিংহাদনে উপরেশন করা হয় নাই। বিলি প্রসাগণে মনোরপ্রকার নিমিত প্রাপ্তনার রাজপদে অভিদিল হই বার উপযুক্ত এক দিন প্রাত্তর পাওলা গিলেচে এবং সেই গুড় ও প্রের সমুদ্য আব্যাহ্মন ও কর হয়েচেও ওবে এমন সময়ে কেন বেকটী সামান্যা পরকন্যার নিমিত প্রন্থিক বিবাদ বিস্থাদ করে পেই কর্মের ব্যাহাত কল্যাবেন প্রাণ্ডাত কল্যাবেন কল্

ি ধার্যপথিন হের প্রতি। র করুমার। মন্ত্রী মহাশার ভো উলিছ কথাই বলোচেন, এতে বৃদ্ধি আপনার রাপ্ত হয় তেওঁ উনি কি কর বেন।

हर्मीम वृष्ट के कर कि एक एम भामि कम्ब, बली

শহাশ্যের কোন আশহা নাই, তার থান যুক্ত নিয়মেন নির্দেশ নাই কোন মন্ত্রণা থাকে তে। বল্পেন, নচেৎ তুনি শতাপক্ষীর কাজি, তোমার সন্মাপে নাজী মহাশ্যের জালে থাকা নির্দেশ করা। আমার আমার আমার ক্রাণ্ড নিতান্ত অগ্যানির ক্রাণ্ড্রেচে।

পৃত। রাজক্ষার। আপনার বাহা অভিকৃতি হয় তা কর্ত্র গারেন, তবে আপান নিশ্চয় জান্বেন মহারাজ্ গারহরাশ **গগৈনা** আপনার বিরুদ্ধে আগত প্রায়ঃ ক্লেণ্ডে লগ্নি গ্রান কব্তে পারি গ

ষহী। অনার্যা।

দূত। (গাওয়াখান পূৰ্বক) তবে আমি চল্যেম। (দংঘরী সহিত প্ৰসাম।

হাওঁ : কুমার । ইত পূর্বের পাপনি কে ক্লারীটি গাকা বিদেশ জমণে সম্মতি প্রদান করেছেন ভাষা ছাজিল নিক হল নাই। কারণ এই উপাহিত বিবাশের সন্য তাঁহাদিগের সম্ভিন্যাহালী গোনাগণের অক্শ

মহা ধহাশয়! তাঁহারা বুদ্ধিমতী ও সাই আধালিনী বিশেষ হত অন্ত বিদ্যার সাতিশয় পারদর্শিনী হয়েতেন, প্রমুদ্ধির অবশ্যে আমি যদি তাঁদের বিদেশ ভ্রমণে সম্পতি প্রদূষি না কভেন, তা হ'লে কি তাঁহারা আমার সম্পতি প্রতীক্ষার, থাক্তেন !

পটো। কুমার! যদি আপনি নারীসভাব-বিরাধ পত্ত শিক্ষার প্রতিবন্ধক হতেন, নারীক ন জন্মগ্রহণ ক'রে, ্ৰাম্ম তি কে বাধী তা লাভের তদুৰ ক্ষত। হ'ত না

ে ম ই হ । তা কি নারীখানিং পিতার উর্গে,

মালান গভেঁ জন্মগ্রহণ । রে মা, জারা কি মৃত্তিকা ভেল

ব গা তাখিত হয়ণ বল অবশে ভিল আমাদেন শান্তেই

ইউল, বা জন্য রাজনিংনেই ইউক, কথন কি কোন
ব্রাক্ষা সাড়ে ঘাহা নশাইয়া ভানের ইচ্ছানত গে কোন
বিদ্যা ২ লে ফাড় করা যেলে পারে

নি কুমার আখার ছতীয় কাল উপ্তিত, প্রাক্ষণ কুলে জন্মগ্রহণ কানে নামানিই পানে স্বায়ন করেছি; জাপনার পিতার নিন্দিত কাল নিয়দের বাদামুবার দার। পরামর্শ হির কালে দিংইাসনের পান্তি সংস্থাপন করেছি; কিন্তু নারীকুলে ভন্মগ্রহণ ক'রে। কেন্তু কথন কেন্তু বিদ্যা বা স্বাহীনতা লাভ করেছে। একপ আমার কৃতিকোশ্র বা প্রাহিনতা লাভ করেছে। গ্রহণের বিষয় প্রাধানর খৌননাৰ স্বায় মন্ত্রাক্র স্বানিহাত ক্রেছেন, ভিন্তু নিতান্ত অসমন্তব হ'ল।

মহী। মহ শর। মহাবাজের আন্দর্শালুসারেই তো কুমান রীরা তাল বেদা খিলায় প্রবৃদ্ধাহন।

ক্ষার কুমার কুমারা ইন্তুমতীর প্রতি মহারাজের প্র রূপ অপতালের ক্ষার হয়েছিল, নতুবা প্র-কুলোন্তবা কন্যাকে তার আন্মন করিবার ব কি প্রোক্তন ছিল্ল, আর সেই কন্যার ইন্যানত গোলানে

Tan, with a gate of weather

গোপনে অন্ত শিক্ষা করিবার ক্ষিত্র ও কেন অনুমতি দিলেন ?

্এক খানি লিপে হতে প্রতিহারীর প্রবেশ।

প্রতি কুলার ! রাজকুমারীদের নিক্ট হ'তে এক অন্তিত্ত লগতক এই লিপি খানি লায়ে একেচে, একৰ কর্মন । (লিপি প্রদান।)

এটা (লিপি গ্রহণাত্র পঠি ;

লৈয় জাতঃ---

पाछ नश्च नितम स्टेल, जानता नश्चना मही। की। करेटल श्रञ्जान किन्छ। खलता एका प्रदान कि हिन्दिन हो। खलता एका निर्देश निर्देश प्रश्न कि हिन्दिन कि निर्देश प्रदान कि हिन्दिन कि निर्देश प्रदान कि हिन्दिन हो। खलता कि निर्देश प्रदान कि हिन्दिन हो। खलता छल निर्देश प्रदान कि लिए हो। हिन्दि है। कि कि हे। हिन्दि कि हो। हिन्दि कि है। कि लिए हो। हिन्दि है। कि लिए हो। हिन्दि है। कि लिए के हिन्दि है। कि लिए हो। हिन्दि है। कि लिए के हिन्दि है। कि लिए हो। हिन्दि है। कि लिए के हिन्दि है। कि लिए के हिन्दि है। कि लिए के हिन्देश कि लिए के हिन्दे कि लिए के हिन्दे कि लिए के हिन्दे के

প্ৰ-গ্ৰিপ্ত । নীংড় ইব বজী।

মন্ত্রী। বিলিপি পাঠ।স্থর সংগ্র নিত্র নন্ত্রীকে জিপি শেখাইয়া) মহাশয়। দেখুন দেখি বিদ্যাশিকা ভাভানে হিনিদের নিপি প্রণালী কিউপে বিশুস্ চ্যুতে ?

भिक्ती । (निलि मृश्चि क तहां) है। अब द्वार है। अस्ति कार्ति । अन्ति बढ़ि। - कुम्हि अन्ति बाहिस्का सीन असी है তথ্য পাত শান করা থাক, সময় তবে আর সকল শিশানের গরামর্শ করা থাকে; কি অকুমতি হয় । মহী। তে আজা সহাশয় তবে আমিও একপে সামিব শন্তিন যাওকে। ইন

रिसात अस्तान

দিভায় ভাস।

ত্তীয় গভাৰী। (হ ব্যক্তীয় – শিবিষ

হৈ । (গণোবন্ত নিংহের প্রতি বৈজকুমার। জনাতি ।
তালাম, কিন্তু আন্বানার দেই আন্বানা পাপীয়নী বিমা
ভার অঞ্চলপূর্বে নন্দ অভিনাশ আর আমরা ভন্তে
ইচ্ছা করি না । এবং আপনিও ঐ সকল পাপ চিন্তাকে
মনোমধে স্থান বিষয় প্রায় উপ্রেশন

। গাড়েছখান পূর্বে । রাগ কুসার জাপনি নহৎ ব্যক্তি আজিও আপন্তেক প্রাণি গাঁও কবি । (প্রাণিপাত করিয়া প্রার্থিয় উন্ধর্শন

শিংশা। আপন্তেরও আয়ুপরিচয় প্রাপ্ত হারে প্রিগ্রুই ইরেজ বে আপনারাও রাজকুলোদ্ভবা বীরবনা। কি জনা কে প্রথাধনকৈ অযোগা সমাদর ক'রে লাজিত কতেন। ইন্দু। রাজকুমার ! হস্তি পদ্ধে দিমা হই লাও কি শুগালে । নিকট কথন অনাদরণীয় হয়ে খাকে ?

स्माभाषा तम् (**अ**हीत ध्वति ।

शिक्षकृषाती देतावकी अ देन्द्रभाष्टी श्रीष्टकीर शानि आवण भाष्ट्रदे नगराष्ट्र शास्त्राचान क्षिता कराश्रद्ध र काम्प्रशासिको देवेग श्रद्ध मुश्रासार स्टब्स्

উন্দু । দৈন্যগণের প্রনি) দেখ । শাহ্র দিনিরের স্থিতির নিয়ে ভেরীর কারণ স্কুসন্ধান করে এন ।

रेमन्दरनः या आखाः

(সনবালে গৈছাগণার প্রাস্থান)

বলো। (সজোর গাত্রোখান পূর্বক) বাজরুগারি আন নামের নিকটে থানি এক থানি জন্ত্র মাট্র পা করি। ইয়া, রাজকুমার। থাপানি জ্বিনেশন করের নিশ্যক্তে বিশ্রাম করুন, আমধা করিনানে ক্ষান শরীরে অন্ত্র পারণ কারে এতদুর ক্ষাই করিবাক পাশসাম কোন প্রয়োজন নাই।

্যশো। এতিকুণাবি পাহিত প্রথম হছাছালের নাচ যে নাত্র প্রথম কর তে বাংলা দিয়ে প্রথম হছাছালের নাচ যে নাত্র ছিল। (চতু বিজ্ স্থা লাসন করিছা আপকুষ্ণালীর প্রতি) বাংলাকুমানী সৈ বাংলা মান্য লাক্ষ্ণালী করেছ না যে প্রত্যাধন ক্ষিত্র বিজ্ঞান

भनदार अक कर्न रिम्मिद्ध पुनिः श्रादका ।

ইর। প্রেন্ড পুরুষকে দেখিয়া। প্রিয়স্থি। এই যে এক জন শৈন্য এনেছে। বুঁ মৈনোর প্রতি। সমাগার কি ?

বৈদ্য। প্ৰবাস্তেও বাজকুমারি। শক্তিণ দিক হতে একটা

কদাকার দৃত রণভেরীর শক্ষা কর তে কর তে আমানের শিবিরের সম্মুখে এদে, উপস্থিত হয়েছে, অসুগতি হ'লে এদে শীকাৎ কুরে।

ইর। (সৈন্যের প্রতি) **আছু। নরে এ**স। বৈনা। যে আজা।

(, 图写图 ,)

ইরা। (সকলের মুখাবলোকেন পুর্বক আক্চর্যাভিত। প্রা) দৃত আস্তে, এর করিশ কি ?

হশো রাজকুমারি ! আয়ার জীবন রক্ষাব নিমিত যে নর্থটেশদের বধ করেছেন, অত্যান করি তাদিও রাজা আয়াদের প্রতিকূলে মুক্তর জন্য প্রস্তুত্ব হয়ে এ গৃতের ছারা আয়াদের মুক্ত উত্তত হওন জন্য সংহাদ প্রেরণ ক'রে পাক্বে আপুনি শাদ্ধ এক থানি অন্ত নামাকে

বিদ্ধারি করেন । আনুবাহ ক'র আসন গ্রহণ । বালনি
অপ্রধারী হয়ে রখা কেশ ক'রে তান আমাদের অপলাধিনী করেন । অনুবাহ ক'র আসন গ্রহণ । ।

লো। সুমারি। আইনার বি আমাবে বা পুরুষ বিক্রে চনা করেল যে তাই আংধাবন ব রতে লার্মার নিকারণ ক্রেম্য আদি পিত্য ডিও কমত বাহা বার পুরুষ **७४, गर्कक**

না কৰে জন বিজ কেবাইলাসজোৱে কালক কাল্ছাত্ৰা কৰ্মই বন্ধন কল বা এবা হাই না ।

্টির প্রবাধিকে কুমারী ইন্দুনতীয় প্রতি। প্রিচন

া ্সাৰ একনে অত্যন্ত করুছ আছেন এখন ওঁল ইং. ব শিশবীত প্রস্তাক্ত করা কোন জ্ঞাই ইড়িল হল নাজকুমার গদি অস্ত ধারণেই সম্ভূতি থাতেন, আমাদের বাধা দিলৈ ওঁর কিছু অভান্ত বা বাজ

হ"'র দ্যাবনা।

্ বশোবস্ত নিশহের প্রতি) নহাশন । সহারাজ দীর্ঘা দুশ আপনাদের প্রতি এই আজা নিশি জেলা করেছেন পাঠ করান। বিশোবস্ত নিগছের হুল্ডে লিপি প্রদান) খুশো। বিলিপ গ্রহণ করিয়া রাজসুমারীঘ্যের প্রতি) রাজ ক্মারি : আমি পাঠ করিতেছি আপনারা শ্রেবণ করান। ইরা। হাঁ—আপনি পাঠ করান। হুশো। বিলিপ পাঠ)

এারের শত্রেবর স্মীপেযু-

ভোগরা কা নিম্মের প্রানিক নিম্মির রক্ত ক্রানিক কোলালন নলে শভকের নাবে যেনন প্রাণিক শা কবিছে পাল্লত ধর্মান্ত তেমনি আন ভোগাদের হক্ষা লাই, ভাঁডার প্রানিকিনি জ্বনপাল নিমিক প্রানিক গালে গালে প্রানিক বিশ্ব করে।

> প্ৰতিম শার। কাশ শার শীৰ্ষকা।

াঠ করিয়া জোধাৰিত হইয়া দতের ১০ ৷ তোমার প্রভুকে গিয়ে অনারাদে বস্তে । যে ও:র আছিলাগা প্রকাশ ক'রে আনানের অসি मक्षारक का ज्या करमहे नेत्रना श्वादनत्र दन। विजनान वटक িছে পূৰ্বক) বেশ (বেশ শ্ৰু ১০) প্ৰতিষ্ঠান (প্ৰথ ১) িবত কর্তে পার্বে म।

, মেপ্রের রাজকুমারি ৷ উপক্তিত ্রিছে , নিকিলে ১০ বধার 🖟 ি নিমিত আমার ঐতি নির্ভব ক'রে, আমার কলাইত : ি"ং বাঁহুকে নি**ফলন্ধ** করুন 🖟

ইন্ট্ৰ রাজক্ষার! আপনার মনোভাব প্রকাশ করাতে আফার সাতিশয় ছুঃখিত হলৈম । তাপনি কি বিবা; েল যে রাপকুমারী আপনার প্রাণ রক্ষা করেছেন य दल कांगारणत विकंछ आधानत अर्थातरणत किंद्रुगति ङान १८६० ? बालकूमात ! विरक्तमा क'रत उनसून, অজাতীয়েরা বিপদের সময় পরস্পর এই রূপই বস্তাত ক'রে থাকে। আপনি ভামাদের প্রভূপেকারের জন্য छिडला इतन ना, बार्ज बालनि मसार श्रन् इन, ७.५. পকারের অনেক সময় আছে।

পা। (নরোদে) কুমারি : , নিংহ গুরুল্ই হউক। আর : हुर्स्ति इंडिक, या निभ नावण्या एकी मेर्ना स्ट्रेंड कथ-मरे निक्क थार के भारत हो।

(ইন্ট্রের প্রতি) বিষ্দৃধি হৈ জকুমারের উদীপ্ত व्यवहर्ष्णभाष्ट्रम् व्यामाद्भन्नः व्यानाः । भर्यानी दृद्यः वित् পार - कर्दि निकाम इंड नेब (डा काम मजारका) ्षण शंक्षक मा ह । **उद्देव अंत्र महीवन**की एउए। । । वन् । चामारम्ह कर्डवा, जांड वात्रषातं बाया, निरम उँ न नर्षा প্ৰ'ড়া হদ্ধি কৰিবা। জাবিশ্যক করে । ।

জিতুত ৪০০কুমারি ত্রা**জ্জুমা**রির মাতের **সহিত বধন** আগে নার ব্যতিপ্রায় প্রক্য হয়েছে ্রিকান আমার অনত 12 9

(सन्। भा हनवामा :)

यामा । (तननामा क्रिया हैतानकेन अकि) यह दूरी ति । এ রণবালা আবেণ করুম, মুগ্রামের ভারে বিলাও সাহি ; বোধ-করি ছুরাহালা শিবিরেশ নিকটবর্তী এরেচে. रात जामारक भवधानि जन्ने अन्यान वस्परिङ কৰুন, আর ফিন্যুগণকে যুদ্ধ কলিবার নিমিন্ড অনিতা ममिकिन्। इ.र. तेन किराब चमरना चमा चमा करत জাপনারা নিশ্চিন্ত হ'য়ে শিবির ন্ধে অবহ'ন পুর্বাক ्यम पृत् कत्वा ।

उर'। (अक कार रेमरनात श्रीक) स्वया भी । अक वाकि প্রথা বস্ত্র লোমাদের শিনির হ'তে ছানিহা নাজুকু भारतत एएउ अमान कत, जार त उक्कार्य अधन इंटिंड ट्यांगाराज था जिनश्च (य चांका क्यूरान उर्जनाद তাহা প্রতিপালন সমূবে।

लिलाः द्यं बाका।

देता । १८ गावस मिश्ट्ड आहे हि वास्तुर कि । भागाः १४ १४ गावन प्रेक्ट तथ र ति दश, ज्यस्टक्ट गम्दन आर्थाः १४५ देवन राम द्वाराम श्री

নংশা। (ভিশ্ব। বিয়া। রাজকুমারির কান আপনার। রণ-বৈশ্ব দশলৈ অভিলাখিনা হয়ে বাবেন চন্দ্র আন। জ বাধা দেওনের কোনি ভাবেশাক নাই।

काल करेश दिस्ताहरू के का शास्त्रका ।

ইননা : রাজকুমার। অস্ত্রি গ্রহণ কর্মনা । নালে। ত হৈ ছের ইতে শস্ত্র প্রদান : বান

रात्ता । (अत धरन किया द्वारमात पति) ता १० छान्। स्वरण पूर्वत निवसानुसारित ४ छ छ २१३, नाति । स् पूर्व दस्तीवक ए छ दा द्वार सम्भाग कर्ना स्थार पूर्व क्वार्य ना रक्षा

तिना । अधिकृषाद्वत्र वाष्ट्रा निताशा है।

四季四十

খালা। রাজজুনারি। তবে আপনারা পাগ্য । করে। অনুর আর বিশ্ব করা উচিত ইয় না।

উভূরে। রাজকুমার। ভাগুনি অগ্রগামী । ব

17 : 1 21 Tin 1

(३४, मर्जाकः)

তৃতীয় পক।

প্রথম গর্ভাঙ্ক।

इद्ध न्त्रं नाजनाजि - यहारा क छेर ह जिस्स्त व्यां छिड देकेटवरी यहाम एक शहर

হোমান্নি দক্ষাতে মহাবিদ্যার স্তব পাতে নিমুক্ত শালীরাম গিরি আদীন :

गानी : (खब शार्घ ।)

अनेपापि सगकातीर एखाइत निर्माननीर अर्धाख्यां दिस्तिनीर अर्धाख्यां दिस्तिनीर दिस्तिनीर द्वार्थार प्रति दिलान-। अस्तर एदत्रिकेर , इक् इंको नर्गा क्याया मान्या एखा । 'अप्तिनीर निर्माधिकार दिस्मानि निर्मा । अर्थेश्वी -देशमधिकार पूष् दिना निर्मा । क्याना दिन्दा नाक पण्डिंगि प्रस्कातीर । भाजमा विकास जिमार स्माक देशमा भीर । सर्वानिक श्राम मर्कानिकास दिस्मा दिस्मा दिन्दी । श्रीपाव क्यालाव सेता

शंदा डिमन निराहत क्षाउन।

শালী। (স্তব সমাধান্তে । হানারাকে প্রাণান করিয়া উল্ফু নিংহৈর প্রতি) মধারাজ। এদিকে আহ্ন ক্রিয়া গ্রহণ ক্রেন।

ভিদ। (দিপ-প্রাংগ ও প্রণা- করণ ছার কল্যোতে । গুলু-দেব ক্ষারের অংহলংগ কও ওত হ্বামে লে ও ব্যারী ক্রেছিলাম ভাহার করেন। মাই কাংগ্রুত বাচনিক जातक भूमः व्याप्य व्यापात व्यापात त्यातमा हो। इ जात गन्म किह्हे त्याह्न शाकि मा. जात त्याहे मूथ हिल्लमा मा त्याच व्याप्त की वम शातन कवत्त्र लाजि मा ; क्षक्रमात । (मानीतात्मत हत्रन थानन भूक्त में) क्षक्रमा के शाह ?

শালী। নরমাধ। ও কি। রাজকুমানের অশুভাইন টেন্ডা কচ্চেন কেন ?—এ করেন বি সমহাসভাই প্রতি অপ্র লি নির্দ্ধেশ পূর্বকু সমাপন র ইটে কেনতে অন্তর্গ ককন, মান্তের রূপাত কুমার বে এনে লিয়ে এবছিছি। করেচেন লে স্থানে নিশ্চর স্চহন্দেও ছেন। আশ্বর্ণ দিত ইউন।

আধান ব্যক্ত জীবন এবনও পেছ মধ্যে আছে। কিছ আবান বাকে জীবন এবনও পেছ মধ্যে আছে। কিছ আবার বংশ বলা কর্যে, আনাকে এই খুল ব্যুপে প্রথী কর্মা, তা না হায়ে তুমি আকালে পরিত্যাগ কালি কি এই শোচনীয় অবস্থা নিজেপ কর্মে তুমি আমার বংশ মধ্যে এক মাত্র সন্তান ভোগার স্থলন্দ্র কি কালি কীবিল থাক্তে পালি ২— ছার্ম থালা আনার প্রতি ধ্যা কোন অবস্থা নিজেপ হার্ম থালা আনার প্রতি ধ্যা কোন অবস্থা নিজেপ হার্ম থালা আনার প্রতি ধ্যা কোন অবস্থা কন হার্ম থালা আনার প্রতি ধ্যা কোন অবস্থা তাপ হার্ম হান ব্যুপ্তি ধ্যা কোন অবস্থা বাপ হার্ম হান হান থলা বে নিজেপ্তানির আনশ্রি বান বিকের স্থান লেখ নিজে ক্রান্তির আনশ্রি বান

के हैं में महीके लें कि के बेरिके

त्राम । पामां व स्मर (य निर्माण क्षेत्र, जामादक आश्रय) । भन्त्रील निरम क फरकेंच क्षेत्र विभाव का ध्यापि रेकेदमरीत मन्युद्ध प्राणाः कि जीवनम स्ट्रणां । भीवन करा यात्राव प्रक्रिय कारान्य आत्रीक्षण मंद्रि ।

'শালী। (গ্লাজার হস্ত বারণ করিয়া দে চি করারাজ।
উচ্চা চ্যান না, আমি চে প্রহ্মাগ আছি করেছি, ব
তাজে আগানি ক্নারকে অতি শীত্র এ,ও হ্যেক;
কুনাছের জান্ত্রহণ কালে এই ঘানেও দল গ্লালাক।
কো অবিভিন্ন নাই:
উ

ভাল । গুরুদের। হামাণ জাল্য বিনীপ হায়, আল প্রাবাধ নানে না। কুমারের ভাগাগ্রহণের বিনিত যাগ করে কা ভাত পাত্র কবা এলান করেছিলেন, এলাপে ক্লাগেল ভালেন কর প্রান্ত কেন জাত্র বিলাপ লাচেন ? গুরুদ্রন। আমি ভাল আলামার নামত কেনি মাপারাধ কবি নাই—বহু বিধাজঃ। কোনাল মান কি এই জিল ! (মহামানার আভি দৃষ্টিগোল গারিয়া) ইকীদেবি। আনার অন্তেট কি শোল কালে এই কর্লেন, আমাকে ইকুমার রক্ত এলানা ক'রে, অবলেনে বকিন্ত কর্লেন ? বহুল। ভূমি কি আন্মারকৈ ইথার্বই পরিত্যাগ কর্লেণ হার। হার।

শালী। সহারাজ এই যাল সম্পানন কর্তে কোন উপ কারই আমা কর্তি অঙ্গহীন হবে না, তবে ক্রমণঃ ক্রি খোর হয়ে আগ্ত ক্রেম দেবভার আরাধনায নিপুক হ'লে গলিংছেল প্রান্ত্রিব, এ লাল সংগ্রের আরা কর প্রতি নিশ্রের দৃত্তি নিশ্রের করে করে দিবলা দৃত্তি নিশ্রের করে করে দেবলা ইচ্ছা করে লা করে করা এই আনক যাংগে নিগ্রের ভাতি কলা প্রদান করে হাতে হা আরু আরি নিশ্বর বল চি লে এই যাব দেবলা হ'লায়াবেই কুমার্যকে আপ্রি প্রন্থপ্রাপ্ত

া (চিন্তা সার্যা) ওকালা আগায় কিছুই ভাল । बरगठमा ५ तकः मा अलम्ब मर्वयमान कविष् दश माः ्रशंस । क्रि : अई डाकरमश्मापत्र जेकरतत निक्रे कि या । अरुप्त त्थनीय इत्यहि, त्य अन्यायि (कथन িক্তিপে বহা কর**্তে হা**ল । গুরু**দেশ িদেখুন প্রথম** करे या । वराणह शास्त्र हाई (मान स्याह केनाकरें) হতরা স্পানার অন্তঃকরণ একবারে ক্ষ হচিছ্ত, তা रकतल भाषामात्र कृष्णंतरम स्वांश क्रहारा रमत वाहना ্ক রে দে আ**শহা** দুবী**ভূত হরেছিল**়া কিন্তু **এক্স**ণে ভাগেরি যে একশ হচেচ এ অপেক : তামার ওরদে ুমানের ওমান হওয়া ভাল ছিল। আমি ভো এক । इत्तर कराउ क्षरहीन **बहुदन क्षाद्रक**े यूपम्छन ৃষ্টি কৰ্বাই, তবে ও সংসারে কি পুরুর গুরুতর ं लास १० ६५ ६५ ६० यात शत गारे विमानाना के विकास প্ৰত্য ইনিকেনা না করে, সামার প্রাণ বয় া বার্তি কর্লেনী। আদি তার অক্সাতবাদ গম-ানর কারণ কিছুই শেলুকানে কর তে পাক্ষিনের . .

ত কৰে। থানার হনরে দুচ প্রতীতি হয়ে চ, আন্দ্রী নাং কংনো করেবে ভ্রমণ করালে ভাকে আজিলন ক'লে হলে মুশান্তল করতে পার্ব, কেবল আপুনার প্রকৃতি প্রতিকা ছিল আপনি বছর্মানী আমান নালভাক মাপনার নিকট বাকেনা করতে আপনি আবিকলা আমার সনের প্রপ্রায় প্রকাশ নর বেন, আর নোলতি প্রতিদ্র নিংক্তে অমনক্টাভির্থে প্রেৰণ করেছি, কেবল তার বাচনিক সংক্র ভানিন্দ্র

गगवार शिका के साराया

প্রতি । য ে প্রদাস করিল অত্যাপ্রাপ্তি । মদারাক্স । কোনা-প্রতিম্মানিন্দ সিংহ রাজধ্মিক্স । ই বক্সে প্রত্যাপ্যান ্ত্র লাগমনেল তেওঁ দিছে প্রাথ বি

জিন। (সসাক্তে গাড়া, হাড় করিয়া গুরুদদেশের প্রথুলি। হিন্দু ক্রেন্ট্র) শার্মার (জীকি বিলি), কর্মান ব্যান্ত্রী নার চান্ত্র প্রভাব সংগ্রাহার ।

अभिनी १ (१९ लायान पूर्वतः बरायात्रात शास्त्र ।)

(ইনটা । কৈ প্রনিশাত পূর্বক করতে।তে দণ্ডার্মান ধ্রিয়া। ইক্পেনী থামি যেন দেনাপাতর মূথে ক্রারের শুভ লংখান প্রবং করি, নচেও আপনার দেব-করি, নচেও আপনার দেব-করি। এই পরি রাজ্য নাই। (কর-সোড়ে শানাব্যমের প্রতি । তর্মের তরে আমি একান স্থেনিপ্রির সহিত্য সাক্ষাৎ জনা করে বার্মানার ব্যাহি ।

শালী হ' লাপ শীল গ্রান করণন, জামি এইনাত্র গ্রাহার বাকে হা জালে গুড লক্ষণই দর্শন কর্লেম, বাব আলি শীতাই এখান হতে আমার নিন্দিত হানে, গ্রাম কর্ব দেনপতিত প্রস্থাহ সমাচন্ত জ্বগত হতন মাতেই অবিদায়ে জামার নিকটি সংবাদ প্রেরণ কর্লেন।

ल्या दा थांड्रा अवद्यक्ता । १ है है है

(टायामा)

ি পাতে। শার-হায় হারী। এমত মহৎ রাজবংশটা কি একেবারে কাড়কে বাবে গ (মহানায়াকে আৰ লোকন কলি।) মহামায়ে। সকলই জেলার ইন্ডা; হায় | প্রাপ্রবার কিছুই তে ভাৰ লক্ষ্ व्यक्ति त्यर्कि मा, त्य शंतमा अति छात्वरे अत्यन धा वात्र हिरू (तथ रूक शाह । कंगा तखनी एक छ नर्छ -द**है** (कांकी दर्श वर्डमान करहत कर्नाकल शब्स हह -्लम, महादारकत धार्व मंग्या, आवात क्यारत मन्दूर শনির ভোগ। (চিন্তা করিয়া) উল্লেক্টা - তিল্ল विनामिनो स्रात्मा -- क व्यक्ति व (भर्दे) तका कु । (५६) মায়াকে প্রনিপাত কবিয়া মগ্রস: ইইলা), এ নাজ: वः म जवनाई त्वान निषायन श्राप्तत भणाव हाउ थाक्ट्र, तट्डर असन द्वाधमध शिक्ष क्रियनर्काच एउ मक्षान शोक्ष, कांचि श्लील क्रांत छहे गर्धशांक गेल-ন্তিত কাংলান - মহাস্তালের কেবল সাহিত্যা গুক ভট্টি वरन, आश्व बारका अल्किन निष्ठ धरते हिस्सन. কিন্তু স্থান্য যে রূপ ব্যক্তির হয়েছেন দেখলাম ভাতে যে আমার আশ্বাস নাবেশ্য তার বৈব্যাবসম্বন করেন এমন তো বিবেচনা হয় না। মহা শৃষ্ট 'পুস্থিত-সেনী' পতি কি সমাণার দিয়েছেন প্রবণ ভ্রাগে।

(अश्वान ।)

विकोश नार कि

. शब्दा क्षिक्ता है जारीस ।

পৌল । (হাত) মানা নিপ্তাহ হ'ল গালা হ বে ছব প্রেরণ করেটি কিন্ত এখন পর্যন্ত দেৱত এতা। গত হ'ল নাঃ কুমারী ইন্দুমতীৰ জনঃ প্রভাগরণ বড়ই চক্ষল হয়েছে (চিন্তা করিয়া) এ বম্ব থানি একবার প্রিয় বয়স্য আন্দেন তাগলে এই কাইব কনেক আন্দোদ কলে দ্বো নেতো এই এইব ই কোন প্রকারে জনামনক্ষ হ'তে পারি। এপন এড বিভ্যকতে দেখিয়া। জাবে একে ব্য়মা দ্যুতি হে, এম এম; ভাই এম, এ একন তোমার বাংন বাংক

े विष्युक्तकत शुरुतमाः

বিদু হা—হা— (। – মহারাজ : গামি কি এক নি নেমর তেমন ভোলে, গাই আমার ফামন, কর্বেন ন বিজে র প্রতি থির দৃষ্টে দৃষ্টিপাত প্রবি কিছে গাটে। প্রকি: গ্রারাজ আপ্লাকে ব্যুহালিক দেখাই : বলি ব্যাপার থানা কি ? বাহ্যী বৃষ্ণি কছ্ অভিবিং দ

নোল। কাসা। আমি তো ভোনার এ স্বার্তি । জা কিছুই বুঝ্তে পায় লেন না

- বিছ। (উপরে হত সর্জন করিছে করিছে ইনিটে ইনিটের রার্
 ভিনর দর্শাইরা) বাল মহারাজ। এ ফাল্ল্য কার্য্য
 যদি বল্যেন, এই বিধে মহারাজ। (হাব্য রোমা
 সন্দেশের আকৃতি ও ভক্ষণ শ্রা বেমাইরা ওমন ও
- ार्ग । (त्रेषक हामा कांत्रश्र) नेगमः विक्रीश कार्यक यान **ज्ञा खित कर**ह थाक, खारा दृश्यिक याकराय कांद्रश कि १
- বিছু। মহারাজ। অতিনিক্ত অংহারেই উন্ন নাট্ড হয়; ব নি ভাপনার নেই লকার বিজ্ঞান উপনিধি হয়ে থাকে—
- দৌল। বলস্টা অভিবিক্ত অধ্যেও । হ ুলিম্বান কেছ কথন করে থাকে ?
- বিছ্। নহারাজ। দে বোফা হয় গেই আহাল লগ করে
 থাকে, দেখন পানি এফ কন বুলিমাল বাংলালের ছেলৈ,
 যদি আহারীয় সামগ্রী উলম কল সমুখে প্রস্তুত দেখতে পাই, তা ইলে নিছে দৃষ্টিপাত করে যতকল উদরে ধরে, ততকা তো কারে। সহিত্য বাব্যালাপ না করে এব মন, তুল চিতে আহারটা করা যাল; ভাঙ পর যথন দেখলোন যে আব উদরে ধরে না, তথন একটী আল্বর্যা ফিলিন বাড়াই।
- দোল। (রীধং ছাদা ব্রিয়া) কি মুক্স কিবির্থাটাও ভাই, বল্যা শুনি ?
- বিছ : 'হা-হা-হা-মহানাম ! আপান মড় চালাক



प्रोक्त। चारत ए हे द्वि अके खन मन्ड विश्वीन वर्ग है का का अक्रों विम्हामान करते हैं रक्षाता !

বিছ। (সংগঠ) শ্বযোগ পাওয়া গিয়েছে, এই বাল ফুরান করে মিজে ছবে (প্রাক্তিনা, ভাল ন গাল ফুরি অপনাকে ফিকিরট বলে দিই লাছা ভাষাকে কি দিবেম বলুন দেহি প

ৈদোল। (ছব্রের অঙ্গরি পেথাইর্রা) দেখ জাই এই অস গার্চি তেমিকে প্রদান কর্ব।

নিছু। (ক্সাইল করাঘাত পুনিক) হা অন্যার ক সে কি মহারাজ। আপনার নিকট কি এখন প্রশা ভিছুই নাই যে, আলাকে সের চার রসগোল দ। এবে দেন, তাই আপনার হবের সবের অঙ্গুনিটি বাঁ। বিঘে রসগোলা কিন্তে দিটেন গ

দোল। তথ্য তুমি কি বিবেচনা করেছ যে, আদি তেওঁ নাকে রদগে না জন্ম করতে অসুবিটি ডিড চাতি ও বিচ্ছ । মুখভাস করিয়া) তাবে আহ কি আমায় মাথ। মুখেল জনা দিবেদ গ

त्माल । हा-नित्रं थ खोकर शृथिती त अन्य शहर र द्व द्वित्र माहोतर है त्या भाकरण वित्तर ने कदत्र र विरु । हा-हा-हा-भराताल । (केनदा इन्ड विद्या) दान देश देशा अने जीत के देश हैं हैं , बाबात यन केनदरे विकारत शहरते अंगर है जाहरत आमि के स्थापकर विख्य पूर्वी हहें।

্রণিল। ওছে দেখ ভাই একা তোমার দেখি নয়, পাছই বাদাণ জাতিদিগকে তোমার ম্যায় আহার জিছ দেশ যায়, একণে বল দেখি শতিরিক্ত দেহোর কলিল। কিকিরটা কি ।

বিছ। সহারা**জ। কি দেবেন তা আ**গে রল্ন।

তি (একুল চিত্তে উপরে হস্ত গার্ডনপুর্বতে পরত।
হা হা—হা সাজ প্রভাতে কার মুখ (দর্খেই প্রত)
হতে উটেছিলাম যে ইন্ছামত মিটোর ভঙ্গণ কর
যাবে। প্রেকাশে মারাল ভাব এনা ক
দৌল। হাঁবলা

বিছু। কতিকতি লুচিভিঃ শকু বি নাগিংর শিঃ গণ্যা গণ্যাশ্চ

মণ্ডা মধ্য মনোহয়। পাক খালা আহ জিলাপিং—

হল হৈছে স্কুন্ড শাছতি করে এ স্থান্য কার্য্য সন্তঃ—
পিন্তাছ বলোন মহারাজ স্বর প্রকান্য আশানার

বল্যানে বনু তলোর একটা ভালা।

লোল । (বলাগা) বি ভয়ানক নিচরই নাম্পর আরাজ । বয়গোন হৈনে ক্রেফেন। তিং তেওটি ভলে। নিউক্ষ । দুয়ায়। বড়া ২০ এটিকা ভা বি সাভ আটি বাজিং ভিল আহার কলনে পানে নি, বেলি ক্রিয়ার উদ্ভেষ্

स्थानी सारक। (अकारन) यहां छाइ पुर्व तनपि ं वेक्ह्ये शाद्धीत स्माद्धित नार मा डेएफ शारा किस . वत (cefa) छादे, का कोन भाटखर द्वाप । हे क ्रतारकत भाग कि.स. विकास विकास विकास

বিচ্ সহারাজ করে পানার পতি ও বিদ্যা, এ করে আপে ন্যায় ও নয়, সার শুতি শারুপ নয়।

CHIMI एटर थे कि के

विछ् । सदातां व । अर्थे साम हिनद् व्याग्मा च मन

रमोल। १ राभा कतियो । केन्त्रतामान मा द नार । १८ । १० বিছে। এ শাস্ত অভ্যাৰ উত্তিসন গালে। সহা বি ।

পেটে বৈকে গড়ে জ্বিধি এই জি মত দি মালিকে হয়। **ट्रिक्ट होते (इ. ब्रामांबर्केकोत्रक**ा दक्त का क्रांतिका के ब िरकि म नाज जुड़ी वन करता ?

বিস্তু। অহারেজ। এ সাক্ষে জালাকা লগেছ। পার্বা মহাশয়, আর আমি এদবিল তাবে নিকট গ্রাম্ ্করেছিলাম :

পৌল। উঃ তবেত 'নেগচি তেলার দিতা ম ্লুফের-অন্বিভায় বুংপদ্ধি ছিল । 🕷 💮

विद्या कि ना प्रकार कार्य विभावन हती । हा, यान स्वरूप কটে আমানে শিক্ষা লি টেলন, এবন কি বিনা । नवलारः किन् एपणः (Ger/णः कामारवः निरम् शिर्य अक्रिका निर्माण्ड (शाब्द्र) । महोश्रीका ্করনে রত্ব প্রক্ষাবাছ না, ত্রুটে এই শারু রছটি, निका कहा निर्वाहर, श्रीत्वन ?

দিনি । হা লাই বুৰেটি। কিন্তু ভাই জোনাৰ শানালা কল তো তো অধিক কণ কর লে, এক্টা ভোমাকে কেন্দ্রী তোল দেকালই দেওয়া খাবে, ভোমার দেবি কিন্দ্রী কিন্তা বল।

বিদু। মহারাজ। দেখতে চান্না অতা ভান্ত চান্ত পাল। অতা ভাই ভূমি আমাকে শোনাও ভার পার সেতি।

াদ (মন্তক মত করিয়া ভহন্দ করণ দেশাইরা) শহা রাজ এই রকম ক'রে, যত ক্ল শিলীর মামগ্রী ধর ল তত দুত আছির করা গেলা, ' উর্লি দৃষ্টিশান্ত করিবী হল্তের দাবা মুখে খোহারীয়ে দানগ্রী উঠান লেখাইরা) লার পর মহারাজ এই প্রকাশ বরে মতাক্ষণ পরিয়ে মিন্টাম সকল গলা হ'লে এলো ছালি হলে দংশ্য নিকট না লাগে, তেককা গ্রান্ত ক্ষণাত্ত (চন্দু হারা ইঞ্জিত করিখা) চলাচেই চল্চে, বুম্ লোন তো!

দৌল। (নেপথে। পদশন গুনির: পশাতে দৃতিপীত করিয়া দুবে দৃতকে দেখিয়া। এই বেন্ত গণ্চে দেশতি—। স্থাতি) কিন্তু আমি যা ভাকনা করেছি তাই যে দেখাত, দৃত তো একাকীট সাম্তে।

বিত্। মহালাজ : দ্বিরি বিশ্বটা গ পোলা: (বিরক্ত ভাগে) পেবটু শিক্ষ বর ভাই, বা চেছা-মার নিকট স্বীকৃত হলেছি তা লক্ষন ক্ষেত্রা।

, বিৰ । (রাগামিত হইনা স্বৰ্গত) আহা। মেনন লোৱে

নলে রুগী এখন তখন, আর পুরুতির দানের পথ, আনার ভাগে। তাই হল দেখিটি, আনাকে কোভ দেখারে অমনি সার বনলেয়া।

मृरक्त द्याद्यम ।

ए । गहाताद्वत अश **रखेक** ।

(लाहा । मुखा निवस मञ्जन १

ए**छ । भरोबाल ! भीतिति**र मन्नज किन्न १९०८० । १९०३

रलेन। (जोन्ध्यांविक श्रेष्ट्र) त्रन !

বুত। মহারাজ ! আমি যে রাং গ্রন্থ থিতা হলা কোন ক ক'রে রাজক্মাং মহীপথাসংছের নিকট প্রত করে এলেচি তা অন্তর্থামী ভগবানই ভানেন : আন সেই দ্যানিধান জগদীখারের ক্লপা ব্যক্তীত মান হকাহ আল কোন উপায় দেখা যাতে না।

বোলন পূত : তেলির সে কৌশলের - ভোন ফল প্রাপ্ত

দূত। মহারাজ তা আর আপুন র একবে তবণ করার কোন বিশেষ ফল দেশ্য যাচেচ না।

লোল। (ইবং কোধারি হইবা। দুক এ কোমার ক প্রকার প্রেত্তার হ'ল। গাজার গরে মহীপাৎনি হে নিকট যে ভোষাকে পজিন প্রাণ্ডর জনা প্রেরণ করেছিলাম নার প্রত্তান্তর জনাবর নিনিত্ত না ছুমি স্থানাকে না শুনাইরে গোলন করে রাণ্ডে ভারু

क्रका (शिव्दर किस् ।

\$# 10.

विष्ट्र (रुगठ्) शक्तीत नगदत स्कृत वस्ताक कि कवारे से लक्ष्या है। বরিয়া) আত্ম দন্ধি কথাটির ই বা অর্থ ভিন্তা করিষ্ট্র কোনু আহারীর জুরা হা ১ মালাল ্না--চিক্ ব্রৈচে দক্ষি কথাটির অর্থ এক একান रत । ∰हा—तेमत्त्राहा रुकेक दा मडा ६ मेक । ে: মহাজি বাগান্ধ হবেন না রাজকুমার মহীপত দিংহ স্ক্রীপর প্রস্তাব প্রবণে যে কঠিন প্রস্তৃত্বতা দেরে-চেন **জু আপনার স্থায়ে আঘাত** কর্তে সেই কারত বশতঃ সহসা আমি প্রকাশ কর্তে ইচ্ছ,ক হতিনা , ্দীল : দুওঁ ! গোপন কর লেও তো ঐ রূপ শেল সম আম : হাদরে আঘাত কর্বে– তোমার প্রকাশ করা কর্ত্তিক । 🐣 । उर । (चगर) नक्यी शित्जांग स्तान कटशरे मर्शेसाज-टमा अहे तक्य द्वांत इत, अवः चटत चटत अहे द्वांताः मछ विष्ठ् कि इरक परिका (र्श्वकारमा) भवातीय । শামি চালাক লোক, দুতের আঙপায় মৰ বুকালে পেরেচি । অকড়া কর্তন কি াবে ? আসার গুণঃ শুরুব, এই গৈ সাজারনগর নাম হংগতে কেন তা জনেন সেধানকার খে!গুলির বড় স্থান্ধ বলে; ্ভার দৃত ব্রিলান কজি কিনা, জাংগনি রষ্টোলা কিন্তে পাচয়ে ছিল ন উনি রসগোরার বিদলে স্থপদ भटनमा किटम जार्शितम, त्याद दश भटवत मरदा ्र**रन्तरभद्र-श**ीर्ष ८५६४ शिष्ट **शक्र**स, **कहि मन्त्र भुत्र**

के न स्थानभारक देशहरूक से।

তাত তেতি কোনার ব্যক্তিই কেবল সন্দেশ का कर हर. इ जिस्हें छरशह इत का तम हि, व रहे कश है जिल्ला मार्कित अक्षी दकान विकास

विता करण वहार जात कि किंद्र सरहा देना न

্রাক্তার্ভি, (মৃত্যুক্ হন্ত মার্ভিন করিতে বিলে न्तक) **अन्दर यात हारे, दिवसार्टन** र गेड़ि एस हार । াক্সানি হয়েচে; ভার ভারি কি হবে, চোর পাল পু'ল প্ৰাছে। ইইউটিন ্থেডই কেন দুকেত হিলা 👉 किल्लाको हिक्क कर्या अके राज्ये मा अविज्ञात अह कन्द्र सा व्यक्ति दहा क्षेत्र त

লা দুতা আর ওচাঞ্চ গেপন্স ওচিতারে ন 'खकाभ करा।

महात्राखी अवन मार वे अख्नाहरू एक ए । । । । व्यविश्वास संगद्धे शिरवष्टनः **सा करे**त्र ५ विष्यवेण **१८**७ ংব। ভবে এর ওলা-স্থানি উত্ত কাপনার বিক্তম প্রবাশ করে, মই জ্যা দেখিয়ে ই ও আপনার. যাত অংক্ষান প্ৰকাশ হোৱছি, জৈনি সার চতুগুৰ কর कोत अकान कत्रह शांतर्ख कंत्र देवनः के कि कार्यात्रात्र তিই তে৷ শুন্তে গল প্ৰক্লেষে প্ৰদীম সাহসে িপ্ৰাণানাকে সংবাদ । লাভ বলেন 'তে তিনি জ্ছল যুক্ত म्बार्ड, जाश्मीक क्यांत्री रेसून ही अमार करते मि अश्रुल कथाई मध्य गर्मन

(मान्। (हिसा।)

विक् 🖟 (मर्डायः स्वक्ः) । वो 👉 🕬 हिन्दे विद्व विक्र

ব বড় বড় বেউটে, কামান মেডিয়ে কাছ নাই বাবা, আয়াহ মূত মুড়কিই হলে কাই লোক ভাত বাব থাক্লে জনক সাধা মিলবৈ, দেখা এনাম থেকে পালাই ববা। (প্ৰায়ান উল্লেড্)

পাল । (বিদ্যুক্রের আরি) তার কোবা নাও, কেন্দ্র যাত, বলে, বলো, তেমেন পনা যাও নাগতে নিজি।

নিত্। মহারাজ! মোও, গাহার করা লামার মাধার থাক, পোটে খেলে গিটো দাইতে হবে, এবন আমার মিশেব অবশ্যক আছে, আনার আসচি! 'নাইতে ঘাইকে নগত। ও বাধা। মুদ্র।

्शक्षाम 🕽

्भोल। (१ स्वरंश विख्त)

स्व । (ताकांग विका तर्गाता) प्रशासका वार्गाता ।

स्वाल रेगा। मण्या सात्व गामावनगर विकार रेगामात ।

महिए न्यमें अपकृत हरव न'; त्याप कवि गामावन्ति ।

तन रेगामाम काव क मांगाना प्रशास कारण कि मांगामान ।

स्वा प्रशास मांगा प्रवि तिस्म प्राति वारण हर्म चारण कामा वार्म कारण कामा वार्म कामा प्रशास कामा वार्म मांगा कामा वार्म कामा वार्

भशारकीय महामानक , जित्रक संकृति विस्थ । दिन अकृति है मेन गृहत्तु ना ।

প্ৰিয়_{া (} দীৰ্ন কিংখাল প্ৰিত্যাগ প্ৰিক) দৃত ৷ এ সমং ভোষার মনের ভাব প্রকাশ করে। আমরে সহিত গাং म किलाई कर्तवा।

ৰুব। (তিন্তা কলিব') নহাবা গ্ৰাণ গামর। ছব লা সন্তাহ দিবদ ১১ বা বিচ্ছ স্বান্ত কুমার মহাপ্রথ বি এবং ম্লেন্ধ ক্রতে পারি, তা হলেই নাজ্যে সমাস मरमाराष्ट्री पूर्व इटिंड भारत, अर. म.मराम धर्मे १८ সিংহের দপ্তির্গ **ক'রে কৃত**ে গ্রিছিল বা कल जास्मतः अकृषि द्विषाः जादश्च या जास्त्रीः न्माशी देलुकुकी ७ जायलकात्र वदीक कि.८३ - १ व्यविकाशना देमना समित्रा श्रह्माता । देनना वर्गान शहन ক্রেছেন; অভএব ওেই স্যোগ ভিন্ন ক্রেন গ্রেব कास बाद ८०१म हिनोब नार, ६८७०म करना प्तापति व पिराम अफ़रू यूटक अहम गरा पास करें আগে,দের াম গ্রপণ্ড হ'তে হবে, আঃ এ নিশ্চা टाम्टर (१८८६), लादन **महोप्र** भिष्ट १३ हेर्च्कान পাবে ে যুদ্ধের দিনজি এ করেছেন, কেল্ড ভূগ্রীদের मन्दान निरम् रेमना । धानारम जाँत देमनाधीर अतिपूर्व क्षितात्र क्रमा। जा श्राम् चामारमञ्जूषा चिल्लाम विकल इटव

কৌল। (আনন্দিত इहेश) দুক। তোসান দি চমৎকার कार्या के दिल्ला । स्ट्रिक्ट यस्या कामात्र कटाप्टमहरू व

কিরূপ পুন**রাজ্নীবিত** করে তুরোঁ, **আমি** এতামার তই যুক্তিসিদ্ধ পরামর্শে নাগ্রনে বলেই গণানে চলাল **হাস্ত পেলান। দুজ। এ বালি উত্তর পরামর্শ** চলচেত্র ध मर्ग अर्रवा**र ५८७ वाह**े **१७**६

। सहायात्र । केटात क्रान्य मा खुट्टा खन्न लुल्हार निराण **চনা** कशाब तिक्षितः भीश्रद्धात अङ्गत्र श्रृतिहोत्र भग कर-লদন ফরা নীতি বিশ্বর আর্যান্তলতো সংবারেতের রাপে अहिल्ल इरहाः

😬 দৃত। স্বকার্ক। সাগনে আচপ-লাংক বিভাছিত ামানের কর্ডে হালে বাজ লাও কেন্দ্র অভিতৰ তুলি যে প্ৰশ্ব মনা বলে ভাতে অন্নাৰ্থত করা। মুকু গেতীক খন্যে লাদ এই ইপায় এলৰ সম টাৰন কারি किश्रा है जुन की हैन्य होटन लाल नहीं ए एक शादा ম'--তুমি ক্ষণেও পথজাতি ব্যক্তি চেন্নার প্রতা-ণতিত কলের নিখিও আমানেও তেও যাত্রনা জনোজন ন্দ্ৰসূপ [†]

ৰুত। সভালে সংক্ৰো পালে প্ৰতিপালন কলে কৰ্তি बाहि किन्न का विकास सहस्र वारा भारतीय है। লাপিনায়ের সহিত্য নালাবার বিশেষ রাগে পরান্ত্র भारता काकि जान एएएका । भन्न करिएड পনিতে সুখিলে তালে ক'লে। কলে। মহলাগুলকে নিশ্বিত দেৰে হঠাৰ ভো লকটি এছিতি কালোঁ গছত হাগা পরামশ দিয়ে কোনেম কিন্তু বুদ্ধৰ সাগ্রাইকে কি ক্রপেট্র বা অন্যায় খুয়ে ধমন করব ? (চিন্তা

করিয়া) কাটা বা দেশ্য দিন প্রকাপনার সক্ত আগত।
আপদিই এলনর ক্রেন্স (দীর্ঘ নিংকাস প্রিছ) ত পুর্বিক) তা সাঁহাউক প্রেন তো যাই।

(12 MT) ोल। (प्रदर्भ किछ्क वृंगक) शृहरू वेद मारा । १४४ र ্কাক্ত ভয় কৰি সাঁ, তাঁর ইচ্ছায় পুমারীর অমলাভ চপাল কি গছল উপায়ই হ'ল, সবিল্যে অভ কল নো স্থাতিল হবে ভার আচি কোন সন্দেহই এই ট্রা কলিনা) কিন্তু 'প্রার্থানাত্র সঙ্গে কারে নি এ চলং, राखि। **आध्याम** आयान कतिराज्ञ राघा तसु राक्षर । ५४ .३ া থাকাল ভগতে ভগত হয় লা - ভাগতে লা বা বিচা ব भन्म न्या, जार ध्वको (मार वर १९ क- ७। 👉 भार Cजरहर पनावरे ले श्रकार - वेख कार पारण राज करें प्रान्तिक मेरा , क्रोप्र मार्च विकृष कारा हथा প্রকাশ করেছেন যে গাজারনগ্রের নিন্দে আহি জগন্ধ তাই কিছু সেশা পৰিমাণে লোভ দেখাই যাবে তা হলেই অপনা আশনি ফেক পণ্পতে ন য**ি,** এখন মন্ত্রীর **সঙ্গে শু**দ থাত্রার গ্রামণ काहेरम ।

ि अंग्रामः

लितित--अन्य एन् युर्क रक्ता

(त्मभेट्याः जनवामाः)

स्तरकाळ नतरतह रममालकित कविश्वत रेममामम्भितासिक अहे रेमन। जरा प्रियास्य कर।

हरेला जीर्रक्रमा अ किलास देशरमार अंदरीय ।

रेमन्त्र । अप्तः तीला नीर्पकृतनंत्र खरा ।

िननागर ऐत त्थाना छ। इन्हेश म छ। हरा १

शासांक प्रशासन देवनावादनव गाना कविष्टक कविष्ट । व्यादन न । পান্য। জাল রাজকুনারী ইরাবজীর ছার । ('সকলের লেই) বল হইয়া দ্রায়েখনে 🖂

्राक्षयुभाव परमान्य दिश्य, बार्ड हथाही नेशांवकी अनन क्रारी देख्यकीत कर्रात् ।

্যদো (হিচন্ত্ৰত বৃত্তিপুৰ্ক 👌 বালকুমারী। আপনারা নিকিল্ম আমার পশ্চাতে দওয়েমান হউন . -

(अध्यक्षिति भागा उर्धकानः)

যদো! (রাজ দিংকুট ও সেনাপতির এতি জোধামিত হইয়া) কাব । নি রাজ। দীর্ঘকশ १४

পীর্ঘ। (দভের নহিত) আমার নান শার্ম পুর্বে রাজ্য दीर्घक्षा।

গশো । তুন রাজা দীর্ঘকুশ। তুন দি মুদ্ধে অনভিজ্ঞ ন পাক তা হ'লে মুদ্ধে নিয়মানুহ তুরু মুদ্ধ কর।

ার্ঘ। কিরুপ নিয়ম।

্ল'। পরস্থার প্রক্রিচন বিশ্ব হও।

শার্য। ততি নাই; কিন্তু কিরূপ প্রভিক্তাণ

্মশে: সৈন্য ব্যাহীত পরস্পর বুলা মুক্ত

শীর্ষ। (কেশগ্রিত হইয়া) কি কেড লভ লেশ িল্নার বির পুরুষদের সহিত করু শৃত্ ভীষণ র এগল বৈনার ভিম বয়ং কথন স্বায় ধার। কি জিল বাসানা মুক্তে ব্য়ং অসি ধারণ করু জ্বেতি এ প্রভিত্ত আমার ইচ্ছা নাই। বিনা বিবি ক্রাই

কশা। অন্তি তাতেও সমত জাতি। বিত্ত তা বাং।

ক্তিৰিপ্ত (মাধ্যকি পুনি বিত্ত এই এই বাং বিত্ত বিত্ত বাং

ক্ষা অনুধানন কৰে মুক্ত কৰে। বাংক সংগ্ৰহ কৰে।

কাৰ্মপ্ত প্ৰতিনিত হয়ে ধ্যাক সংগ্ৰহ কৰে।
কাৰ্ম গ্ৰহপ্ত ক্ষাহিত কৰে মান্ত

গা। আর সংগ্রেনা লেগে জোকে সংযোগতি না দিয়ে আঃ গ্রেগ্র পার্থাম দ

্ষেন্গতির প্রতি । বিশাবিত তুটি বৈনা হিত গুছে নিরস্ত থাক। বিশোবিত । কেন প্রতি অসি দেখাইয়া) নরাধম । এই অসে তোর দীবন নাশে শ্রেমান, ক্ষতা থাকে নিরারণ কর

- যশে (অগ্রসর হট্য়া অসি দেখাইখা) আল গাড় । খ আয়াব হত্তে ছুই নবহত্যার পাপ ছ'তে ।বজা । ব ভাব কোন দলে**হ নে**ই i
- দীর্হ (ভাগালুর ছইয়া) ঝার তেখাকে যন লগনে 🗥 🤼 कति।

('উক্তরের বোর মুগ্র-৮৩' শীর্কা, মার পাদ ১)

- মণো। (রাজা নীম্কুলের বল্লোপনি ইপবেশন পুনর হ 🗅 দীর্ঘ ্রের অভীউ দেবলে। গ্রাণ কর। এইগালে। চোর সমচিত শাজি দিই ! (বান ১০৮ জীবাধারণ ধ্যিণ হতে অদি উত্তাহান)
- हितः। (डिटेक्टन्सरत) वाजपूरायः। इव व्यक्ति स सहरान न' लांगमध कहरत्व भा।
- थट": (मीर्थ कूगाक शतिशाश पूर्वक अमंडि मृत्व म्कासमान)
- জেন্ত্র (অহি বৈন্যাল্যর লেজ) বৈন্যাল্যর লাজন জীবিত গলেতে নহাল এক ভূমিতে প্ৰিত ন্যাত্ र्नि ? व्याव गा. स्ति अत्ड इप । (अ) देवतात्त्र **ष्ट**कार इहेंग।) अन्, कार्या अभागतन करा ।
- খলো) (রাজকুণ বিবংশর ১(ত) গালকুমারি জোপনাদের এফলে অম্ভিদতে শ্বাহতি বলা কলোল।
- रेण्या तालकुमानी । ता एमात या वक्षान ; अपसीतात जाहे করাই কর্ত্তবা i
- িইবা। প্রিয় স্থি তবে চন্দ্র;

र राष्ट्रकारी बाउन आकृति ।

्रामात्राः कर्म

हेमतः १०। (शाकावनगद्वक क्रमनामन व्यवस्थ सहिता। वर

श्वितात्र वित्र ज्या।

(উड्ड टेनस्वात विणुक्तकारः पूक्क काविष्ठ छ र त्मसार्थिक क्षांकृष्टिक किन्द्रिक रेगटनाय गोकर में क

रेमहमात्र शनकित कार गास्त्रात गणायः स्टिनः

देमना खादमव भागा भागा सामान है

होच । (मटकाटल भारकामान को व ठ ८५का व्हिट

व्यशिद्य !

य मा । (भाक्षात्रमगटवत्र रित्माकायत्र श्रीकः । स्मातभागः । वह श्वित व्यक्त वल एक म करका हैएएक पूर्व वक्त कार्य गिरिटत साम्यम १६, का व सम्बद्धाः इत्यम ।

देशना। सं व्यास्त्रीत

! FUNTO SEPARTICE ITEM) (रेग्ना बरहुत नेट इमरक नक्षा की प्री लहेग

可能分享 國際年 ()。

চতুৰ গ্ৰন্থ

प्राथम श है। अ

'आपत मनावाडी' दूम अर-

় স্কেকুমার বলোবান্ত সিংগ্রাজকুমারী ইংবিটা ও রান্টা ইন্দুগ্ডী অংশীন।

ষ্ঠো। (ইরাবভীর এতি) বাজকুম। । বিশ্বর গণা।
মঙ্গের মধ্যবর্তী হ'য়ে, অধিকে লিচেরর নগায় জে। তিঃ
হিঙাব কর্চেন: অমন সময়ে শিংব পরিভাগি প্রা
কি অন্যাদের যুক্তি দিল হয়েচে ং

ইক ৷ বাং সক্সার ! অকারণ সংখ্যা অন্তর্গ গণেলা ভাগে গণেশ্য করায়, তমণী ৷ স্থান অন্তর্গ কল ালু ব্যান আশানাকে এই কাইদায়ক স্থানে লাভ্যান লগ্য স্থানি স্পানাধিনী হ্যোলি স্থানাতক প্রাথকর বিশ্ব

যশো। বিশিক্ষারি। ত্রাকানের নহিও বুলো পরিষ্টিত করাতে জামিই দাবিলাঃ র'ত লগা তারি আগোলার। ব্রাক্তির আমানে অনেক একে প্রে বার করিছিল করি কিন্তির আপনাত্র তো গ্রিক করি হলারই সম্ভব করিছিল বিশ্বিকরি কিন্তির আপনাত্র বিশ্বাহ চিত চাঞ্জা হবে পাক্রে।

क्रक क्षत्र देशदरात्र ए। (दन् ।

সৈন। রাজকুমানের আন ১ রাজকুমীর তালা প্রার বিভাগ প্রসূত্র উপাঠিত বার্ত্ব সেরাপ ব্যালাক্ষা করা থাবে ও পরিল আমার বেকা জনা কোন এ নার হচে একণে শকল প্রহর রা পাহারা দিবে পাছে না পরপার প্রহরীর কাল ভারতো আলা লা আহা দি ভার কোন উপায় বেখা মালে না, বা এব বাপেন দেব গা অভিপ্রায় হয় আছে। কালন ।

উন্ত (গ্রাজকুলা এর প্রতি । গ্রাজকুলার তেই প্রপান আর জীলন বহন করা দা বলা একাণে া নাও পর নির্ভিত্ত করে, তথে কোন গ্রাজাকৈ নির্ভাত কল তে বিলম্ব ক'রে এ প্রকার কান সহা কান্তেন । স্থা প্রকটা বিচারে অনুসতি কলা।

য়ালো। কুমারি যাতি লাজকুমারি, দেউ চুক্তির ক প্রাধ্য বিপ্রেক্টাকর তে আফাল বারা কাটি তেন, ক লাল হয়। প্রতিবে কণ্ডবিধান কর কর্তিন, তা নতে নান সংগ্রন্থ নপেকা কর্তেই নাল (কৈন্সার প্রতিন্তিন কর ক্রিক্টা কুশ্রে সেই ভারত্বায় এটি খানেই আনম্যা কর

শ্বেম। 'থে অভা রাজকুমার।

বৈনার পর। দেই নৃশংসের অভিনত। সানেই এ পালে । নরবাশস্থানিতের প্রাপ্তাধ কিন্তু ভাত লা ত ই হউক সংগণ নিম্কোন ক ২৭ বন্ধত ই তিহ তথান্ত নহয়তালিতে প্রভাইল নাবালে প্রাণ্ণ দণ্ড ভার শক্ষেত্রকার কুলিড বিবেচনান, ছাব জীবন ব লা ভার লোকানে প্রভাগ কর্মেনিকা কথনই রাজপদ প্রাপ্ত হব নাই, বিস্তু তার প্রথমন সংঘ্যা কথনই রাজপদ প্রাপ্ত হব নাই, বিস্তু তার প্রথমন সংঘ্যা করাৰ কার্যা প্রবৃত্ত হওনের নিনিত প্রাণ্ড নকটোলে লাগে, প্রাণদণ্ড দক্ষনীয় হয়েছে। ইত্যাব নিয়ে বিস্তু বিশ্ব বিশ

प्रशेषक रेमना सब केडिन असीतः ए

রাজা নীমন্দের প্রাবেশ

- ইর্। দৌগেরুশতে পেথাইরা) রাজন্মার । এই নিষ্ঠুর যখন আপনার প্রেছিতি জোলাল হ'েও পরিত্রাণ। পেয়েচে, ভখন নিব্যান জোনা কি আন পাণে হ পরেব ন বা হয় একটা দও বিধান করন।
- দীর্ম। (আক্ষালন পুক্তক ইর বতীর প্রতি) ক্রোদানস্ কার ক্রোগানল
- যশো। রিগালিত হইয়া দীর্ঘকুশেব ্র । বি । নম্পি ।
 শাচ হাধীনত! অভাবেও তল্ডন গ্রুম হল কে তেরি
 লক্ষা বোধ হয় না ?
- দীর্ম। (মন্দোরন্ত সিংলা, প্রতি) আক্ষার প্রায়হীন দেছই প্রার্থীন হয়েছে, জন্মার আসীন স্ভাক্ষণ কার্ত

ই।।। শোন, দীধকুশ। তোমার এ অবস্থায় শুগা এর नगुद्र भड्डन क्रांच ट्यान कर्त छात् से यिन हिरामक . की गढन अलगाना थाटक, ताकक्षांत याना तन मंग्रहण्य ं इरोनंड सीकांत्र करता । उपमात आग्ने शुक्कांत चरह छ। भाग राज का छ एक।

शिहूं। (शुन्हाय देवांवजीव खिंछ) व अधीन । कारीन जातील ? ाम (क ?

· कें। इन्कक्षांत्र गर्मादस्कृतिगरहरू व्यक्तिः। निध्याक कर्रांत शहा शहा करहा १ १ हु ।

, बीर्ट । , मक्तक विन्दानेशा विवाद र कि व द्विष्ठा । वाहर শ্লি মহা হয় না ! পুনরার ই প্রতীর প্রার । ক े धरे त्वर महाद्वीभाग राज्यांच भाग प्राप्त प्रदेश प्रदेश বংশী হয় তথাচ খানার অক্স রণ্ডে তথাও ভাইন্যার बाहर (कर्रे कथा १७४१) शहर सार में। ! অক্তা হ বলুপুৰ্বক ভান্ত পাতিয়া উপবেশন ুৰ্বক ্ মাশোল্ড সিংছের এতি। খায় আমাণ মুগুজোনন্ कत्र यात्रि यात्रीम बाह्यःकवर्ष कीवः शतिलारिः 空雪田!

মশে: (দ জারে গাড়েরাখান পুর্ববহ দীর্ঘ কুশের প্রতি).. ্ৰুল্মত আমাত নৰ্ব পিও জোৱানল এছনিত না . र र छ है, एथा ए वोड कृ शातीत आक्र अवि शालन कें , नरहर देश पर क्या गा

िष्यं के कि विश्व धराष्ट्रात : भागक। बाह्यिकारियों ब्रीएगीएका मान्स शिलामान-कार्या र राष्ट्रिक क्षिश्राच

[उम, गर्डाक्ष ।] देशांवकी नावेक।

বশো। কি ছুর্ভ নবপিচাশ। যে প্রজীর ফল্য, দ্বে দ্বি তথ্যত প্র্যান্ত প্রেমের দীল বপন হয়নি, সেই জীন কুৎসা। (সজোরে দীর্ঘকুশের গ্রীণালেশে হার প্রহার) যাও এখন নবক কুণ্ডে দিয়ে তেন কল ভোট কর।

the state of the s

(गरामा धाद्या । ॥ ।

ষিতীয় গুৰ্ভাস।

ममुख की। -- -राशिक शिविहा।

त्रोकक्षाव गरभारक मिथ्द , त्रोकन्यारे देशवजी

ा कुमारो संस्कृषकीतः व्यासन्।

্ট্রন্থ। (অনুশারক্ত নি ছাড় ইরাকলীক প্রতি) আপনারা এক্ষণে অস্থানিভাগে করে ক্রেড বিভান ক্লন

ইরা। প্রিমাধান জনের উত্ত এখন । জানুকর। জাবন্কং

हैन्स्। ताङ्क्याति। शाल्यनाता व्यत्यं शर्यायक्ष भाव हेश्तर्-रूपं क्कूम, व्याप्ति क्ष्रू पालनात्मत लग्नाम शाक्षिमी इकि!

ইনা নাজকুমার। তাৰ অন্ত পরিভাগি ক'রে উপাৰে কন কুমান।

যদ্গা। হ। শব্ধ পরিত্যান কর। এপরে করে। (शव

পরিত্যাগ করিয়া) রাজ্যুনারি । আপেনারা শে আমা অপেক। সাতিশয় রাত হয়েছেন কার । । সন্দের নাই, অতএব অপিনার। ।নরুদেরে বিশ্রাম করুন। চিন্দা করিয়া) সেই রুক্ষের বেলার আনার অত্যন্ত ভত্তাপ অনুভব হংয়াতে । তি হি ক্ল আরম্ভ হয়েচে, কিন্তু পুনরাণ শিবির মধ্যে ৩০০০ ক'লে আবার ছিন্তুন সন্তাপ বোল হল্ডে। এফণে এন বলন্ত মাতুর সন্তা সনীরণ সেবন কল্ডে পামার ভিত্তাহা অভিনয় আজলায় কল্ডে, আল্লান নমু ভাই শরে অল্লামধ্যের জন্য নিক্টিক সান্য ভারে জন্য নের বিন্দিত সমাকে জন্মাত প্রদান করেন।

ইরা সভকুমার! আপনার এলপ বারণ প্রযোগ কলা,
বিশ্বল শামাদিগতে নিপ্রহ করা কলে, যেতেত্ আলা
াল, অপেকা আপনার চতুওঁ নিলেন হলে হল্পী কলে কিছুল, বিবেচনা করণ, পিশাচন্দের হলে হল্পী কলে কিছুল
কেশ সহা কর তে হলেচে, আবার সেই রেশ হ'তে
সংবিতিশ্বলে স্কুল না হতে হ'তেই, দি ভয়াবহ সংগ্রামে প্রস্ত হয়ে কফ ভাগ করতে হলেচে। অতএব
কেই সকল রেশের শার ক আপনার শিবির পরিভাগে
ক'রে একাকী মুদ্র ভাগে শারীরিক কট নিবারণের
নিমিত্ত ভ্রমণ কর তে গ্রমণ করা বিষয়ে শাপনার
শিবির মধ্যে অবস্থান প্রকৃত বিশার করাই স্বাতো
ভাবে উচিত। ব্যক্তভাবে শানি আননার নিশ্বল

- মশো। রাজকুমারি! আপনি আমার বিশ্রামের জিন্ত যে রূপ আনেশ কর লেন তা আমার পক্ষে শ্রেয়কর বটে, কিন্তু আমি বিবেচনা করি, যদি ক্ষণেক বারি কিল্ বিহাতে বারু দেবন কর্তে পারি, তা হলে আমার চিত্ত প্রকৃত্ব হুবার বিশেষ সম্ভাবনা, অত্রব আপনার অমতেও অতি অল্প সময়ের জ্না আমার চিত্ত শিবির পরিতারে কর্তে ইচ্ছুক হতো, অফ্রোধ করি আমার গমনে বাধা না দিয়ে ম্যাতি প্রদান করেন।
- ইরা। রাজকুণার! যদি আপনার নিতান্ত একাকী ভ্রমণেরই অভিলায হয়ে থাকে, আমি আপনাকে বাধা দিছে, অভিলায করি না, কিন্ত সাবধান রাত্রিকাল উপস্থিত, এবং অতি নিকটেই খরণা,অংশনি অতি শীড শিবিরে প্রত্যাগমন কর্বেন, বিল্ফ কর্বেন না।
- বশো। রাজক্মারি। এই শশানসদৃশ ভানে আসনার । আজয় ভিন, অন্তোজায় নাই বে আসনার নাকিন্য, । শিক্ত হ'লে ভগায় অবস্থিতি বর্ব। আসনি নিশিচ্ত গাকুন, অতি শীত্রই আনি প্রত্যাগমন কর্ব।

(প্রায়ান)

ইরা। (ইন্দুমতীর প্রক্তি) প্রিয়স্থি। রাজকুমারের অভি-প্রায় কি কিছু ব্রুছে পার্লেন? আমার তো বড় ভাল বিবেচনা হচ্চে না। আমি জ্রীলোক লজ্জাক্রমে বার-স্বায় বাধা দিতেও পার্লেম না। কিন্তু আমার শরীর অত্যন্ত অভ্যন্ত বোধ হচ্চে, আমি ক্ষণেক বিপ্রাম কর্তে ইচ্ছা করি, হাদ আপনার ইচ্ছা হয়, এবং কোন

ক্ষ না হয়, অমুগ্রহ পুর্বক রাজকুমারের পশ্চারাদ নিনা, হর্মে বড় ভাল হয়

রাজকুমারি! আমার শরীরে কিছুমাত্র (রুশ নাই) অপিনি বিশ্রাম করুন, আনি রাজকুমারের পশ্চাদগা-মিনী হলেম।

(প্রস্থান।)

ইরা। (ইতন্ততঃ দৃষ্টিপাত পুর্বক স্বগঙ) আমাদের তো আর এক্ষণে কিছুরই আশক্ষ নাই, তবে কি কারণে খামার এত অক্তথ বোধ হচে ? ভাল—আমার অন্তঃ-করণ ক্রমণ চঞ্চল ভাব অবলম্বন কর্চ কেন ? ত্রিভু-ধনের সকল দ্রবাই আমার ভিক্ত অনুভব সচে যে ' (চিঙা কি.মা) যে রাজকুমারের সহিত পূর্ণে অশে ুত্বচিত্তিতে আলাপ করিচি একণে তাঁর সহিত কংগ পর্কথনেও লজ্জা বোধ হচ্ছিল এর কারণ কি ? ের छूताचा मनन व्यामात क्रमत मन्मिरत शहरण दृश्हा छोड অনুগ।মিনী হতে বারমার আমাকে তাড়ন কর্চে; এই অরণ্য মধ্যেই বা ছুরাত্মা কি প্রকারে জামার হতু ্ সন্ধান কর্লে । আমার তো রাজকুণারের অনুগামিনী 🚓 হওয়া উচিত নয়, একণে কি করি, কোখ। যাই, কার শরণাপন হই, কার দায়াই বা প্রান্থাকে হৃদয় হতে 'বহিক্ত'করি ? 'দেখি দেখি একটু শুলন করে দেখি, যদি মিড়াদেবীর আরাধনা কর্লোনিষ্ঠুরের তাজনা হতে পরিত্রাণ পাই। প্রনিক্ষোপরি শয়ন ও চরু ্মুদ্রিত করিয়া পার্য পরিব ইন পূর্বেক). উঃ একি হ'ল

L

নিজা দে কিছুতেই হয় না, চকু যুক্তিত কর্তাই বৈ
চক্ষের পীড়া উপস্থিত হয় গ এত দিশে শত্র আশস্কা
নহেও ফলওে শয়ন করেতি, ভারতেই নিজারত
হলেতি; ছরালা মদনের কি এত দূর এতা বিজার
দেবী তার ভয়ে আমার প্রকুর নয়নে বিভাগ হ'তের
আশস্কা কর্লেন গ উল্লাবার সালিশ্য বিশোলা
পাচ্যে, একটু জল খাই। (গাজোখান গুর্লক) আমার
শালাকণ্ডত উপস্থিত হ'ল যে গ (দূরে গমনান্তর অল-পান প্রাক প্রায় শয়ন) এ নার নিলা আশ্বেই
আস্বে। (চলু স্কিত।)

অদাক্ষিত ভাবে কুমানী ইন্দ্রাভীর প্রায়েশ।

ইন্দু। (চিন্তা করিতে করিতে স্থাত আত যে রাজকুমারী অনায়াদে আমাকে রাজকুমারের সহিত সমুদ্রতীরে বিবাহের অনুমতি দিলেন! বলেন আমার শরীর অক্সন্থ হ্যেছে, আমি একটু বিল্লাম করি, কিন্তু শরীর অক্সন্থ হলে আমি নিকটে খাকলেই ত গুরুহবার সন্তারনা; এর কারণ কি ? আমি তো কিছুই, বুনতে পার্চিনা। (চিশ্বা করিয়া) গোপনে গোপনে এক বার দেখি রাজকুমারী নিজিত কি না? (যাইতে অগ্রনর হইরা রাজকুমারীর সার আগণে গোপন ভাবে এক পার্শ্বে দণ্ডার্থান।)

ইরা। (স্বথাবেশে নিদ্রাভকে) স্বপ্ন! তুনি কি এই বন বাদিনীর হাদয়ে অত্রাগের পথ দশ্কি হয়ে কৃতকার্যি হলে। কি দৈব ত্রিপাক। আমি ্তা জ্ঞানকৃত

A 44

কখনট ইত্রির প্রখাতুভব করি নাই, পিতৃকুলের কলক প্রভাশা করি নাই, তবে আমার বিদ্যা শিক্ষায় अशिनटा नाएडत कि अहे यन निन ? दा नृष् প্রতিভ তুমি এখন কোথায় ৷ তুরাক্তা অনঙ্গের ভাল অন্তর হ'তে কি অন্তহিতি হলে ? জিলণে ভোমা বাজাত ভার শাসন হতে পরিত্রাণের ছার কোন িপার দেখ্চি না, শীজ পূর্বেমত হুদয়কে দৃচ্তৰ কর; বার্জ। ছুরাতারের শাসনের নিমিত অসি ধারন কর; নতে কুলম্ব্যাদা রক্ষার আর কোন উপায় নাই। অন্স েব ! অনুবাগের সময়াসময় বিবেচনা কর্লে না: পাত্রাপাত্র বিবেচনা কর্লে না; সেই জিতে-জিলা লাজকুমারের ক্লায়ের সমিহিত হ'তে ভূমি সাহদী भा एट्टा, आधि औरतार आभारक है करें नितन, এল ৭ জোনাদের সকলেরই কি এই অভিপ্রায় হ'ল গ (টেটে দুটিপাত করিয়া) ও ই রাজি তো অধিক. হালতে, কই রাজকুমার তো এখনও এলেন না, তবে কি অংনি চতুদ্দিক অবেষণ ক'রে তার দর্শন লাভে নানর আবেগ নিবারণ কর্ব ? না-তা হ'লে িল গৰির মনে অন্য ভাব হবার সুভাবনা, তাঁর নিকট্ াই মাত্র অহুস্তা প্রকাশ করেছি, আবার অল্প নয নের মধ্যে রুম্ব লাভ করেছি কি রূপে ব্যক্ত কর্ব ? উ এগন যে রাজকুমারের অদর্শন বাণ আমার খনর विगीर्व कत्रुटि ।

ইন্দু। (সংগত) রাজকুমারীর অ**ত্ত হওনের অর্থ তো নিচ্ছই**

त, नर्जाक विशेषक विशेषक

বাস্ত কৰ্মে (ভিন্তা কৰিয়া) আৰু কট পেনা

যাল ক্ষান্ত প্ৰান্ধ প্ৰদান কৰিছে (বাজানী বিশ্ব প্ৰান্ধ কৰিছে ভাবে, এখন এখানে কৰিছে ভাবে, এখন এখানে কৰিছে পাৰতেম না, আপনাৰ মন্ধ সাভনা কৰিছে পাৰতেম না, আপনাৰ মন্ধ সাভনা কৰিছে পাৰতেম না, আপনাৰ কৰিছে নামাৰ নিক্ট গোপন কৰা কি আলে কৰিছে নামাৰ নিক্ট গোপন কৰা কি আলে কৰিছে প্ৰান্ধ উপযুক্ত পাত্ৰী আৰু এলানে কৰিছে প্ৰান্ধ বিশ্ব প্ৰক্ত পাত্ৰিও লো আৰু কৰ্মানে কৰিছে লামানিৰ প্ৰকৃত পাত্ৰিও লো আৰু ক্ৰান্ত ভ্ৰান্ধ বিশ্ব প্ৰান্ধ বিশ্ব প্ৰান্ধ বিশ্ব বিশ

শ্রমানির করে। প্রতিষ্ঠানির জান বিরু নির জানার করিছে নির জানার নির ট জানার মানাভাব বাল করাতে সংহল করি নাই। (ইন্মানীর হস্ত ধারণ পূর্বিক করাত সংহল করি নাই। (ইন্মানীর হস্ত ধারণ পূর্বিক করাত সংহল করি নাই। (ইন্মানীর করাবিন করে, আনার মন ও নাম এক

रेबाबकी माछक

...

বাঁরে জাঁব অধীন হয়ে পড়েচে, অধিকস্ত ভার আদশ্রন আমার অব্যাহ ক্লেশ হচ্যে :

া বাং ্নাবি । চক্রোদরে যেমন জলনিধি প্রকৃত্ন र्य, थाय योशनांत मान गमाज निकक अधिका ছালের ভার উল্লাচের আমার মন মেই রূপ আহলা-দিত হ'ল কিন্ত আপনি যেরূপ অনুত্ত হয়েছেন দেখতি, দেৱপ রেট হওয়া উচিত হয় না ৷ রাজকুমার লে, আলংদের নিকটেই উপায়িত আছিন, বিশেষতঃ আগেনি জার আগেরক। আয়েছেন, যদি ঠার নিকট আন্ত্রার এ সম্ভাবাক্ত কর। খার তা হলে তিনি ব্যানই নিএছ কর্তে পার্বেন না। সার একণে রাজকুমার সমুদ্রতীরে ভ্রমণ কর চেন, আমি তাঁর অনু-শ্যান বরতিশাহনকি না ভা তিনি অসুভব কর তে পার-লেন না ভার ভার ভক্তি দেখে বোধ হ'ল বেন কোন ভাগতি তাৰ হাঁর চিত্তক্ষেত্র অধিকার করেছে, বোঁৰ হং লাপারি নায় তাঁর ও অন্তংকরণে অনুরাগ অল্প-রিভানাম শাব্রে; বৈর্ধা হন, অত্যে বাক্য কৌশলে খীর মনোভাগ অবগত হই, তার পর আপনার মনে -ভিলান খাতে পূর্ণ হয় সে জন্য ভাঁকে বিশেষ অভুরোধ : কর্ব।

ইরা। প্রিরস্থি! সহসা আশার মনোভার তাঁর নিকট বাহন সকলে লক্ষা বোধ হচেচ, কারণ তিনি আমা-কের সাচনিকই আমানের আত্র পরিচয় প্রেচেন, তাতে মনি তাঁর প্রত্যয় নাঁহিরে থাকে। আমার এই গহিতি প্রস্তাবে যদি ইতর কন্যা বিবেচনা করে দুবা কালবাৰ তা হলে কি হলে।

ইক বেইন করতে ধান্মান হয়, তথন দিনকরের করি হ'তে স্থাতল হলার জনা রক্ষ সকল ও লতা করি হ'তে স্থাতল হলার জনা রক্ষ সকল ও লতা করি না। সেই রূপে শোল করি তিনিও আপনার মূল কর্তে হিল্ল না গ্রহণ বিভাগ করি তিনিও আপনার মূল কর্তে িনি জাপাই আশানকে আগ্রহণ হ'তে মূল কর্তে িনি জাপাই আশানকে আগ্রহণ হ'তে হ্লাভল হতেন।

ইর'। প্রিয়স্থি। তবে রাজক্মার এখন কোথার আর্ছন ? আমার মনে দে নান। অমসল চিতা উপাদিত ১৮চা, আমার দক্ষিণ চকু স্পাদ হ'তে আরম্ভ হ'ল কেন ?

ইন্দ্রাজকুমারি! আপনি একটু অংশকণ করুন, আনি

তিত্তবিল্যেই এখানে আনান কর্তি প্রতিকের

তিত্তবিল্যেই এখানে আনান কর্তি প্রতিকের

ইরা। প্রিলম্ব : তমে খানি প্রবাল শলন কল লেম। (শলন ।)

ইন্দু। গোডোথ ন পূর্বিক গমনে উলাত হাংসা অগত)

শৌবন কাল অতি বিষম কাল, এ কালে একলেরই
অন্তঃকরণ কারে জলতরংক্ষর নালি নগন যে দিকে
ইচছা ধালমান হব । স্বাং ভগলান তার গতি রোধ
কর তে লগম হন লাই বাজানুমাণী যে জনক বেদনাম কাতর হায়চেন, এতে এন কিছুমান্ত অপরাধ

নাই, একে তে। উপত্ত পাতেরই অনুগামিন) হ র- বিচন, আনার ক্রম অনুগারে ঈথরের নিয়ম কথনই সকলে হালার ও অভ্যকরণ সদাসকলো রাজ্যক্ষার মিনি হিলিং হের জনা দয় হচ্যে—তা কি বি। বিজিপ্ত বিচক লক্ষ্য করিয়া) ওর প্রতিজ্ঞা হেডু বেবল কিও দিন আনার যন্ত্রণানল প্রতেও গোগে উদ্দিও হ'তে পারেনি। একণে লামার ও রাজ্যক্ষার নাম হ'বে নিশান্ত মন্তালনা, কারণ সংস্কারির নাম হ'বে নিশান্ত মন্তালনা, কারণ সংস্কারণ করি লাল করি লাল করি লাল করি হার করি লাল করি লাল

র এক দিক দিয়া প্রস্থান।) আন্তার দিক দিয়া ধশোবস্ত নিগ্রেগ সুনঃ প্রান্ধা।

যশো। (বগত) কি আশ্চর্যা। অল্লকালের মধ্যেই যে আমার নন বিপরীত ভাব অবলন্তন ক'রে পরের অধীন হয়ে পড়ল । সমুদ্র তীরটা এই সময় অতি মনোহর এই বিবেচনা ক'রে রাজকুমানীর অদর্শনে মনের চাঞ্ল্য নিবারণ করিবার আশায় ভ্রমনার্থ গমন কর্লেম, কিন্তু সেখানে এরপ ঘটনা সকল উপ'ল্যুন্ত একাকা কি কুমারা সম ভিব্যাহারে এ সকলের কিছুই হির চিত্তে অমুধানন কর্তে পাছ্যিলাম না; যে দিকে ।

मृष्टि गांड कति कड़े कि कहे बार्क क्यातीत ताल माध्यस्य स्वतिक ११ १ (साक्ता ककिं। (य निक्र केंद्री বেশ কল ত উচ্চত উত্ত বৈশুদ্ধ সভাবের চিতা ি ে অপরিচিত ব্যক্তি त र १ जिल्लात विभागित एक धारा অভান্ত লজ্জিত হ'লে ২০০ 💡 (দীৰ্ঘনিঃশীস ं क्रिया) श्राटमचत्र के कार पूर्व क्रियेक्ट भेत श्रीतास चाराह के विकास ा । १ वटन अहे **तथ मछ**ाशित के देश है। भा विकरन ामापं लाला है बहै जाय घरेन ? महाति लेका वह মনিমা ৷ (রাজনুমারীর প্রতি দৃষ্টিপাত করিয়া চালের প্রতিবিদ্ধ রভে চুমারীর গাতে পতি ত চেলিরাকাশ্চনা चित्र हरेता। अकि। अयः इन्त्रस्तित । कि साम्बर्गणाः • বীর প্রতি আসক্ত হয়ে, আসার প্রতিষ্কাট হরেন। (१९४८) एकि <mark>कतिशा) ताङक्याती (ए अदा चि</mark>र भारक्यम १ सुभाती काचाग्र भारतम १ क है। के हिए क य निकरेवर्छी :क. - साम (एश्टूड शाजि ना - अह কারণ কি ১ (ভি ৬) করিয়া) বোধ করি বিশেষ প্রয়ো-জন বশতং নির্জন ভারেই গমন করে থাকরেন এথনি প্রত্যাগ্যনের সন্তানা। (রাঙ্কু্মারীর দিকে অগ্রসর হইয়া) রাজকুমারীর অদর্শনে অভান্ত শান্তনা হওয়ায় ममलाए त अकृशातीतक पर्मन कत्र अक्षाम, जा आँक য়তবার নিরীকণ কবি ভতই মনোমধ্যে এক অনির্বা

চনীয় ভাগেদর হয়ে কটের হুদি ব্যতীত তো হ্রান 🕝 ঁহত্যে মতে বংগ হৈছা আৰু এঁএ নিকট সবস্থিতি কবলোঁ। এ মধ্যে মুধি লাখালগৰ নুগতিৰ হ'তে হবে, কারণ এ বিশুরা কামিনীর উপয়ুক্ত পাত্র আমি কোন ক্রমেষ্ট गरे, वत औरलाक रहा चामांत्र अने वका कहात. অংগতে কুরুবাধম অনুথান করেছেন, তবে আলার একণে বাছকুলারীর সমূত খেনলাতের আশা পরি-ভ্যাগ ক'রে এখান হ'তে গোপনে গোপনে লাখন कता है। अहा । (तनार्था अप भक्त अन्तरा । विकास मृथिया 🛎 कतिया) 🗦 भ्रा कि १ (१ ५ क.) . राया छ, व्याराख मृत्यंत्र मात्रा भाव, कहा हत्यत्वः हार हर प्रसः-স্পর্শের আশা করা হয়েছে-রাজকুলারী এলাকিনী মিড়া যালেন মার এত দীর্ঘকাল শিবির মধ্যে প্রব-্তিতি কর্চি : এই বুঝাকুমারী আন্দ্রেন 📍 এখনি ত অভ ভ মুর্থা প্রকাশ হবে; (সসপতে মই ত অ্র-সর হইয়া) এই প্রস্থানেই একেন্বে এখান হ'তে প্রভান করা উচিত। হা ভগবান : সেই শিশাটা রিমা-তার জন্য আরও কত ক্ষা সহ্য করতে হবে।

(料理171)

ইরা। (পুনরায় রাজকুমার যশোবন্ত সিংহ ক নিজাবস্থায় স্বপ্নে দেখিয়া চকিত ভাবে গাভোত্থান পূর্বক উট্ডেঃ-রাজকুমার! রাজকুমার! এ অনিন্তঃ ছু, দহ যন্ত্রণায় নিম্ম ক'রে পলায়ন কর্বেনুনা কর্ বেন না (পুনরায় শয়ন।)

१ १४, मेंबीच ।] विश्वविक मेरिक।

भगवारक कृषाति हेक्कुवर्कीक छोटरम !

ইন্দু। । পর্যক্ষোপরি উপবেশন ও রাজকুমারীর গাংত হস্ত মার্ক্ষন করিতে করিছে। এক । একি । কি সর্বনাণ। রাজকুমারী কালেন ব জক্তাহ এরপ হওনের কারণ, কি ।

क्षक्रम देगदमात्र अदरमः

- ্ইরা। ব্যুনারীর গ্রীনাদেষ ধারণ করিয়া বক্ষাহ্যাস মন্তক রাখিয়া লক্ষা ও ভয়ের সহিত্য হা প্রিয়াসবি। হপ্র—
 - ইন্। (দৈনের প্রতি) দৈন্য, ব্যক্তন লইয়া শাছ বাতাস আরম্ভ কর।
 - দৈন। যে আজা । (বাজনগ্রহণ করিয়া বাতাস আবস্তা।)
 ইন্দী। (ইরাবতীর প্রতি) ছি । ছি । একি রাজকুমারী স্বপ্রতা

 কি কথন নত; হয় । তা হ'লে মনুষ্যের অদৃট জানবার
 আব ভাংলা থাকতনা, এই গে আম প্রায় প্রত্যহই
 তোমার ভাতা রাজকুমার মহাপৎশিংহকে স্বপ্রে দেখি,
 ভাকি সভা হয় ।
 - ইরা। প্রিরস্থি : সে অথ সাবার মনে হ'লে। অগোর হারর বিদার্শ হয় ! (শিহরিয়া উচিছা রোদন
 - ইন্ রাজক্মান । সাগনি এ: বুর বিবেচনাশ্ন: হলে, এই কঐ হ'তে কথনই শাভি লাভ কর্তে পার্বেন না। এমন কি ভয়ানক স্বপ্প দেখেছেন যে সাপনার এরূপ সংসই ক্ষ হচেত !

ইরা। প্রিশৃস্থি। আফার নিকট হ'তে আপনার গমনের প্রান্তার আবিভাবি হ'ল—নিজাবস্থায় স্বপ্ন দর্শন কবলেন কেন রাজকুখার আমার নাগর পীড়ার ব্যক্তিক হয়ে, আমার নিকট আগমন করে বিলেম।——

ইন্দু। ইন –তার পর কি হ'ল १

ইরা। খিলনপি। তার পব তিনি যেন অংকার তেজনাত ভার প্রেক হ্রাশা মনে যনে স্থির কবলাল । রেন্দ্র,

- ইনু। রাজকুনারি। কেন এত অধৈতা হণ্ড । কু-টাই কি ধলুন। এখনি তার প্রতিকারের এটা কলচি।
- ইরা। প্রিয়নখি তেরি পর বাসকুমার সামার মনে । এক বারে নিরাশ হয়ে, থার আমাকে পুনরাধ কনি ওবন না এই রূপ প্রতিজ্ঞা কর্লেন, জার জননি অমি নিলাবণায় রাজকুমারের গমনে বাধা দিলার জন্য ওসপ চীলকার করে উঠলেম। (সরোদনে) অপ্পান যে ভাকে আনয়ন করতে গিয়েছিলেন, তিনি কি অনোকেন ?
- ইন্। (বৈনেরে এতি। সৈনা। তুমি বাভাস দেওনে নিরস্ত হয়ে; অনিযান্ত শিনিরের পশ্চিমাংশে রাজক্মার্ডেন অন্যেদ্য করে এদ।
- দৈন্য। যে অংজে ক্মারি ! (বাজন রাখিয়া যাট্তে যাইজে অংডে) কি বিশদ—প্রায় মাসাবধি দিশারাতের মধ্যে তো শাল আশক্ষায় একদণ্ডের নিমিনে ও বিশ্রাম করি নাই, এখন কোথায় সে সকল আশক্ষা হ'তে

(eretal)

ইবা (কাতর সরে) ব্রিয়দ্ধি। সাপনি রাসকুমারকে

শামার নিকট আগমনের নিনিক্সস্রোধ করতে

গমন করলেন ভার পর আপনি একাকিনী প্রসাণি

গমন করলেন যে ! রাজকুমার এলেন না ! িনিকি

বল্যেন !

ইন্থা রাজকুমারি! সমুদ্রতীরে ইন্ততঃ অস্থেন, পর পর, উরে দর্শন না পাওয়াতে বিস্চেনা কর্তেম যে রাজকুমারু শিবিরের পশ্চিমা, শবর্তী স্থান্টীর রমণীয়ভাঞ্জ গেই স্থানেই অমণ কর চৈন তক্ষনা আছি বেখন শিনির সরিষ্টিত স্থান দিবে দেই দিকেই গদন বা ্ক ছিলেম আর অদনি অপেনার টীংলার দেনি প্রায়ণ করে আর গদান সমর্থনা হয়ে শিরি নধ্যে এনে আপনার এই অবস্থা অবলোকন কর্মেন। আপনি কিছুমাত্র ভিত্তিত হবেন না, সৈন্দ্রিক শ্নরায় প্রেরণ করেছি, অতি শীত্র তাঁর ব্বাব প্রাপ্ত হওয়া যাবে।

(रेमदनाह भूनः श्रायम ।)

- বৈন্য। রাজকুমারি : আমি তে ইত্রতঃ রাজকুমার ক অলেমণ করলেম, কিন্তু কোন ড'নে ই কার অকুশান কর্তে পার্লেম না, অবশোষ রাজকুমার লোক কুমার বলে অতি উল্ফেখরে চীৎকার কর্লেম ভখানি ব কোন প্রত্তর প্রাপ্ত হলেম না
- ইবা (বলপূর্বক গাডোখান কবিতে উলাত ইয়া প্রিয়-দ্বি ! আমার অনুষ্ঠে কি অম্লক স্বপ । সভা হ'ল আমার কি দক্ষিণ চকু স্পাদ হওয়ার এই জাবন নাশক কল প্রাপ্ত হলেম ! আপনি আমাকে ছেড়ে দিন, আমিশ স্বাং একবার তাঁকে অবেষণ করে আদি,নচেৎ আমার প্রাণরকা হওয়া নিতান্ত অসম্ভব। (ইন্দুমতার লে.ডে শহন ও রোদন।)
- ইন্। রাজক্মারি। আপনার এরপে যন্ত্রণা, আর আমি
 দেখতে পারি না, আপনি নিতান্ত লম্তা প্রকাশ করে
 আমাকে ছংথিত বরবেন না। একণে আপনি একটু
 কান্ত হউন আপনায় এ কেশ নিবারণ পক্ষে আমার

কোন জাট ছাব না। (স্থাত) এখন এ বিষয়ে কি कता अर्कता व ताकक्षाती हा श्रकात व्यक्षेता श्राहरूम, * · · · ৷ ৷ প্রান্ত কিছুভেই তোরাজকুমারের আর- *'(ত এঁকে নিরস্ত রাখা হাবে না, আমাকেও পরি-ফালে কাৰ জীৱ পশ্চ জালনে উদ্যোগিনা দেখনি। এণিকে ৬ ৬ ৬ ব র ফকুমারের অভেদণ কর্তে রাত্রি প্রভাত ত্যান্ত অপেকা করাও বিদেশ নয়। (প্রকাশো) श्क्षाति । ताककृष्णतत् निक्छे ही एकान लाज ক্ষরভিতি করিবার নিতাক সভ্যেনা আর যদি আপ মার স্বপ্ন বুভাত স্তা হয়েই থাতে, ভাহাল তিনি कर्म हे श्रमताय व्यवसा मास्तर धारम श्र तर्म मा अवर তিনি স্বধং ব্যক্ত করেণ্ডন যে তাঁর সেই সাপীয়দী িমাড়ার মূল অভিসন্ধির কারনেই তিনি গৃহ পরিতাণ ক্ৰে মজাভ বাদে এ সচেন, এতে যে ডিনি গুছে আৰু এম করণেন তাও তো বেধি হয় না; নিগ্চ-एक् प्रभावतम्ब (तमर्गाच्यारथ श्वास देखराय । व्याह-এ। এ ৮m হ'বে গহিল । জবার নিমিত গালার দেলের প্রাণ্ড হাল বান উপায় নাই— চলুন এম গে আমা-(मह (मन्द्रां ६६.८ 🕛 १८८१) इह । व्याप्त তাঁর দর্শন লগ্ড জ সম্পূর্ণ বস্তানন, নতুবা সাটী পৌঁছিয়া আপনাৰ জাত কৰিত প্ৰামৰ্শ কৰিয়া तिहे ताककृषात गामासभा मिनहरक वाटक भून आ**ल** इर्ड कालनाइ मरनादय मक्त रह, खिबर्ड माधामछ ८६की कहर, धाइँ भागांत दालका। (वाकक्यांतीरक

নির্ব দেখিয়া) এই উপায় বাতীত একদে আর কোন উপায় হ'তে পারে ন৷ কি বলেন ?

ইরা। প্রিয়স্থি! আপনার যা কর্ত্তর হয় শীজ কর্কন, এক্ষণে আমার আর হিশাহিত বিবেচনা করি শর ক্ষমতা নাই।

ইন্। (বিনেরে প্রতি) দেখা তোমাদের দৈন।ধ্যে ক্রেন্টিল ডেকে সান)।

रेमना। एव या अ क्नाति।

(唐明河)

ইন্দ্র রাজকুমারি । গ ত্রোখনে কজন আগনার এ তাপিত
শা ীরে অগণা কট লাগ কালন ঘাটলারেজনে শাসন
বানীতে একনে আন উপায় দেখাই না কিন্তু কি নেরি
রাজি একনে আন কলেন উপায় নাই (বাজ
ভাগার লানবায় ন কল দেখিয়া আশালারিবা ছইলা)
১০ এলকুমারী যে এক রূপ পাগ্লিনী হলেন ও
বিষ্টি আন এখানে বিলম্ব করা উচিত নয়, এর অন্
ব্রেল্ড ও ব্রেক বিপ্র মুন্তার মন্তারনা।

े माधारंगर शरकमा । कार्य

ইপু কান েনগ্রকে! তোগরা কল্য প্রভাত ছাতে এই

হানে সার ও তিন দিবদ আ পকা করে চতু কিনে রাজ
কুমার গশোব ও দি হৈর আল্পাণ করো, জার নর্পন পাও

শিক্ষান নতেই দি বিল্ল কর করে রাজধানীতে প্রজ্ঞাণ মন ব গুর,

ববে। আমরা এই দাও ই রাজধানীতে প্রজ্ঞাণ মন ব গুর,

অবিক্তির বেটক প্রস্তুতের অভ্যতি কর বের। ০

रेमस्त्रीयाकः १८८ व्यट्य कूमार्कः

(প্রস্থান)

हेन्द्रः (त.कक्षातीय १७ तम पूर्वकः) ताकक्राताः। चन्द्राच्याः तमा

ইন্দু । সংগ্ৰাপ কথাপ গৈছিছে রাজধ্নীতে একশার প্রাক্তি হয়।

। स्ट्रिंग धाः ।

প্রেম ভার ,

खायम ५७,४ ।

-- 10:37 --

ें शिक्षात्मकार वाक्ष्य वित समज्ञकात्म । वीवत्र १८० (१०) १०७)काः १९७० मान

किश्व क्षा की मण्डा मणा

- ১ম প্রা: (১৯ জালা সালিক পদ শক্ত কালা গ্রিক আশ্চ-হা, প্রিত ইইয় জালা, তালগাল প্রকিট এ কিছে এক ছোও হো, জ্যার প্রায়েশ লগানে, যালাক জালা
- ২য় প্রা । ই তাইত : তালাতে । ই তালাত দুলো রাজকুমারা ইরাবতা ল কুমারী ১৮৮ টাকে আনিতে দোধয়া / ঐ যে ছুটি প্রতিলাক স্থাড়ায় চড়ে এই দিকেই আন্তেন্

১ম এ। বিপক্ষ নাকি ।

ম গ্রা নেরকম তো বিবেচনা হয়না—অভিপয় ছংশিত T 25 1

के. अह माती है भारती अ कुमाबी केन्द्रमाओं त एवं देकादावान अट्टाम ह ्रित प्रश्नित कादक माणिन विका अध्यम कतिएक छेनाक दर्शामा ५४ ७ २४ शक्षांव डेड्डइड अ.चंत्र इच्छ म.हर्ग ।)

২ম প্র 🕝 বাজকুনারী দের প্রতি) তোমরা জাঁলোক দেখ্তি, হটাং অখ্যারাহার কেথা হ'তে এখানে এদে উপাত্ত হলে । আর কিজনাই লা জ্যাদের বিনা স্মতিতে বাটীর মধ্যে প্রবেশ কর তে উদ্যত হচেচা 🕈

देन्द्र । (उन्हार वाश दक ?

२४ अ अस्तिहा प्रतितक्का ।

् केन्द्रः एट.२ ८०।भन्ना कि नृत्य तकक नियुक्तः करव्यः । स সাম্পের চিন্তে পান্ত মা।

 হয় প্রাণ বেলন

 প্রাণি এই কার্যা প্রায় বার বংসর নিযুক্ত शाहि ।

১ম প্রা । আমারও এরি দশ বংসর অীত হয়।

ইরা। (জনান্তিকে ইন্দুমনীর প্রতি কাতর স্বরে) িয়-স্থি! আম দের আপন বাটীতে আমর। প্রেশ বর্গ তাতে কিছনা এরা বাধা দিচ্যে গ

ধুইন্দু। (কিঞ্চিৎ চিন্তা কবিয়া) রাজকুমারি। এ প্রহ্রীদের व्यक्ति अनात अ शतिहरून (नाथ त्यं व इत्ता बता तन्योध প্রহরী নর। (প্রহরীরটের প্রতি: প্রহরি। তোমরা ্রকার দারা এ বাটার দার গ্রহক কার্য্যে নিযুক্ত হয়েছ /

२म था। जाएक प्रकार कार्या अहे कार्या नियुक्त प्रकार

रेणुः ः नामानिका हरेशा। टम कि । महावाक (पोन-

১ম প্রা আমার নিকট শোন। তিনি কান্দেশের অস্ত্র গতি দেশগড় নগরের অবিতীয় মহারাজ, অন্য পঞ পিবস গত হ'ল, রাজকুমার মহাপত সিংহের এই বালী ও সমূল্য রাজ্য প্রভৃতি অধিকার ক'রে। জ্লগতাকার লিকে অস্থলি নির্দেশ করিয়া) এই জন্ম প্রাকা প্রতি-ভিত করেচেন।

ইন্ (চকিত ভাবে) কি । রাজক্যার মহাপং সিংহ তবে কোথায় ? (ইরাবতীর প্রতি দৃষ্টি পূর্বক ঠাহার উর্জ নয়ন দেখিয়া সদ্যান্তে গানি হটার কাহারণ কাহা বিভিন্ন হলি তাজক্য বিশ্বাস করে হলেন কোন উর্জ নয়ন দেশ্র কালা কালা বিশ্ব শুদ্ধির পূর্ব লক্ষণ হ'ল। বিশ্ব ক্রেন্টার বল বিশ্ব বরিয়া গোটক হইতে নামাইলো নামাইলো বিশ্বন্দ্রারি ! ভাপনি শীপ্র অশ্ব হতে শ্বন্ধ্য কক্ষ্য

হিরা। (অবশ অংক কুমরী ইন্দ্রটার স্থানে ভর নিরা অব-ভরণ করিতে করিতে অস্পত্তী বাংলা হা। প্রিয়দ্ধি। সময় সন্দ হলে কি এন্দ্র পরী ভূমি। হা পর মধ্র। আপনি কি আমাদের প্রতি এত্য বিষয়। (কুমারীর, বারাযো ভূমে শয়ন, ও মুক্ষা।

हिन्द्रः काज्य यदत अहतोबद्यय अक्षित्रं छ वस्त्र हिन्द्र

- খোটক ছটীকে দূরে কোন স্থানে বন্ধন ক'বে, শাত্র अकर् जन जात अक शांनि शाशा यनि मां जा इतन হ: ইপক্ত হই!

হয় প্র। তবে অগ্রে আপনাদের অস্ত্র পরিত্যাগ করুন। ইন্দু। (ইরাবতীর ও নিজের অন্ত্র প্রহরীর হত্তে প্রদান পূৰ্বক স্থগত) হা ! কি কঠিন হৃদয় ! (প্ৰকাশে ব বাপু! অত্যে শীন্ত একটুক জল আন, স্ত্ৰী হত্যা হয় !

(कार्षक महेशा शब्दीष्ट्रत श्रामा ।)

ইন্দু। (রাজকুমারীর গাত্তে ৰস্তের দারা বাতাদ করিতে করিতে) রাজকুমারি : বাজকুমারি ! এ কি হ'ল রাজকুমারী যে একবারে অজ্ঞান হয়েছেন। সেরো-भरम कि हरत • ताककृशाति ! ताककृशाति ।

খোটক রাখিল জল ও পাখা লইলা প্রহবীদ্বরের পুনঃ প্রবেশ। >म था। । जल ७ शाथा कुमातीरक श्रामान श्रादिक । छप ি নাই মূচছ। হয়েচে, একটু জল মুখে দিন, বার্ণান द रुग ।

ইন্দু: (ব্যক্তন ও মুখে জল প্রদান করিতে করিতে)রাজ-कुमाति ! शांककुमाति !

ইরা। (চেত্রনলাভ করিয়া) হাবিধাতঃ। এককালে কি আমাদের প্রতি সকল বাদ স্বিত্র ?

रिन्सू। याः वांध्रतम, आमात (पर् योगम करलाः ब्राक्क्याति। একণে আপনি একটু নীরব গ্রান, আপনার অত্যন্ত কেশ হতেতে। (প্রহরীর প্রতি) প্রহরি। তোমানের ্ जक्रा मानम् वि

স্থা। (কুলাইন ২ ক্ষা ইংক বিচার।খন ভরতঃ ই ক্ষা

> শান্ত বিশ্ব করে । বাজকুমারী
>
> শান্ত বিশ্ব করে প্রান্ত করি হ'তে, অল্ল গ্রহণ বর্তে
>
> শান্ত বিশ্ব করে শান্ত করে করি হ'তে, অল্ল গ্রহণ বর্তে
>
> শান্ত বিশ্ব করে শান্ত করে করি করি হ'তে হ'ত হ'ত হ শান্ত হাজনের এককণ ক্রেটি হ'ত হ'ল ভগবন্। স্করি করি তোকার ইচ্ছা।

ে এক দিকদিনা নাক্ষ্মারী ইয়াবভী, কুমারী ইন্দ্র-ভি, ও ছি ীব অধ্যার, ও অপার দিকদিয়া প্রথম প্রাহরীর প্রাস্থান)

প্ৰথম অন্ত

দিতীয় শতিক।

भक्ति।इ मन्द्र-क्रिया हे कि

बन्दी का बाह पर्ने पर्ना अपनी मानीन्।

ী। কুমার । তথন দাদ গোষার গোরামর্শ প্রাহ্য কর তেম ভাছলেকি এক শ পরের নেয়ের জন্য আমাদের এতদুর াদিশাগ্রন্থ হ'ছে ২ । এখন ও বলি আপনি সন্ধি এইণ করুন, ইন্মুখটার খাশা পরিত্যাগ করুন। র প্রারজকুমার মহীপিৎ সিংহ মন্ত্রী সহ কারাগারে কন্দী
আছেন, আপনারা দেখচি তাঁর কোন পুরন্ত্রী হবেন।
আপনাদের ও কারাগারে গিয়ে বন্দী হ'তে হবে।
১ম প্র। (স্বগত। হাঁ, মহারাজ দৌলৎরায়ের এরপ অমু-

মতি আছে বটে।

ইন্ হা পরমেশর ! কুমার মহীপংসিংহ কারাগারে বন্দী একথাও ভানতে হ'ল ! (চিন্তা করিয়া রাজকু-মারীর প্রতি) রাজকুমারি ! প্রহ্রিরা যা বল্যে তাতে এক্জান খনিচছা প্রকাশ কর্লে আর কোন উপায় দেখ্টি না. কি বলেন গ

ইরা। প্রিয়স্থি: আমাদের একনে সম্পূর্ণ গ্রহটেবগুণ্য, অগত্যা কি করা———

ইন্। (দির্ঘনিঃশ্বাস পশ্তাগি পূর্বক প্রহরীরয়ের প্রতি) প্রহরি! আমরা এক্ষনে কাজে কাজেই তোমাদের মতাবলম্বী হলেম, চল।

২য় প্র। লেশ চলুন। জিপর প্রহরীরপ্রতি) আমি ঐদেদ্ সমভিন্যাহারে কারাগারে চলোম, তুমি এই দমুদ্র রুত্তান্ত মহারাজের নিকট সংবাদ করগে।

अस्य। (वन ।

২য় প্র। (রাজকুমারীদিগের প্রক্রি) তবে আপনারা পাত্রোখান করুন,--চলুন!

ইন্দু। (রাজকুমারীর হত্ত ধাবন প্রবিত) রাজকুমারি।

তবেউচুন।

মহ'। মা শ্রা প্রথার আশ্বিল মেইবপ এতাব কচেন গ এ আপ্রথার প্রতিশ্য আম্ দেবতি লাপ্রি নিশ্চা লোনবেন মই শাবিকে আক্রণ প্রামনে মালাল লগে হারতে বলে আপ্রথার ক্রমে প্রামনে মালাল হবে। আরিন অবস্থার ক্রমে উর্লিকে প্রামনে মালাল প্রথার জনোও জেন শাবিক সামানে করি, যদি আমার অর্ক্ত স্প্রথার ক্রমে শাবিকে কিয়ার করে, শেলাল এবি স্প্রথার ক্রমে বিলিকে বারান প্রথাক সমার নিকরের লি এক মক্র্রী মধ্যে উ তথ বালুকার উপর হস্ত প্রথমন করে প্রতিত করে রাথে, ইন্ম নীর আশাং তাওসহা কর তে প্রতি তথাত তার প্রোল্লাল। ক্রম্ম হতে ব্রিস্থান করে শ্রেণিকে

মন্ত্রী (রাজকুনাতের হস্ত ধারণ পুরিক) কুমার বা আপরি লগেছে ৮ ৮ - বন দি, পালার কারান্তর কারী কলে সেই অংকার্জিয় লাভ আলান্তর উল্লেখ্য করি প্রাথি কলি, স্থানাত বা জিলা লাভ বিশ্বনিক বিশ্বনিক প্রাথি পদ সালা শুনিক লাভ বিশ্বনিক স্থান্তর বা

इन्य विनी (इंछ ! नयन मृष्टि म्ना इड ! अधिवी বিধা হও! রাজকুমারের এ কট আর ভারি দৃষ্টিগোটর কর্তে পারি না, হায় ! হায় 'কেন অকি দেই অগ্নিছোতৃদের বন হ'তে বেঁচে शतम, जात अत्महे वा त्कमन करत जन्हारम অংশনার ছ্রবস্থাদর্শন কফী সহ্য কলোম ৽ রাভকু-, মার! আপনি স্বাধীনতা হারিয়েটেন দি হাসন श्रीत अके करहरहात, जामात रमस्य कीवन थाक्रत এ সকল আমাকেও ভানে সহাকরতে হ'ল ংহা দ্রমণ্ডভাগতা প্রমেশর। অমেরা কি আপ্নার নিকঃ अरुएद नर्थाई इराष्ट्रि, त्य बाबार यह लाज मनलाई অমঙ্গল ঘটনা উপস্থিত হচোর বেলেনুমানের मुशावालाकन शुक्कि) एप ! होत ! हाजकराह নে নিঠুর কেঃ আর কি নিমিডই ব; কবিল , एय २-(४, व्यापनाटक वन्नी कत (म ?

গহা। দুখিত ভাবে) কুমারি! একটি জ্বীরারের প্রতি দুটা বাক্তির লক্ষ্য হলেই তো একব্যক্তির পক্ষে প্রাচ এইরূপ ঘটনাই হয়ে থাকে।

ইরা। চক্ষু মুছিতে মুছিডেকাতরদরে ভ্রাত্থা আমবা অকুপ্রিত ছিলাম, অভএব নবিশেল আকুপ্রিক নাবল্যেও রূপ প্রভাৱের আমরা তো কিছুই বুঝতে পাল্যেম না; যদি আপনার কন্ট না হয় তা হলে সকল রতান্ত আমু-প্রিক আমাদিগকে জাত করে সন্ত ভন্ধন কর্মন।

্রেটিকরু। ১ সাজে ৮ ১ ১ বল ১ ১ জার ইউন, পাংলারার ष्ट्रपाना राज्यका 🦠 😘 धारताल कलाविकी सञ्ज्ञान ্তি-—এলম্ বি ব্যব্ধ আমার হ্বার ক্ষেত্রে অভান লা গ্রন্ধুরিভ ২০০চ, সেই श्रीष्ठ आभात था। ८१६ मा भूम्य ३ १० ४६ हि सहा १९ সিংহের পাদপামে সমর্পন ধরেছি, বৃষ্ট 🎋 এবন আ मार्व मनभूभी रमहे मञ्जाभ सक्छम कः भारक र'रठ

উৎপাটিত কারে আয়াকে নারীকুলের কলক্কিনী অবং গ সনিবাদ করেছে? কি! এদেহে ভীবন পাত, ত মৃত্যের রাজকুমার মহীপংসিংহকে বন্দী করেছে : ভিৰ্দ্ধে দৃষ্টিপাত পুৰ্বাক) হে স্বাদেষ! হে ঈশ্ব: থামি তোমাদিগকে দাফী করে বল্চি যথন থামার লোহ শোনিত বাহিত্তকে, হস্ত পদ সঞ্জান কর্তে সক্ষা হচ্চি, স্ত্রী হয়ে অস্ত্র ধারণ করে ভীষণ শত্রু হস্ত হ'তে আগস্তুক বাক্তির প্রাণ রক্ষা হাবে ক্ষতিয় কুমারীর পরিচয় দিয়ে এদেচি। তখন, (হাড় দেখাইয়া) अहे इस छ्वाद्या प्लिमस्तारम्य क्रीवन मध्यारस्य किछी কবতে কগনই ক্ষাভা হবে না। রাজকুমাব । এ অিনীর আশা হ'তে কোন জমেই আপনি প্রতিনিয়ত হ मा, जालनि निक्ष कान्त्र यमस्य ্থেম্কেজিন হ'তে আমায় নিরাধাদ হ'তে হবে ত-দাধ এ পাপ জাবন বথার তথার জাপনার প্রীচরণ উদ্দেশে উৎদর্গ কর্ব এই সামার দির প্রতিজ্ঞা। वककान इत्कर श्रातमा

দূত। (ইরাবতী ও ইন্দুমণীর প্রতি) কার নাম কুষারী।

ইন্দুমতী ?

ইন্দু। (দূতের প্রতি আমার নাম ইন্দুমতী। তৈমার , ভিজাম। করিবার সভিপ্রায় কি †

দূত। মহারাজ দৌলংগায়ের অনুস্তি; আপুনি তার স্বলে শীয় প্রচণ্ড প্রতাপশালী মহারাজ টোম্ফরায়ের ছু হতা আপুনি কারায়ত্ব হয়ে বন্দী দিপের সহিত কারাগারে ে প্রেম্পর করে বাবার নিষ্ঠি আনাকে প্রের্থ

গ্রন্থ সভিপূর্বক সরোদনে) শোন দুড়া ভোগাৰ মহা

গ্রেজ আমার নিকট হতই কেন চাতুরী ও ম যা প্রদর্শন

গরন না, এবং হতই কেন বল-বিক্রম প্রেলাশ

কলেন ন কথনই রাজ কুমার মহাপ্রিসংহের প্রেমান

কলেন হতে আমার নির্ভ করেতে লক্ষম হবেন না (

মহাপ্তিদিং হাকে দেখাইয়া) এই রাজজুমার আমার জাবন থারণের এক মাত্র প্রাধন। ইনি ব্যতীত পৃথিবী মাধ্যে এ যান্ত্রার আনার দেহে জীবন থাক্বার অন্যান্তগাঁর গ্রহিত। আর দেখা (বাজকুমারীট্রাবতীকে শেখাইয়া) এই রাজকুমারী ধনি মানসিক পীড়ার আক্রান্ত না আক্ তেন তা হলেও এতকণ গান্ধার হ'তে দেশপড় নগর অবিভি বিস্তৃত প্রাদেশে তোমাদিগের ন্যায়ত্বই অভিসধি ন হাপার ২) জিদের শোণিত প্রবাহে প্রবিত হ'ত।

ত। তথুন কুসানি। এ সকল আমার অনধিকার চর্চা, এ ।
সকল বালের হ্যেন্ডর দিতে আমি সক্ষম নহি, কিন্তু ।
মহারাজ কৌ এনাবের প্রতি ও প্রশ্ন হলে, তিনি বন্ধ।
শাই প্রভাবের প্রদানে সক্ষম হতেন, তার কোন সন্দেহ
নাই । একানে মহালাভের ভাজা প্রতিপালন কর্মন

(রাজকুমার ও নাজকুমারীর প্রাক্তি) আমি আছ

क्रिकेट कार्यमारमञ्जूषक **स्वत्या एकथ्एक आतिएम । श**तरमार्थ 🕾 ালাশ নিকট আর্থনা করুদ যেন আমার মনোবাঞ্চা পূর্ব 🙉 🖽 👉 ः(. मुण्डरः १२:छि) मुख्य छरव इल 📭

্দুত। আন্তন, অংগামিনী হউন।

💰 : া ধ দৃত সহ কুমারী ইন্দুনতীর প্রহান।)

(अकटलर क्षेत्रका

ভাষীয় গভান্ধ।

竹藻语 河对不一对南省专 1

भरतं हिट्छ ताथा ध्योलद्वाद्वत देख्छकः खन्ता

'দৌল'। 'বগত) খনক জেশের পর খাল নিবিটাছ মনের जाना पुन इत्त , आंक है सूम ही मर्गन क'रत मान इल 💛 🐔 হবে এক মনও সন্তেষি লাভ কর্বে; কিন্তু তানে দর্শন না করতেই আমার সন ওার প্রতি ফেরপ অতুরত ্ ইয়েচে: একৰে এখানৈ উপস্থিত মাতেই আমার সহিত্ েএমালপ হতে বিলম্ব হনে তো আমার সাতিশয় ক্ষা भेर्ट्रेंव : ('विश्व' क्रिया) (क्रम वा छ। श्रीज नाई हरव ?

একণে ভো আমার অধীন হরেছেন। এখন একেই
বুক্তে পারি। (পুনরায় চিন্তা করিয়া) করেছেন করেছেন
তো তাঁকে আন্তে তৃতকে প্রেরণ করেছিন করেছেন
আস্চেন না কেন? আমি একট অনুগামী হরে
দেখি। (গমনে উদাত হইয়া দূত সহ কুমারী ইন্দুন্
তীকে দুরে আসিতে দেখিয়া) না এই যে কুমারী
দূত সমদিবদাহারে আস্চেন (নাছনাদে) আহা
কুমারীর কি অলে কিক রাপমার্থি।—প্রিয়বয়স্তকে
থেখন ডাকান হলে না, ওঁর কিরূপ মনোভাব অথ্যে

म् जनम् कूराजि सेग्यधीत्र थादन्य ।

লোল। (সমন্ত্রম ক্মার্রার প্রতি) আহন। আস্তে আন্ত্রা হক্! অংশনাকে দশন ক'রে আনি সাতিশর প্রতি লাভ করলেও। সহসা বল্তে লাহন হর না, যদি এই পর্যাক্ষেত্র এক পার্থে উপবেশন কর্তে ইচ্ছা করেন, তা হলে আমি না হয় এই খানেই দণ্ডায়মান্ থাকি।

ইন্দু। মহারাজ আপনি আমার জন্মভূমির রাজা, আমার
পক্ষে আপনি দেব তুলা অতএব আনাকে নপর্শ ক রলে
আপনার দেহ অপবিত্র হবার সম্ভাবনা; অন্য আমার
নিতাম্ভ সোভাগা ও স্থালাত বলতে হরে, ফেহেড্
আপনি আমাকে এইরপ সন্মান ও স্মানর কর্লেন্।
সাপনি উপবেশন করুন, তাতে কিছু মাত্র কৃতিন
নাই।

দৌল। (দুয়ের ছারা জিছা দংশন করিয়া) কুমানি!

আপনি কি আমাকে নিএছ কর্চেন ? নচেই এরপ

বালবার কোন কারণ নাই, আপনি অন্যালে ইতিবেশন কর্তে পারেন। বরং আমি আপনার মণিত
কেরে উপবেশনে সাহসীক না হতে তথা ব

ইক্ষু। মহারাজ। আপনি অতে, উপবেশন ও চন কর।

কাথাকে যেখাতে আপনি অন্তগ্রহ ও রে ক্রান্তর

ক্ষুত্র আদেশ কর্তন অধ্যান কর্তন

পশ্চাৎ উপবেশন কর্ব।

নৌল: (দুকের প্রতি বৃক্তি করিয়া) দূক গ

ু পুত। মহারাজ।

ধ্বীল। প্রকণে ভোনার স্থায় কার্যো বেতে পার। স্তুত্তি যে আজ্ঞা মহারাজ।

(দ্ভের প্রেশ্ন)

দৌল। (ইন্দুমতার প্রতি) কুমারি! আপনার আদেশাকুসারে আমি অতো উপবেশ্য কর্তে বাধ্য হলেম,
ক্পরাধ গ্রহণ কর্বেন না। (পর্যাহ্যোপরি উপবেশন
করিয়া) গ্রকণে আপনি উপবিষ্ট হউন।

ইশু। (বিরক্তভাবে) মহারাজ। কেন আর আমাকে নিগ্রহ করেন। (গোলতরারের নিকটে উপবেশন) দোল। কুমারি! আপনার নাম শ্রেবণ মাত্রেই তে: আমার অন্তঃকরণ আপনার প্রতি আগক্ত হয়েছিল, আবার আপনার প্রস্কুল করেও মধুন আলাগ

প্রতে আমার মৃতঃকরণ স্থাপনার প্রতি সার ও অপুরক্ত হ'ল। একণে দকলই আপনার অনুগ্রহ নাতেক। ইন্দু, মহামাজ। আমারও আন্তরিক আশা গ্রহণেরে পূর্ণ হ'ল; আমিত এ রাজ সংসারে এক প্রাকৃত্রি বলী খাছি কলোই হয়, যদিও ইছোমত আহাৰ বিহার কলেভ কোন বলে নাই, তথাচ আমায় লক্ষ্য ক'রে যথন লোকে পরস্পার কানাকানি করে বে এই প্রীলোকটাকে মহারাজ মেঘরাজিদিংহ কান্দেশ জয়া कार्त्र भूक कात अपराष्ट्रम. कथन यामि मान गान চিত্ত। কৰি যে আমার জন্মভূমিলে কি একজনও এমন স্বাধান রাজা জন্মগ্রহণ করেন নি যে আ-भारक छ है। वाया ग्रहण गर्ड छेश्रीय करतन १- गरा-রাজ। সেট অতীনি ফল 🕬 দিনে গাওে **হলেম।** ্রেল। ব্য দেশ্যত নগ্লের মৃত ভোরাজ ত্যেষক রায় ! ক্মারি: অপেনি দেই নহৎবংশোছৰা, এরূপ না হাবেন কেন্দ্ৰ স্থায়ি কখন বায়ের দ্বাবা আকৃত থাকেনা। (কিঞ্ছিৎ চিন্তা করিয়া) কুমারি! একণে আপ-নার নাতত প্রেমালাপ করতে আয়ার অভঃকরক

চিরবাধিত করুন।
ইন্দু। মহারাজ : ত্তিত চাতকিনী কথন বারিবারিবনে

শনিচ্ছা প্রকাশ করে না, তবে আমি স্ত্রীলোক, আমাদের ছিদি হানর বিদীর্ণ হয়, তথাপি মনের আবেগ

পাতিশন বারণ হয়েতে, যদি আপেনার কোন বারা। না থাকে, ৬, হলে ও অধীনকে কুপা বিতরণ ক'রে প্রকাশ করতে লক্ষা এমে প্রতিবাদী হয়। তারাবেও পর্য দৌভাগ্য-মেম্বের প্রার্থনা করিতে ক্রিন্ত একেবারে বারি বর্ষণ হতে আরম্ভ হল। তা 👵 রাজ! আপনাকে অধিব আর কি বলুবে, তাং অহ: কংগত আপুনার **এতি**---

োল । কে হতিত করিয়া। প্রেয়দি। আজ হ'তে ক মণানাণ ডিলেল হলেম• আহার সহার ঐং বি लेमन कि फीदन वर्षास्त्र यालगात के हत । रहाई। কর্বেণ, আর এ অধীনের এতি কান যে ১.না कत्राहरू <mark>छ।व किष्टूबरे धराश १८५ । ३</mark>

উন্ধান সহাবাদ ! আপনি আমার ক্রন্তের আধীন রাজ হলেন: আভার বেট্নন, মন সমুভ্র আপ্রায়েক मधाली क्रन्ट्रिया

ক্ষেত্র আপনার মেলত মহুৎ অভ্যন্ত্রণ, তেমনি স্থ ধাতেই অপিত হল, – প্রের্গ, আপনাব অধিক দঁর হতে আমা গ্রেছে, এ নগরে পৌছনা অবনি তে: विद्व आर तीय मामधी धरल दक्ष ए गाई व्यक्ति হয় তেতা কিছ উপাদের নাম্ত্রী আনর্য বরাই।

क्नम्। महाद्वाद्यत्या अध्किष्ठि । দোল ওরে! এখানে কে আছিল রে? (একজন পরিচারকের প্রবেশ !)

भिक्ति । (कर त्यार्ष्) वहांद्री । দৌল। (পরিচারকের প্রতি) শোন শীব্র কিছু নিক্টার সামগ্রী ে 🏸 আনম্ভন করে, এইখানেই লয়ে এন, বিলয় না হয়।

[(अ, गर्डाक ।] हिनावडी माहेक ।

প্রি ন আজা।

(পরিচারকের প্রান্থান।)

ইন্দু। (পদক্ষের এক পার্ষে এক থানি কুদ্র অন্ত্র দর্শন ক্রিয়া **ছোরা খানি হতে লইয়া**) মহারাজ! এ-খালি কি?

নৌল। ও খানি এক খানি ফুড ুমজু।

देन्द्र। जरात्रांक । **अथानि जा**शनीक मेटनतिशति थाक्याति ण,र्थ कि १

দৌল। প্রেয়মি। রাজাদের নিয়ন শ্রন্থন্যায়ও মন্ত্র-शैन शाका विश्व महा

কিলার, জল ও পান হস্তে পরিচারকের পুন্দ প্রাণেশ প इंजिङ इंस्ट ट्रांम श्रुक्त राष्ट्रि ।

नेस् १ (Ceta, रहशाहण) अवाराध्या । एक राजा हिन् ाञ्चल (धारा निन १

দৌল। হাহান (হাজ করিন) ব্যাস্থান সংখনি দেখ্ত প্রকৃত ক্ষিতে, আনমান, এপ্রসংগাপে পরন সাহন্তির 罗门、《开门环内》的《西南南京中的《祖》 编译的 ि इत्रांशतीय मामणी अद्धान सर ।

इन्ह्री (। नातार्थां । वृत्तिरः, क्रारिया) भवतायः! प्राप्त লরিমাণে গ্রুণ কর্ত্যেম ওক্টী সংক্ষেপ শাস্মা ভক্ন ও জন্ম পান!)

দেল। (দক্ষেণের পাত্র ভূমিতে রাখিণা ত। ছুল লইরা) समूल अर्व क्क्रन। (जामूल अने।।) देशानि। ন্থান ভাষি আপিনাকে অক্ট:কররের সহিত ভাল সেলেম।

্রিন্ত (তামুল আহণ ও চক্রণান্তর), মহারাজ। ভাল বালে ভাল বটে, শেষে যদি বালে তেখন। শৌল। প্রেটনি 'বোধ করি আপনরে সন্ত্রীত শাস্ত্র ও বংলান

हेन्। भराव छ। उड़ छड्म नगा।

\$

িশীন। প্রেটি। ভা**ল মন্দ বিচার** করিবার ছেই এলাকে কেহুই উপস্থিত নাই, ভবে আমি আগনার ওবাব নারে অলম, অনুগ্রহ করে একটা গ্রহ চরন

ইন্য়: মহারাজ। তবে ব্যঙ্গ কর্তেন না। বিভিন্ন-প্রোক্ত

> ভাগ ভাল বাসার আশা ক্রি রগায় : ভাকপট ভাল লাস বা বেবিং । ভিলাসী বিলাগী, ২০ বে ভাল বালি : প্রোম ভাভলাবী এটি নির্বামি ইংলি :

हि कि अरमात आर्यात प्रमान होतान राजात है

দোল। বেশ্বান । একি মার স্থাত, আর একটা।
ইন্দ্র নহারাজ বেশ্রালাগের সময় গান প্রালম কিছু
সরস হওয়া আবশ্যার করে, কিছু জামার অন্তান্ত লক্ষ্যা
বোণ হচ্চে পাছে কাপনাত সহস্বহাণের মান্ত কেহ
আলক্ষিত ভাগে নকটে থারি য' আমাদের রঙ্গ ভঙ্গ
দেশ। হারার উক্ এই প্রের নিম্ন ভারাই বাটীর
সহার বার প্রহারা প্রিরাই নিযুক্ত আছে, তিনিংস্বরে
স্ক্ষাত কর্লে আবার তারাত ভাবণ কর্বে।

দেল। প্রেয়দি: আপনি কিছু মাত্র দদেহ কর্বেন না কেইই এভদুর সাহসী হবে না. এবং সহদরগণ দকলেই বাটীর খালর ভালে কৈছে: খাবে আপনার: দলেহ তপ্তন জন্ম, আমি সকলকে ভাল ক'রে নিবারণ ক'রে দিয়ে অ'সটি যে, কেই যেন এলেকে না আসে. পার গ্রহরীদের প্রতি ও অনুমতি করে আসচি যে ভারা একণে পাহারা না দিয়ে হার হ' ত অধিক দুরে গিয়ে কিঞ্চিৎকাল অব্যিতি করে। আপনি একট্ট অংশকা ককন।

(四季本1)

रेन्। (शहाबायान शुर्यक ह्यावायानि सहैशां হইতে বাহির করিয়া গাপু খানি পুণবিবৎ যথা ভানে রাখিয়া ঝগত) বা হটক একখানি অস ভো लाख इत्नम। अर्गाट कि इस्मिकि प्रमान्त्रभावीत সতীয় অথহারণ কব্তে সক্ষম হতে ? আমি কি গা**রবি**-लागिनी (ए रामनामटक्त नामी १२ । (एख दिशा देश) এই অসু কি সেই দুরাচারের শোণিত পালে পিপাদা শ্রন্থি কর্তে মা ু পৃথিবীতে জন্ম গ্রহণ করে। এতদূর, ই গাঁইত কার্য্যে অনুত সয়ে কি এর আগাতেও জীবিত ু थारुरव १ यन :- (म खग्र हिन्हां कविंध ना. ऐन्हमणी) বোধ হয় হীন বীর্যো জন্ম এছ। করে নাই ? কিন্তু কপটা-ह्यन क'रत आंभारक a निशन तथरक केकात व'रक हरव। (চিন্তা করিয়া) তা কি করি ? একে একণে बिःगरांत । তাতে আবার স্ত্রীলোক, তাতে আবার

সকলেরই দ্বীনতা অগহরণ করেছে. এতে ও কি
ওরপ পথ আরলখন করলে কোন অভার কালা কলা

হবে ? না এতে লোকতা ধলতে, কিছুই বিরুদ্ধ হলা না

ব্ধন নাই র মর্বান্থ ধন পরিত্র নির্দ্ধি ছবন বলা ইক
করতে আশা করেতে তথা ও লোক অভার

এই রূপ শাতি বিধানই এর উপাত্র দক, এনত

মাত্র পাপ নাই। (ছোরা থানি দুরে এক ছেমি লা

বিদ্ধানীর প্রেমাগিরে হার নার্থনের বা কুমার্ল

ইন্মার্লীর প্রেমাগিরে হার নুর্থাবের বা

স্বাধন করা থাক্লা, এবং ইন্মার্লি করা থাক্র বা

স্বাধিত করিলা প্ররাধি উপবেশন।

(मोन्द्रांद्रश भूमः श्रेटकः ।

দৌলা। প্রেয়সি। বিশেষ রূপে স্থানক নিবারণ ক'ে। দিরে এলেম কৈহ এদিকে আদাবে না, আপনি নিসে। কেফে আহার সহিত আমোদ অহেলাদ করুন।

हेन्। त्य चाळा भेरातां ।

(मील) है। उदा बाय अकी भान ककन।

इन्हें। बाशान डेशायमन केंक्स ।

ि भीगव बारमह भूनंबाद्व है। भरिष्यम छ देख्यकात भूनहात्र भाग () ।

श्री के तक - यह के किया।

ं जिल्ला, येन दर्श सन, तम, त्रव स्टामाति।

्रकामात्रहें। शुनि हर इस्टेन ज्यामाति ॥ 🛬 🔑

मन्त्रक्त वन श्रूप्तत्र (नेशकन) मन्त्रोइक कक्पक व्य त्राहर

1 al al al

ध गरिकारत क्र काचा समर्गन (हा

প্রীতির কুম্বের পুদরাকীরে প্রাক্তর কুম্পাদ ক্ষানা 🖂

দৌল। আহা । প্রেয়সি। কড় সভোষ করলোন (ব্রুক্তির

ইপু: নহারাজ । আপনকার অত্থাবে আবার - তানী নৃত্য করতে পারদর্শিনী।

নো (আশ্চনামিত হইনা) বটে ?—বলতে এ জন ।
হয় ন অনুগ্ৰহ পূৰ্বক যদি বায়েক নৃত্যী ও দেখাৰ ।
ভা হয়েক

ইন্দু: (গাতত্রাথান পূর্বেক) মহারাজ। আপ্রার সভা । রাণি ঘটে, দেখুবেন বেন আমার একুল ওক্স অক্লা । না যায়।

প্ৰান । প্ৰয়দি : দে আধনতি দ্ৰেমী হতে, আপনি নিশ্চিক।
পাকন ।

শৈশু। । নৃত্যুত্ব জন্ম বৃত্য গমন করিয়া) ও সংগ্রাছ।
তবে আপনি না প্রকাকে নিবারণ করে দিয়ে একেছেন !—জার কেহুই ওলিকে আসমে না । পশ্চাতে
দৃষ্টিপতি কান দেখন দেশি ।

দৌল। (পশ্চাতে দৃষ্টিপাত বাংয়া) কৈ কেহই তে না। ইন্দু। মহারাজ: জনেক স্থিত চুক্তি নিরীক্ষণ করুন্ দৌ

अर्थनि (मथ्ड शाहरम धथन।

দৌলা। (পশ্চাতে খড় ফিরাইয়া ছিরদুফৌ দৃষ্টিপাত)

ইন্দু। (সেন্ট্রন্তে ছোর। ধানি শইয়া সজোরে দোলৎরায়ের প্রাবাদেশে আঘাত করিয়া) ভূটমতি। ভাল করের দুর্জি কর্ বৌল। (প্রাক্ষোপরি পঞ্জিত ছইরা') কৃত্ত-হিন্দ্রি। বিভাগি বাল্ডি-চা-রি-

ৰিবা। আদি কুহা চৰীত নহি, মালাবিনীত টে, বালিগাবিতি ।
নিক, আমি নাৰীকুলের পতীংবাজের। চলতে
সভীত হলত করতে যে আনা করল ভালে করল করতে করনা।

1.图整门

निम्बद्धत खद्बले ।

বিদ্। 'দুর হইতে দৌর্থরায়কে অলফিড ৬ বে দৃতি কবিতে করিতে অগত) একি ! সেই সেতে হাকুনটো এই মতে কথা কজিল, আবার এর মতে । । । বিদ্যালয় কথা কলিল, আবার এর মতে । । । বিদ্যালয় আমাদের এ দিকে আসতে কলে করে এক বিদ্যালয় বিদ্যা

दर्माता (कीन अद्भः,) छ- न-श-र।

বিধু। (দৌলংরায়ের নিকটে যাইয়া সন্দেশ পতিত দোল্যা সংগত) এইত মোগুণিগুলি সকলেই এখানে পড়ে রয়েচেন দেখতি, তবে আর মহারাজ ভজন করুচন কি যে এর মধ্যে জল খেতে চাচ্যেন । একি! মহারাজ মেজার কিছুকথা যাত্রা কচ্যেন না । (প্রাজ্যোপরি পতিত দৌলংরায়বে নিরীক্ষণ করিছা) একি মহা-রাজের কক প্রার আরাম হয়েছে ক্ষেণ্টি হো বোধ করি তীন আই এইল খাবেন না, জামি এইল নিয়ে

(नगर्थ) तर्ग (क्षेट्रीत भय कतन **शृक्षक रेम**नांधार**क**त शर्थ।

- দৈলা। (প্রণাম পূর্জক) রাজকুমারি। নির্কিটে সেনা সন্ধ রাজধানীতে এদে পঁইছিল।
- ইন্দ্র । (বাতা চিত্রে সৈভাগকের প্রতি) রাজ্বন বন্ত নিংহের কোন শুভ সমাচার জাছে ?
- ীসভাচ কুমারি। **আপনাদে**র অজ্ঞান্তসারে জানি ^কেশস পণ্ড সেই খাইে শিবির রাখিয়া, তার কে কি আহু শুট দশ জোশ অবলি উল্ল অন্তেমণ কলেন্দ্র কিন্তু তার ততুসন্ধানে কিছু দল দর্শে নাই [
- ইর: । (দীর্ঘ নিঃহাস পরিত্যাগ পূর্বকে বল্লফরে ^টলেকা-ধ্যক : তেমিকে একলের শ্রীরিক মন্ত্রা
- দৈছা। আজে হাঁ সামলা নকলেই ভূমলো আছি। । এক । भाग स स अभाग ता '
- ইনী। অজিবুদার। ১৫৮।র প্রাকটো অপান অক্ট মুক্তির আছেন, 🐞 রাজের আ**ন্তেগণের নি**নিভ আ**পে**নী নার শন্ন কার পর বে নে প্রয়োজন করে। না । ভরদার ব্রি অমি বেলিফা গ্রম কলেটে কৃতকার্য হতে : পার্যে ।
- ইতা। প্রিয়ম্থি। া বৈ সমূত্রে শাচা, শিশিরে কি কর্ত্ত বলুন: আগার আপন র মর্মভিব্যবহারে গ্রম করী (अधिः।
- ! 🔞 চিন্তা 🚁 িয়া) রাজকুমারি। তবে আর্মি ্যে কলনা কলে খ্ৰেইত খুলিবিদ্ধ ?' না—শাগনাৰ শার কোন পরামর্শ আছে?

ইরা প্রিয়স্থি। আপুনার কলনার আ**শার** সম্পূর্ণ ম**্**, একনে ভাতার মতের প্রতিকা।

है ু। ্মহীপথ সিংহকে আসিতে দেখিয়া ।

কৃষ্যে এই দিকেই আনেছেন।

ব্যক্ষার মহীপথসিংহের প্রবেশ।

উন্দু নাজকুনার! ছতাপুর নগংরর থে রাজকুমার ম্যাক্তর সিংহের রুতান্ত, খানাদের দেশ কর্টন ক্ষেত্র আপ্রাকে বলেছিলান, এফলে সেই ক্ষেত্রসারের অন্সন্ধানের উপায় কি?

নিং। বুনারি! পামি বিশেব অবগত হয়েছি দে, তালেও
লগর বাজধানিতে দেই নিচুর দেনের হা লালেও
লগর বাজধানিতে দেই নিচুর দেনের হা লালেও
লগর ভিন্ন দেশীয় কোন ব্যক্তি প্রদেশ হর্ম নালাই
নিটন পরিপ্রাধন সহিত হাকে কারাপালে লালি জারে
লাভ ; অতএন সেই সুরোজের অনুস্থানি আদিত
সম্পূর্ণ ইচ্ছুক। এবং চুরাজে তিলি রান্তের জীপালের
লাভি আমাদের মাজমানকর অতি কর্ম তিলি
শ্রু নগরে গমন কল্যেই বোধ করি দেই মুনরা নিজ
সন্ধান পাত্রা থাবে প্রুষ্ট কোলি রান্তের লাম বান
উপর আমরা জয়পতাকা স্থাপন কর্তে নালম ব্যঃ
ইপরী রাজকুমারি। অতি সংবৃত্তি (রাজজুমারীর প্রতি
রাজকুমারি। আপনি কিবলেন।

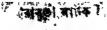
দ্ধা। (মোৎস্থকে) যুক্তিসিদ সংয়।

রাজকুমার! আমাদে গাত্রী করণের নিশিত দৈয়া-দের প্রতি যা সংখ্যা কাত্য হয় করণে। যাই, নিরে ক্রিড় শক্তরবের এঁর ব্যারামের শব্র শিই। (মুটি ওক্টি শক্তেশ ভক্ষণ, বঙ্গী ,কাঁচার বাধিরা প্রধান)

कर्रहार्क कर्मक्षेत्र अञ्चलका शहरामा ।

- ১৯ আ। ' দেশিবংরাদের প্রজ্ঞান্ত কর । কেৰিয় নোকৰ করিতে করিতে) জাল । নার্শ্বনাশ কল্পেন নার্দ নাজ । একি । জাকি । আনাদের নার্দ্ধনাশ উপস্থিতি হয়েতে যে। .
- ২য অ ৷ (জন্দন) আমরা এখন কার শরণাপন হ'ব 🛊

 তালাত : : : ভ অবশেষে এই ঘটনা উপন্তিত
- প্র (দৌলংরারের উর্দ্ধ দৃষ্টি দর্শন করিয়া) মধ্যা । গজ ও আর নাচবে না দেখছি: (অন্তান্ত নার্টরের প্রতি) ওপে তোমরা এখন কালা কাটনা করে। নাচনা নিয়ে নাচনা করে। নাচনা করে। নাচনা নাচনা করে। গ্রেক লাভ করে। গ্রেক লাভ করে। প্রকাশ করিতে করিতে দৌলংরায়কে । ব্যাধরি করিয়া লইয়া প্রস্থান।)



*180 N 318 1

利爾作 可加一到到我有

स्कः ११वे देशंबदी ७ क्योंकी देख्यती जारीन।

ইন্দু। (ইরাণ চীর প্রতি) রাজকুমারি। একাণে তো একাণ শক্রহত হতে উদার হওবার্গেলু। কি । সাপন ব হাসহ কট দিনারণ কর্তে না পাছে তো বার্গেল গান্তি লাভের কোন উপাস বেশ্চিন।

ইরা: (কাতরবারে) প্রিয়দির আন্তর বর্তী বর্তী তর লাভ হওবা ভাষার প্রকল্প বের করা বর্তী ত্রালার অভিলাম পূর্ণ করান—আপান র করা করা হবি তোলা, আমাকে ভগুমান কে করা দিং কর্তন বল্ন আলাক তেন ভা আদি দহু করি। কি কর্তন বল্ন আলাক এ কই নিধারণ করা আপ্নাদের অসাধ্য

ইন্দু। রাজকুমারি। আপান নে পর্যান্ত সেই বুবরাজের সামালন প্রথে রুখা না হবেন তত্তিবল আনর। স্বর্গ ভোগেও ছ্থা হব না। ই তেই প্রতিজ্ঞা কলোম যোখানে সেই করেজ বলোবভূদিংহ আছেন, এই মূহুর্তেই সেই স্থান না বিষ্কুর। চেষ্টার অসাধ্য কিছুইন, লোগনি হতাশ্বান হবেন না टेमभ : कुशहर: १३० ०

গ্রাই দেশগড় নগরের **দৈল্পণ্**কে করিগারে কনী কর গে মার অধিকাংশ দৈল্য দেশগড় নগার আর্ক্তমণ করিগার জন্ম প্রস্তুত হওগে, আমরা অতি গীল করে।

CHARLE OF THE

对军门)

ইন্দু। াহীপৎসিংহ ও ইরাবতীর প্রতি। পার ালন জরা উচিত নয় সাপনারা তবে চন্দ্র। বুলিরা ব্রিক্তি ফালেজন করা ভাগগে।

ां, ७ देती। शालात हत्न्।

সকলের প্রকাশ

াপ্ত ভাষ্ক ।

लका भेजाइ।

इ.इ.९.त न्या त्राज्यानित कम्मुद्धत न्यान दकः । शस्त्री हस्यद्धवा त्यामिना।

ारुक्त मांगी**क टी**द्वना।

ত জ । যাস ! মহারাজ কি গ্রামই হা হা কল্ডের । তেওঁ লক্ষাদ ত লিমি ওতক্ষণ গাইনি।

দার্থ । রাজমহিষিত আন্তিজ জো এতাত জনতের । আনাকে জাকিয়ে আপিনাকে থবর দিতে বল্যে।

মহিশী। (তিতা করিয়া দীর্ঘ নিঃশ্বাস গতিতা । গুর্বক গগত) এত আনার ভাল বিবেচনা হটে না । আনায় ভাগে কি শিব গড়তে বানর হলো নাবি " থেলাম না, ছালাম বা মাজে । কে কলছেব ভাগিনা হলেম। সকল লোফেই তে কুথার যশোবত সিংহ ভারি বিদ্যাবান বৃদ্ধিমান হল্মদেন : ছাই—ধে নব্যু । রচে। প্রেম বোঝে না, তার বিদ্যাও র্থা, ভার রপ্ত

इथा। दूरे राष्ट्र दश्त मानुवनी मन, विद्धा काली এতদিন ছেলে ছাড়ো, ও গা তার এখন বৃদ্ধি কেন (मा मर्मा कि मा ! वक्की नाए ह लिए कि থিয়ে ॰ তাই ভুই এত যাচ বিচার কালা । বি । ল্বো তে তে'র **সচ্ছে দে**খা হলো মা, ও। হলে বিলক্ষণ করে গুনিরে দিচেম। মাধ্যেত হালে প্রাংশ ও 🐯, भिनास कुळारमें (समय मेक) वराम ८६ मिन ८५ ८क १६ मृह्य, आधारमूत संभारत कीत (संभार दल्केक িছল না, ভুই থাপু বিয়ো কর্তিনি প্রে**ছিলি বেশ**্রি জ্ঞিছা হয়তা ¹ রাজার তিন ফাল নিয়েছে, এক কালান লাভে ওৱে আবাহ ভয় কি ? তিন দিন এক বানিছে-১ বানিক্ত পত্ৰথাৰ লিখলাম ভাৱ না হয় জানাবই দে 🕫 'भ मा का मा करा 'महा'त ए'तम **शंदश** के ती. वर्ष প্ৰেটিজন সাস্থ্য কৰিছে আৰু কৰিছে আদিস তেওঁ দেখাণ্ হারে, কেলে। ১৯ কর পারতে পারিম। করিয়:) 'বু র ্ড' ছর' ছাল পাছেবণ কতেয় যাতে कराजन, शाखीत प्य मिरास हता, नाखा यानि वासी मा भारतम का श्रदा आभि क्षेत्र १९८३ श्रदा दकरम् পড়বো, যে আমাকে দলে করে নিয়ে গেতেই হবে 🖟 নাদৎ এলপুত্রটি ত একটি বলেব পুত্র, যদি ভিত্তির কথা বংলই ভেলে, তা হলে তো আনার এক ওরুর দকুল মারে: আমায় অপুর: থাখার ভাস্তে হবে, যদি আমি রাজার দক্ষে থাকি, আর জ্বাজা দৈখা পায় আমাৰে নেপুৰে চকুলক্ষায় কথকুই

क्षो टाकान व्हार्फ लाइक या है (दनकाक श्रम नज া ভানিয়া) এই বাঝ রাজ লোগতেন ? मक महत्व, क्षमां क्षण के बाहा के बहु मिरदेश दार्थन । गर्रित : , शिक्री क हुई कि किशे) ए कि क ने पूज र १ . अ ্পাশক পার**ভের যে ?** কোন বুড়টুৰ গাসংজ্ঞান আন্ত ্ৰেলয়। (কাতের স্বরো) শহিষি। শশর বিশেষে (ভালার এর প ব'কাগুলি অয়ত বোচ হয়, কিন্তু-এখন ভেল- প্ৰক্ৰি মাধ্য কৌশল আমার বিষ্ঠাপকাও ক্রিক হৈছে হ लें । भूमि कि ताबंद्र लाला। मा त्य कुमारक अर्था ं जारावानिका तरिष्ठ रूप दि करेंगे शान्ति । उपरान्ति । হাহাকার কল্ডে, কুনারের দর্শন ব 🔭 🕟 🕟 🕬 🔀 ্তাৰ কোন উপায় নাই। তোখাৰ কি পুত্ৰের ए ा रक्षान करें है एंकर मी. ए एवं भारताल शहार ममक्र अहेक न ओटभान आगाए चांटक करना १ बांश-া **ছিত হট**য়া ৷ মান্তি এখন চলেন ভোষার বাতে ্ আমোণ প্রায় হয় তাই কর। (গমন কারতে অগ্রসর) '**মহিধী**। (হণ্ড) গামোদ আহলাণে তো কিরান তাবে না দেখ্চি, একৰ ৰ কামা কটুনা করে দেখি ৷ (অপ্ৰসৱ ি ৺ হইষা রাজার হস্ত ধরিয়া প্রাকাশে ` মহারাজ : তাই े आयारक बृत्न त्थरन कनून, भा र ही हारक श्रह 'दशरम ना नरमा कि वृक्ष राज भाति ? अथर भेंदा नरमान े **मर दूब एक भा**र शाम ।—- छटक कि क्यां भाम बटन वटन

अनुवाकरका घरतान १५ शांकाङ अने मातन कतिया कान-

মের সহিক। বহারাজ। ।। বার প্রাণ্ থাকুতে জাপনাকে

শ্বন্ধ হৈছে দিতে পাৰ্য না, আপুনি বই আর কানারী কেও নেই, আপনাকে প্রাপ্ত ভীলুকে গোলে কেন্ট্রেই আনি আপনাকে না দেশে এক লভও বাচবো না, আমাকে মকল পাথারে ভালুকে পাণানার বা বাই বিজ্ঞানার পা বাল পাণানার কথ-বিজ্ঞাপনাকে বেতে দেশে না।

িবর। (মাছধীর ইক্ধারণ পুনাত সাজন। বাকে।) সহিতি । এ কাত হও, প্রতায় অনুরোপ কার আমান জীননার নাশের চেন্টা করে। না, ভাগার গ্রামনর সকলই প্রস্তৃত্ব আমার বিশ্ব হচে।।

ফাছিলী। মছানাজ : জবোজামি আপনার সজে নাব।

তদা। মাহাম, সেটি কি গ্রামণ যোগ্য কনা প্রতি একটি

বিপ্রেয়র হলে জীবন রক্ষার নিমিত্ত গ্রমন আত্যা—

ভাত বাবন রক্ষা, বা কি না সন্দেহ, গ্রাবার । সংঘাইক সমভিন হৈছে পরে বারা কি বিপ্রের উপর আলার বিপ্রদানী

গ্রেস্ত হব । পরে নারী বিবজিন্তা, এও তে। গ্রেন্ত।

শ্রম ক্রপানি গ্রম হলে দানীর পুনঃ প্রবেশ।

দাসী। মহাতাত তি কর্মারের বিদ্যামন্দিরের রক্ষক এই পির পানি ক্ষাধের শতাব বিচে লুকান ছিল বর্ত্তি লাপনাতে দিবার তেওঁ পানার দারা পাচারে দিবা।

উদয়,। (সত্ত প্রভাৱন প্রভাৱ ক্রিলাভ করিয়া) এ ত্র প্রভি স্থিনীর স্বাক্রীয় লিপি, (মহিরীরপ্রতি) শ্রহিষি: কি এন্ড কুনারকে পর লিখেছিলে ? ্ম বিশী। । সভয়ে) বাহবা আদি বেন উচ্চক্ত (গাৰিবে) প্ ক্রিক্ না কাহবা (দিয়িও (গার সিয়া পত্র পাঠি)। দিনি।

প্রায়ববেষ --- ্র: :

কান দিবদাবিধি ভোমান অথ নাম অত্যুক্ত তেওঁ
আছি। চিরদিনই কি বিদ্যান কালে বাদি ব্যবে

এক দিবদার ওলেও কি লাট্ডর উত্তর আন্তর্গত কালে বাহর বাহর বাহর কালে আন্তর্গতার ওলেও কি লাট্ডর উত্তর আন্তর্গতার কালে বাহর বাহর কালে আন্তর্গতার কালে বাহর আন্তর্গতার কালে বাহর আন্তর্গতার কালে বাহর বাহর আন্তর্গতার বিষ্ণান্ত আন্তর্গতার বাহর আন্তর আন্তর্গতার বাহর আন্তর্গতার আন্তর্গত

ब्रीभर्डः एक्ट वश (नरी-

র। (পত্র পাঠান্তর বাহ্ন জান শুল হইয়া) পরমেশ্ব।
কি অচিন্তনীয় ঘটনা ? (জোন প্রাপ্ত হইয়া অধিক্তুসিন্তের আয়ু দাসীর তি) দাসি! শান্ত জনগ্রই
দুলকে এই খানেই ডিন্ড আন।

উদয়। (মহিধীর প্রতি) কি পু পাপীয়দি। কলক্ষিনি। ে: তোড় এই নিদারুণ কুহক পড়ের দারা মাহি পুরু ধার্রেছি ? (গম্ভার ভাবে চিন্তা করিয়া েবার এপাপের প্রায়শ্চিত নামায় হঙ্কে ই**চিত ময় কেতিয়ালের হত্তে হ**ওয় চিচিত -

(हुरे का मृत्कत छोत्यम ।)

ফিল্য়: (দুভৰয়েৰ প্ৰতি চতুত ! আই পাপ ফলিকে পৰিলকে কোথায়ালখানায় লয়ে ৫৫ কোভোয়ালকে গান্ত কর্ পুত ব্যা। (অপ্রদর হইয়া মহিনার প্রতি) রাজমহিনা সহা-রাজের আজা প্রতিপালন কলা

১৪: I (জেন্দুন করিতে করিতে রাজান প্রধান টিদ্যত হইলা) মহারাজ: ও জাল পাতা, ও পাতা আমি : কখনই নিশি নাই-সাব বদিও আপনার বিশ্বাস। হয়ে খাকে আগান সহতে আবাকে শান । । । ।

छे। । (महिशीद क्षा ह) मंधार्गरित ! जात का नारक क्रांस्ट ক্রিনে, দতের ডোর অধ স্পর্ণ না কত্যে করে ইন্দান প্রণের এাধান্ত জন্ম কোত্যাল্থানায় श्रम कर्न । (मण्डराव थारि) कुछ । गोध गात क्षम. আৰু বিজয় না হয়, এট বাবিয়দী**র ভার** • शिरी कन्त्रिसां शक्तः !

न्जदर्भ। (महितीत क्षां कि महिति। आह विनय कहा वन না চৰুন অপ্রসর হোদ।

মহিয়া (কল্পিড লংলবরে ক্ল'দ করিতে করিতে ১

(मकरम्बं होत्।)

र्शिक ।

কিটাত থাৰ্ডার 🕈

जानगड काल- कालकाड

क्रिकेश महिन्द्र महिन्द्र का निष्ट्र का निष्ट्र का निष्ट्र कर्मिक स्टब्स स्टब्स का निष्ट्र समय निष्ट्र का समय का निष्ट्र का स्टब्स स्टब्स स्टब्स

্ম গ্ৰহ। (মংশাহন্ত নিংৱেই গ্ৰন্থি কিন্তু নাৰে) কেন তুমি বিলম কৰে অস্থান সকলের স্মার্থ্যকাতি ক্র বীষ্ণ শীস্ত এস মা।

শালা। (কাজরপরে) দেখ প্রহরী। অদা আমার শরীত অত্যন্ত গজস বে'ধ হচ্চে, যদি দ্রা একাশ ক'রে অদাকার দিন্টী আলোক রেহাই দান । হলে

নৈ প্ৰহ। আৰৱা তোমাকে প্ৰত্যাপথা কতি। পাৰি না। তোমাৰ কি বোজ গুলুবা হুল্প গ্ৰিকাক- বলী , निशंदक (मधारेश) अहे (छ। अता अव नित्तत क्षा

া বেশ গণ্ডি **এই সাক্ষ্ স্থাপ**্তাহা ক্ষেত্ৰ কৰা ২০০ ১৯টা কাৰ্যে নিযুক্ত আছেন, নিজা হ'ব একাল অভ্যান হয়ে গিয়েছে, আমাৰ অভ্যান কৰা ক্ষেত্ৰ ভাৰপাৰ আৰু এক দিন্ধ অভ্যান হ

সম প্রাণ তেওঁমার কেন্ড রোজ নিষ্ঠা কথা কলা কলা ক্রিক ব নামেন্ত কিত্তির হক্ত ধরিয় ১ এখন ক্রিক কর্তি নাজাতে অকিনি প্রবিক) এনেন্দ্র করি করি করি করিছিল পারে :

নেশাবা বণজেনীর শান্ত আকে পুরুষক প্রার্থীকার, পাস্তার ব কার্ডারিক্টাপ করিয়া আক্ষণা বিভালারে আনি থিলোগার ব নেশাসাল নারের একগান দূর্বেন মহিন্ত নাজকুষার কর্তার নিংশ, গাজকুষানি ইনারতী, কুনালি নাম্বাকী ও জালা কার্ডা ক্রেন্ডার নারেন কভিপার বিশ্বনার প্রারেশা নুকা। এই আমানের প্রশেষ কবি পার

> -न्याराधारका क्षेत्रकेष्ट्रिक असान्त्र

ইন্। (অক্নার রাজক্মার বলোবন্দ দিংহেব হস্ত ধরিয়া উচ্চিত্রতে) রাজক্মারি: জাতিত হোন, এই আপ-নার, জীবিতেকর রাজক্মার সংশাবন্ধ দিংহকে । প্রাপ্ত ২০গতি।

মহা। কুমারি: আনাদের তো প্রধান উদ্দেশ্য দাংন হ'ল, ব এক্ষণে (যশোবস্তদিং নক দেখাইয়া) আপনারা এই নভাশানের সহিত ক্ষণেক মিন্টালাপ করুন, আমি অভি কার ছারাছা দোন নামের জারিপারের। উপর
প্রতারা উলাহ্যান করে জানার উল্লেখ্য সাধনি বিল জানি। নামের বিলক্ষার করে আই যাতে যে দুটী প্রত্তিতি এখান হাত পালামন করেছে ভাহাদেশ সাধা খানেব

देन्यू । कुमात । अखिनाइत व्यक्तिरवन

- महीलंद कि एट्यून वास्त्राम !

भरमा। क्यांते। धे महाश्रादक व

ক্রিয়া। ক্রেয়ের । সাঁর সদ্**গুণের পারিচয় গোপ**নার টিটেট পিরেন ডিলোম তবিই **নেই স**র্বারণালয়ত ক্রাল প্রতিপতি সিংক, সেলকুমারীর সংখাদের।

बर्टा । हमाति । **উमि रव** क्रिया ६वम करनाम ७८७ (छ.

বিদ্ধান র' দক্ষার । দে জন্ম আপনি তিনিপ্র ক্রান বার নংগ্রাম হবার আর কিছুমাত লালালা নাই ধে সকলের রুজন্তি আপনাকে পরে ত্রেদন বারেন। একণে অনুপ্রতাই করে রাজস্মানি লি কথোপর ধন ই'রে ওঁকে ফুল্ছ ইরুন্। ধা লালাকৈ জন্মন করিতে দেখিরা) রাজক্মানি ক্রান ক্রান প্রকাশ কলেন । আমি ক্রানার প্রিল বিশ্ব কথাবার্ত। সমূধে লক্ষা কি । রাজ ক্রানার প্রান্ধ কথাবার্ত।

ৰিয়া। প্রাণেষর কি হৈ অধীনি আননার প্রীনের গোপনে

তি করিছিল, তার প্রতি

कि अल्पूर निर्मत संबद्धात कता व्यापमात के हिन्ह स्टार्फ्ट ?

য়। ব্রহকুণারি! আমি এই বিবেছন, ফরেন্ডিলাম য কেবল লামারই অভঃক্রণ গালনার জাতি পার্ক-বালি হ'রে শালাকেই দক্ষ কচ্চো, ফলেনি টো অনুমার্ক প্রাত অনুরালিনী হবেন, ও আফার অসাবনার, কারণ আমি কোনজানেই লাপনার বোধা হ'ত্র নই, তবে অপেনি যে এ গরীনের প্রাক্তি কুপা প্রকাশ হ'লোন দো আমার নিভান্ত শুভান্ত !

ইিল্, সাজস্মটো আর বাদ্রেওর বাবে বাজকুমারীর মতনেহে একি প্রকার কর্তনা বা ফুলা করে কাবাদ বাক্তো ওঁকে মুম্লীবিত ক্রমা।

विकिन् । गुरुव मुख्य खेलान्।

ি। (মিটাটোৰ জাতি। এবানে দেশগড় নগারের জার। গালে-বিজ্ঞান কিয়ের কোলাছল **হাঁচনে।**

২৬। দতিরো। ভাষার প্রীনোধেরও বাকোর ধানি শুরা থাজিল—চল এখানেই একবার প্রবেশ করা যাক। বেশ, বিলেন, পাহাড়, পর্বেভ তাঁর অ্রেন্সা, জনন করে তো মনেক কেশ পাওয়া কান্দে, যদি স্থাজ্ঞা ভাষাদিখের প্রতি ভূষাক্ষাক্ষাক্ষাক্ষাক্ষাক।

अन्य सार्थ क्रिक्ट शाका । अन्य सार्थ क्रिक्ट शाका

रह । (बाकर्गाविक हरेगा के

১নুঃ (যশোকত িহকে দেখিলা) এই না জুনা লক্ষ্য সিংহা

হু। হাঁ ই ভিনিই তোলটো। আঃ ! বাঁকা পোলে বিভানত কিন্তা কিন

গ্রেণা। দেখা। আমার অদর্শনে পিতার অন্যালন দ্র প্রা ক্ষেত্র, তাতে আমি মহাপাপে লিপ হালি। ক্ষেত্র ভিক্তা ওপাণে প্রতার-কুশন স্থান বলে জানার ক্ষাল্লাই শীতল করা।

১নু ! কুমার ! অধিক আর কি বল্বো, আপন্তত না দেশে মহারাজ মেরপ কাতর হয়েচেন আমর^{ক্তি}পিল এসোচ, তাতে যদি আপনি এই লণ্ডেই এখান একে ব্রুল্ন নিতে যাত্রা না ক'রে তিলার্ম বিলম্ম করেব না হলে ব্রোধ কার জীবনের করেব। করা বাবে বা

গলো হা পাণীয়ান বিমাতা : গ্রিতা ফি এমন কচিন নিপ্র ত হয়েচেন যে জুমি আমাণার সংসাতে এইবং চোপ, জাঃ প্রিতাল কটা গগনে আমান হল কিন্তু বিজ্ঞান ইণা (কপালে করণাত করিয়া: আ দংগন! বোনার
নিচনার্ডণারে কো ছংখের হাচ হান আছে
হবে কি ও ছতভাগিনীর কপালে ভোনার বিধির ও
লামি হ'ব ও (হশোবার হিংহেব প্রতি আন্ধা
আপনি ওরপ কর্লে আবার ব্রী হতা হ্,, বৈধ্যা
বলমন করন, এগনিই এখান বত রাজবানীতে
চলুন ও হালে পিতার সকল কটে দুব মনে সকল দিল্ব

সংখ্যা। (ইরান্টান প্রতি) দেখুন। আগার নিমিত তুকা আপনার। সংগ্রুক কট পেলেন, আগার আনার গাভানা কর্তে , একতা আপনারা এখন হতে প্র-নার বাদী পমন বর্জন, তার পর পিতাকে তথ্য থার থত শাহাপতি আমি আপনাদিগকে দুশ্য করেছ।

ইন্ । বিশি । তে কটের পর রাজকুমারী হারা নিথি

হা এর্ডেকেন । উলিকে আন প্রারাজকুমারী হারা নিথি

হাতের্বন হাতে কোনমতেই বিশাস হয় না

অত্তবি হতা কুমার কৌশংসিংকে সঙ্গে পরামশ্য

ক'বে আনব' সকলেই আপনার সঙ্গে রাজনিটি

বিশ্বে পিতার কউ নিশারণ করি।

গিরে পিতার কউ নিধারণ করি।

যশো। কুলার। এ আমার পরন সোভাগ্য যে তাপনার্কার

আমার সমলিব্যাহারিণী হবেন—তবে চলুন।

ইরা! 🕹 আন্তন তার বিলম্ব করা উচিত নয়।

मक्रात्र श्राप्ति।





" इंडिश्रेन मग्द्र शंकराति।

विका उन्प्र नित्रहः भानिको निर्मा निर्मा हिन्दु निर्म को निर्मा है। प्रकृष्णुंको व्योगजी अवः क्र्यानी हेन्द्रमञ्जीन अ शक्तिम किन्तु नि

छेन्य: (नटक्षा **छ मिश्टर्**न आछ) नवन ८००००

প্রি। নরনাব। কেন আর আ াচাচ ব্রেদন করেন।

- অক্ষামায়ার রুপায় আপনাব কন ক্রেম বুর হলে।

উদয়। (বশোবভের প্রতি) বংশন ওরুদেবশে প্রণাম কর।

শালি: (বর্ণোবস্তের প্রতি) কুমার : ্রমন কি, আর ার िक' एकि जाननात तथा क्या क र ७ छार: **रे७ भराता**ल जाल हरना दरख्ये।

भागा । कु इस पर । **मकलि व्याधनार** अमानाल स्राह का**र्य** । ित्ता । (१) जरूभा**तिनित्रोक गण्ड कति**ता रामाने एस लाखि । ২৩৮[°] এ কুমার কুমারির। কে চ

न.ल भर्दाणाः सदीसागात कृशीत जना योगीतन्त्र धदकात मनन मिनाशाः छेना म्हाह. আপনি কি বিবেচনা কতে পাঞ্চেন না যে কুমারের সহিত্র (রাজকুহারীকে দেশাইয়া) এই তাজকালার পরিবর দুর্পাদনের सम्भ मकटार पाकिसा छेटसक 🖺 श्राह्म : जात-दाः अकार एकले तथ कालन । भद्र । हैं हाटमा फेलादर कुछ कार्धर सम्भीमह उक्तर, অষ্ট্ৰিশিকী লাখলগোৱাত পুজৰৰু দমোৰ্গত জীবন भक्त कक्षम को पर्व और विश्व शहर श्राह्म श्राह्म श्राह्म के हुन পরমানকে দেশ ভ্রমণের ইতিহার প্রথম করবেন। 👈 🕚

हिनत । श्रेक्टेंस्व । साद जांत कि ? प्यामाण १५ ८छ। मकलहे मञ्जा, आंद कारणात्रत जानरमञ्जू मीमा माहे ? अकार বংগ্রের মান্সলিক কিয়া এই দতে বভাগ আলভা ভাষ্ট্রেই আমার এলম্ম সফল হয়, এবপর না হয় ामारदार कता स्ट ः

 ति । दन वानमात हेका, किन्छ थ एनंत निताप्त दे अवस्थित है हैं। इंडिज

টার। বৈ আজা গুরুদ্ধের। (পরির্গারকের প্রতি) পরিচারক_{র।}

图图 [1] 中国的第三人称单数 (1)

किल्यों दिल्हा । विशेषात्र तिहित तिहास विशेषात्र महिल्ला विद्वाल वात भाग क्रम्मानिक किया लाउ उ करा।

तनस्य मित्र नवीत्।

জিলাল (পুলোবান্তের ইন্ড্রাপরি ছিরাব্রীর স্থান সভাত পুৰবিদ প্ৰাক্সাস কেখাছ ে ভুনিই যুলেগ্ডেন্ড (ভান) । ভোগণ পাৰী, বছুৰ বলেবিদের সাইত ভোনা ॥

্ন্ত্ৰ প্ৰাৰ্থ সূত্ৰ আৰু কুছেম, ব্ৰুল্ডাৰ ও কং - अद्भा अंच मार्ग्य करणाम, मंद्र भौगावे क्रमाश राज्या

क उन्हें व्यक्तिक एन सूत्र महस्राण श्रीकार के ले ले ले हत

নিপথা হহতে পুলা ক্ষি :
নিপথা হহতে পুলা ক্ষি

इत। विक्रिक्ति विश्वास्ति हता एका शान के प्रति ।

न् गडीत रुक्त शहर भू भूभारा हार में भू स्पेर सामन अर्थां के प्रदासी के ले भी के ले हैं है से दिसा

क्ष्याः दक्षत क्ष्मिः १६१ मः कः । श्री अली इत्वेम भी बाल अञ्चला म दिस् । टाईटे हेवा । किरतेस नि

अकार कार्य खर्गा श्रामण अन्य श्रिय में के आत्र श्री करते कार्य करते